

//-- सुविचार --//

हमारे सामने आने वाला कोई भी तथ्य उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना कि उसके प्रति हमारा दृष्टिकोण, क्योंकि वही हमारी सफलता या असफलता निर्धारित करता है।

सूचोदय/सूचार्स

उदय : 05:28

अस्त : 06:10

प्रदेश का तापमान

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	37.0	21.0
जमशेदपुर	42.0	24.0
हजारीबाग	39.0	21.0
डाल्टनगंज	41.0	20.0

संक्षिप्त खबरें

गढ़वा में विधायक के पेटूक घर में चोरी, अज्ञात चोरों ने लाखों का सामान उड़ाया



गढ़वा। गढ़वा जिले में चोरी की एक बड़ी वारदात सामने आई है। गढ़वा थाना क्षेत्र के बेलहारा गांव स्थित स्थानीय विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के पेटूक घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने अंदर प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, घटना के समय घर में कोई भी सदस्य मौजूद नहीं था। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने पूरे घर की तलाशी ली। इस दौरान घर का सामान अस्त-व्यस्त कर दिया गया और कई कीमती सामान चोरी कर लिए गए। बुधवार सुबह जैसे ही आसपास के लोगों को घटना की जानकारी मिली, इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर गढ़वा शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और डॉग स्कवॉड टीम के साथ जांच शुरू कर दी। पुलिस टीम घर और आसपास के इलाके से साक्ष्य जुटाने में लगी हुई है। घटना की पुष्टि स्वयं विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने की है। उन्होंने बताया कि चोरी गए सामान का आकलन किया जा रहा है, जिसके बाद ही नुकसान की सटीक जानकारी सामने आएगी। इस संबंध में गढ़वा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) नीरज कुमार ने बताया कि डॉग स्कवॉड की मदद से मामले की जांच की जा रही है। आवेदन मिलने के बाद चोरी की विस्तृत जानकारी दर्ज की जाएगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस अज्ञात चोरों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस गश्ती को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

परिसीमन

हर राज्य की मौजूदा सीट संख्या में 50 फीसदी तक होगा इजाफा

झारखंड में 14 से बढ़कर 21 हो जायेंगी लोकसभा की सीटें

नई दिल्ली। केद्र सरकार ने परिसीमन के मुद्दे पर विपक्षी दलों की आलोचना के बीच स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि राज्यों में लोकसभा सीटों का इजाफा वर्तमान का 50 प्रतिशत होगा। विपक्षी दलों का कहना है कि जनसंख्या वृद्धि असमान होने के कारण राज्यों का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिशत घट सकता है। खासकर दक्षिण भारतीय राज्यों ने इसपर आपत्ति जतायी है जहां विपक्षी पार्टियों की सरकार है। इनके मुख्यमंत्रियों ने सोशल मीडिया पर अपना विरोध दर्ज कराया है। महिला आरक्षण लागू करने और लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या को बढ़ाने को लेकर सरकार कल से संसद की विशेष बैठक में विधेयक लाने जा रही है। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार नवीनतम

झारखंड कैबिनेट: हेमंत सोरेन कैबिनेट का बड़ा फैसला, 53 प्रस्तावों को मिली है मंजूरी

राज्य कर्मचारियों के डीए में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी

अब 252 की जगह मिलेगा 257 प्रतिशत महंगाई भत्ता पेंशनभोगियों को भी मिलेगा लाभ

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। नये वित्तीय वर्ष में झारखंड के सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी खुशखबरी मिली है। राज्य सरकार ने महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को हुई झारखंड कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर सहमति दी गई। कैबिनेट की बैठक समाप्त होने के बाद विभागीय सचिव वंदना दादेल ने बताया कि आज की बैठक में कुल 53 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशन भोगियों के महंगाई भत्ते में 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी की



गई है। इसके तहत इन सभी को 252 की जगह 257 प्रतिशत महंगाई भत्ता देय होगा। वहीं पांचवां वेतनमान के तहत वेतन और पेंशन लेने वालों के भी महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की गई है।

स्कूलों- कॉलेजों में विज्ञान और तकनीक विचज का आयोजन

उन्होंने बताया कि झारखंड के स्कूलों- कॉलेजों में विज्ञान और तकनीक विचज का आयोजन किया जाएगा। 8वीं कक्षा से लेकर पॉलिटेक्निक के छात्र इसमें हिस्सा ले सकेंगे। विचज में रोबोटिक्स और एआई से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। वहीं सर ज्ञानचंद्र घोष के नाम पर राज्य में गणित दिवस मनाया जाएगा। झारखंड में रोबोटिक्स फेस्टिवल

का आयोजन किया जाएगा। एससी-एसटी कानून के तहत रांची- धनबाद और पलामू में अलग से कोर्ट की व्यवस्था होगी।

अनाधिकृत तरीके से बनाये गये भवनों को नियमित करने का फैसला

झारखंड कैबिनेट के एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले में झारखंड में अनाधिकृत तरीके से बनाए गए भवनों को नियमित करने के लिए नगर विकास विभाग के नियमितीकरण के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इसके साथ रांची सहित राज्य भर में 10 मीटर ऊंचाई के आवास यानी जी प्लस टू भवन को रेगुलराइज किया जाएगा। इसमें अधिकतम 300 स्क्वायर मीटर एरिया होगा। नियमितीकरण के लिए न्यूनतम फीस आवासीय भवनों के लिए 10000 रुपये और गैर आवासीय भवनों के लिए 20000 रुपये रखा गया है।

सीबीएसई 10वीं परीक्षा में शानदार प्रदर्शन, रांची के छात्र-छात्राओं ने भरी ऊंची उड़ान

प्रण्या प्रिया 99.6 प्रतिशत के साथ स्टेट टॉपर

नव प्रदेश संवाददाता

रांची। सीबीएसई द्वारा कक्षा 10वीं की सेकेंडरी स्कूल एग्जामिनेशन (एसएसई) के परिणाम घोषित होते ही रांची के छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। इस वर्ष के परिणामों में न केवल उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या बढ़ी है, बल्कि कई विद्यालयों ने शत-प्रतिशत परिणाम देकर अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता को भी सिद्ध किया है। दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची की छात्रा प्रण्या प्रिया ने 99.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्टेट टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। परिणाम जारी होते ही शहर में खुशी का माहौल देखा गया। सफल विद्यार्थियों के घरों में जश्न का माहौल रहा, अभिभावकों और शिक्षकों ने एक-दूसरे को बधाइयां दीं। विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन का यह परिणाम हर किसी के लिए गर्व का विषय बना।

डीपीएस रांची का शानदार प्रदर्शन

दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची ने इस वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए



सफलता की नई इबारत लिखी है। विद्यालय के कुल 369 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उच्च अंक प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त 258 विद्यार्थियों ने 85 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित कर विद्यालय की मजबूत शैक्षणिक व्यवस्था को प्रमाणित किया। विशेष रूप से 75



विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय की प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की अनुशासित तैयारी, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।

जेवीएम श्यामली का शत-प्रतिशत परिणाम

जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली ने भी इस वर्ष शत-प्रतिशत परिणाम हासिल कर शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यालय के सभी 351 विद्यार्थी सफल घोषित किए गए। 113 विद्यार्थियों ने 450 से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 231

विद्यार्थियों ने 400 से अधिक अंक अर्जित किए। इसके अलावा 30 विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्राचार्य बी.एन. झा ने विद्यार्थियों की मेहनत और शिक्षकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि यह सफलता सभी के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

93.70 फीसदी उत्तीर्ण, क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेन्द्रम व विजयवाड़ा अग्रवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को कक्षा 10 की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया है। इस वर्ष कुल 93.70 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जो पिछले वर्ष के 93.66 प्रतिशत की तुलना में 0.04 प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्शाता है। बोर्ड के अनुसार, इस वर्ष 24,83,479 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 24,71,777 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 23,16,008 छात्र-छात्राएं सफल घोषित किए गए। परीक्षा का आयोजन 17 फरवरी से 11 मार्च 2026 तक किया गया था। क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेन्द्रम और विजयवाड़ा क्षेत्र 99.79 प्रतिशत के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर रहे, जबकि चेन्नई (99.58 प्रतिशत) और बेंगलुरु (98.91 प्रतिशत) ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। दिल्ली पश्चिम और दिल्ली पूर्व क्षेत्र का पास प्रतिशत क्रमशः 97.45 और 97.33 रहा।

सारंडा में मुठभेड़, पांच जवान घायल

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के घने सारंडा जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच चल रही मुठभेड़ ने बुधवार को और उग्र रूप ले लिया। छोटानागरा थानाक्षेत्र के बलिबा और चडराडेरा के बीच जंगल में हुई इस मुठभेड़ में कोबरा बटालियन 205 के इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश सहित कुल 5 जवान घायल हो गए हैं। सुरक्षाबलों को इनपुट मिला था कि कुख्यात नक्सली नेता भिमिर बेसरा अपने दस्ते के साथ इलाके में सक्रिय हैं। इसी सूचना पर पुलिस, सीआरपीएफ और कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान जंगल में नक्सलियों से आमना-सामना होते ही दोनों ओर से भारी गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ के दौरान इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर घायल हो गए। अन्य जवान-जिंदर राय, उत्तम कुमार सेनापति, शैलेश कुमार दुबे और प्रेम को गोली लगने से चोटें आई हैं। शैलेश



कुमार दुबे के गर्दन में, उत्तम कुमार सेनापति के हाथ में और अन्य जवानों के पैरों में गंभीर चोटें बताई जा रही हैं। सभी घायलों को बाइक से हेलीकॉप्टर के पास लाया गया और एयरलिफ्ट किया गया। घटना के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। दुर्गम जंगल क्षेत्र होने के कारण सभी घायलों को बलिबा गांव से हेलीकॉप्टर के जरिए एयरलिफ्ट कर रांची भेजा गया। सूत्रों के मुताबिक सुरक्षाबलों की जबबी कार्रवाई में नक्सलियों को भी भारी नुकसान पहुंचने की संभावना है। हालांकि घने जंगल और अंधेरा होने के कारण अब तक किसी नक्सली के

हुए कहा कि यह साझेदारी ने केवल स्वास्थ्य कर्मियों के लिए लाभकारी होगी, बल्कि राज्य के समग्र विकास में भी सहायक साबित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि डिजिटल बैंकिंग के विस्तार के साथ भविष्य में श्रमिक वर्ग भी बैंकिंग सेवाओं से अधिक जुड़ सकेंगे, जिससे उनकी जिम्मेदारियां और बढ़ेंगी। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य विभाग और एनएचएम के सभी कर्मियों से अपील की कि वे इस विशेष पैकेज का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस एमओयू के तहत मिलने वाले वेतन खाता और एचआरआईएस पैकेज से एनएचएम कर्मियों को आर्थिक सुरक्षा और सुविधा मिलेगी, जिससे वे और अधिक समर्पण के साथ अपनी सेवाएं दे सकेंगे। मुख्यमंत्री ने इंडियन बैंक के अधिकारियों को शुभकामनाएं देते

सड़क धंसी, जीएम ने की लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील

धनबाद। केदुआडीह क्षेत्र में बुधवार सुबह धनबाद-बोकारो-रांची मुख्य सड़क धंसने की घटना के बाद प्रशासन और बीसीसीएल की चिंता बढ़ गई है। पुटकी बलिहारी क्षेत्र के जीएम जीसी शाहा ने मीडिया के माध्यम से स्थानीय लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। जीएम जीसी शाहा ने बताया कि सड़क धंसने के बाद फिलहाल मार्ग में बदलाव किया गया है और लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने स्थानीय निवासियों से बीसीसीएल के राहत शिविरों में जाने की अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र की स्थिति की हर पल जानकारी बीसीसीएल के सीएमडी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को दी जा रही है। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुनर्वास के तहत जरेड़ा योजना के अंतर्गत बेलगढ़िया में लोगों को शिफ्ट करने का प्रयास किया जा रहा है। यहां 1100 स्क्वायर फीट के क्वार्टर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और पहले की तुलना में बेहतर सुविधाएं दी जा रही हैं। जीएम ने स्पष्ट कहा कि केदुआडीह क्षेत्र गैस रिसाव, आग और जमीन में दरार जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है, ऐसे में आबादी के रहते स्थानी समाधान संभव नहीं है।

सारंडा में मुठभेड़, पांच जवान घायल

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के घने सारंडा जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच चल रही मुठभेड़ ने बुधवार को और उग्र रूप ले लिया। छोटानागरा थानाक्षेत्र के बलिबा और चडराडेरा के बीच जंगल में हुई इस मुठभेड़ में कोबरा बटालियन 205 के इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश सहित कुल 5 जवान घायल हो गए हैं। सुरक्षाबलों को इनपुट मिला था कि कुख्यात नक्सली नेता भिमिर बेसरा अपने दस्ते के साथ इलाके में सक्रिय हैं। इसी सूचना पर पुलिस, सीआरपीएफ और कोबरा बटालियन की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। ऑपरेशन के दौरान जंगल में नक्सलियों से आमना-सामना होते ही दोनों ओर से भारी गोलीबारी शुरू हो गई। मुठभेड़ के दौरान इंस्पेक्टर सत्य प्रकाश नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर घायल हो गए। अन्य जवान-जिंदर राय, उत्तम कुमार सेनापति, शैलेश कुमार दुबे और प्रेम को गोली लगने से चोटें आई हैं। शैलेश

संक्षिप्त खबरें

तीन माह से लापता नाबालिग रजरप्पा ईट भट्टे से बरामद, प्रेमी गया जेल

अनगड़ा। अनगड़ा पुलिस ने रजरप्पा थाना क्षेत्र के कुल्लू स्थित एक ईट भट्टे से तीन माह से लापता एक नाबालिग लड़की को सकुशल बरामद किया है। मामले में आरोपी प्रेमी सोनाहातू के जामुदाग निवासी मोहित कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस के हथ्थे चढ़ने पर दोनों ने शादी कर लेने का दावा किया, हालांकि, लड़की के नाबालिग होने के कारण उसकी मां के आवेदन पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया नाबालिग की बरामदगी और आरोपी की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी गौतम रजवार व एसआई अनिल मेहता की भूमिका अहम रही।

बिहार में राशन कार्ड रद्द होने से गरीब परिवार हो रहे प्रभावित : झामुमो

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत बड़ी संख्या में राशन कार्ड रद्द किए जाने पर चिंता जताई है। उन्होंने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि इससे बड़ी संख्या में गरीब परिवार प्रभावित हो रहे हैं। पांडेय के अनुसार, राशन कार्ड रद्द होने से लोगों की बुनियादी जरूरतों पर सीधा असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि किसी परिवार का नाम सूची से हटने पर उनके भोजन, पेंशन सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं पर संकट उत्पन्न हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि वास्तविक लाभार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पांडेय ने पूर्व में झारखंड में भी बड़ी संख्या में राशन कार्ड रद्द होने का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियों से सबक लेते हुए संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने सरकार से अपील की कि समीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी और जनहित के अनुरूप बनाया जाए, ताकि जरूरतमंद लोगों को उनके अधिकारों से वंचित न होना पड़े।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर झारखंड भाजपा में उत्साह, दी बधाई

रांची। पड़ोसी राज्य उत्तर में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को नेतृत्व मिलने पर झारखंड भाजपा के नेताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की है। झारखंड भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने इसे बिहार के लिए नए संकेत और नई ऊर्जा का क्षण बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बिहार को विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आवागम तक पहुंचाएगी। उन्होंने उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी और बिजेड प्रसाद यादव को भी बधाई दी। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि सम्राट चौधरी का नेतृत्व बिहार को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य में सुशासन, विकास और जनकल्याण को बढ़ावा मिलेगा और बिहार एक ग्र्थवाचक मुक्त, सुरक्षित एवं समृद्ध राज्य बनने की ओर अग्रसर होगा। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि संगठन और सरकार के बेहतर समन्वय से विकास कार्यों को गति मिलेगी और नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरےगी। वहीं संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि यह नेतृत्व अनुभव और ऊर्जा का संतुलित मिश्रण है, जो बिहार को विकास के नए शिखर तक पहुंचाएगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सरकार गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के हित में प्रभावी कदम उठाएगी। इसके अलावा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, नीलकंठ सिंह मुंडा, आम्र महतो, बालमुकुंद सहाय, डॉ. प्रदीप वर्मा, सुनील सरोन, मुनेश्वर साहू, गीता कोड़ा, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी और मनोज सिंह सहित कई अन्य भाजपा नेताओं ने भी सम्राट चौधरी, विजय कुमार चौधरी और बिजेड प्रसाद यादव को नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई दी है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ सुनील कुमार बर्नवाल ने कहा

झारखंड में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगा नया आयाम

रांची। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ सुनील कुमार बर्नवाल ने कहा कि बेहतर उपचार के लिए सटीक इलाज जरूरी है, जो तभी संभव है जब मरीज का पूरा स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल रूप में उपलब्ध हो। डाटा इज द की फॉर बेटर क्वोलर एंड ट्रीटमेंट के तहत आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के माध्यम से स्वास्थ्य रिकॉर्ड को जोड़कर एक सशक्त और पारदर्शी हेल्थ सिस्टम तैयार किया जा रहा है, इसपर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सभी अस्पताल एबीडीएम प्लेजटफॉर्म से जुड़ें। इससे झारखंड को निश्चित तौर पर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को नया आयाम मिलेगा। बर्नवाल बुधवार को एबीडीएम के अंतर्गत एबी-पीएम-जय और मेसी अस्पतालों के लिए एबीडीएम इंटीग्रेशन विषय पर चाणक्य बीएनआर होटल में



आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इस दौरान केंद्र और राज्य के बीच बीएसएनएल और सीडैक के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। साथ ही झारखंड में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए ई सुश्रुत झारखंड मोबाइल एप, एबीडीएम झारखंड की आधिकारिक

वेबसाइट, बीएसएनएल डिजिटल सेट्टु एप का शुभारंभ किया गया। बर्नवाल ने कहा कि भविष्य में एबीडीएम एनाब्ल्ड एप एचएमआईएस का उपयोग करने वाले अस्पतालों को ही प्राथमिकता के आधार पर पैनल में शामिल किया जाएगा। एनएचसीएफ्के इंटीग्रेशन भी अनिवार्य होगा। ऐसे में अस्पतालों से अपील किया कि वे एबीडीएम

एनाब्ल्ड एप एचएमआईएसको अपनाएं। मरीजों को भी डिजिटल रिकॉर्ड और उसके लाभों के प्रति जागरूक करें। बर्नवाल ने बताया कि वर्तमान में देशभर में 96 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड लिंक किए जा चुके हैं। 87 करोड़ से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुका है। इस प्रकार के आयोजन डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम में

मौजूद अंतराल को कम किया जा सकता है। मौके पर निदेशक छवि रंजन ने कहा कि राज्य में 66 लाख लोगों को स्वास्थ्य का लाभ मिल रहा है। राज्य में एक करोड़ तीस लाख केवाईसी बनाया गया है। वहीं स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि झारखंड में एबीडीएम की शुरूआत वर्ष 2024 में की गई थी। उस समय राज्य में डिजिटल हेल्थ की परिकल्पना थी चुनौतीपूर्ण थी, क्योंकि जमीनी स्तर पर डॉक्टर, दवाओं और आधारभूत सुविधाओं की कमी जैसी कई समस्याएं मौजूद थीं। चुनौतियों को स्वीकार किया गया और मात्र दो वर्षों में झारखंड डिजिटल हेल्थ के क्षेत्र में अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2024 में 299 करोड़ रुपये की लागत से पांच वर्षों की विस्तृत योजना के साथ इस पहल को प्रारंभ किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित

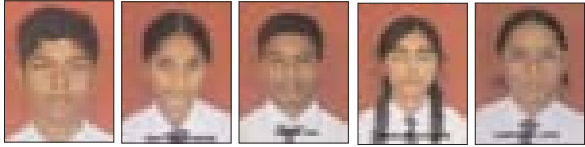
करने करने के लिए बीएसएनएल के सहयोग से डिजिटल सेवाओं का विस्तार किया गया। राज्य के सभी जिला अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में एचएमआईएस का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हो चुका है। निजी अस्पतालों की भी जल्द इस प्लेटफॉर्म से जोड़ने के प्रयास जारी है। उन्होंने बताया कि टेली-आईसीयू पहल के तहत रिस्म, रांची को केंद्र बनाकर वर्तमान में चार जिला अस्पतालों में 10-10 बेड के साथ सेवाएं संचालित हो रही हैं। एबीडीएम की सुविधा का भी विस्तार जल्द ही सभी 24 जिलों में किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्य मिशन निदेशक एबीडीएम विद्यानंद पंकज शर्मा, एनएचए के निदेशक डॉ पंकज कुमार अरोरा, ड्रा निदेशक ऋतु सहाय, जिलों के सिविल सर्जन, डीपीएम, डीडीएम, एबीडीएम कर्मी, आयुष्मान भारत के कर्मी, प्राइवेट हॉस्पिटल के डॉक्टर मौजूद थे।

सीबीएसई 10वीं का रिजल्ट डीएवी हेहल ने लहराया परचम

नव प्रदेश संवाददाता



विकास विद्यालय का भी उत्कृष्ट परिणाम



विकास विद्यालय ने भी इस वर्ष शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया है, जहां सभी 48 विद्यार्थी सफल घोषित किए गए। समृद्धि दास 96 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय की टॉपर रहें। प्रागति कुमारी और कृतिका कुमारी (94.6%) ने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि नैतिक राज (93.8%) तीसरे स्थान पर रहे। विद्यालय के प्राचार्य पी.एस. कालरा ने इस सफलता को विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की निष्ठा और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम बताया।

शिक्षा के क्षेत्र में रांची की मजबूत पहचान

प्रगति कर रहा है। यहां के विद्यालय न केवल बेहतर शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि विद्यार्थियों को सही दिशा और प्रेरणा भी दे रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे परिणाम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रेरित करते हैं। वहीं अभिभावकों ने भी विद्यालयों और शिक्षकों की सराहना करते हुए इसे सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। कुल मिलाकर, यह परिणाम रांची के लिए गर्व का विषय है और आने वाले समय में शिक्षा के क्षेत्र में और भी बेहतर उपलब्धियों की उम्मीद जगता है।

सच्चिदानन्द ज्ञान भारती मॉडल स्कूल: आत्मविश्वास व परिश्रम से मिली सफलता



सीबीएसई 10वीं की परीक्षा परिणाम में सच्चिदानन्द ज्ञान भारती मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों का प्रदर्शन बेहतर रहा। इस वर्ष छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। विद्यालय की प्राचार्या सुमिता सेन ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, लगन एवं शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन को दिया। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार संदेव छात्रों की समस्याओं के समाधान हेतु तत्पर रहता है।

शत-प्रतिशत रिजल्ट से चमका सरस्वती शिशु विद्या मंदिर धुर्वा, टॉपर बनी तुलसिका परितृप्ति



रांची। सीबीएसई द्वारा घोषित कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 के परिणाम में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है। विद्यालय के सभी 248 विद्यार्थी इस परीक्षा में सफल घोषित हुए, जिससे पूरे विद्यालय में हर्ष का माहौल है। इस वर्ष के परीक्षा परिणाम में बहन तुलसिका परितृप्ति ने 95% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं बहन प्रियदर्शी कश्यप ने 93.60% अंक के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि भैया अर्णव आर्यन ने 93.20% अंक लाकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने सभी सफल भैया-बहनों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह शानदार परिणाम विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग और आचार्यों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है। विद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए सभी छात्रों को आगे भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

श्रीश्री दुर्गा एवं शिव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान पर 301 महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा



अनगड़ा। तुरप् में श्रीश्री दुर्गा एवं शिव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बुधवार को तीन दिवसीय वैदिक महायज्ञ पूजन अनुष्ठान शुरू हुआ। पहले दिन 301 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व रांची जिलाध्यक्ष जैलेन्द्र कुमार कलश यात्रा में शामिल हुए। पुरोहित के रूप में मृत्युंजय पांडे बौरेंद्र पांडे शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में आतिश महतो,मोहन महतो,कामेश्वर महतो उपस्थित थे। जैलेन्द्र कुमार ने महिलाओं को कलश देकर कलश यात्रा का शुभारम्भ किया। तीन किलोमीटर पदयात्रा कर स्वर्णरेखा नदी से कलश में जल का उठाव किया गया। इसके बाद दुर्गा एवं शिव मंदिर में जलाभिषेक किया गया। जैलेन्द्र कुमार ने कहा कि लगातार सनातन संस्कृति मजबूत हो रही है। इस तरह के आयोजन से वातावरण और मन शुद्ध होता है। वैदिक यज्ञ पूजन समारोह का आयोजन पंडित प्रयाग दास गोराम्बा एवं उनके सहयोगियों द्वारा किया जा रहा है। इस दौरान गांव के महिला, पुरुष व बच्चे शामिल हुए।

श्रद्धानन्द बाल मन्दिर का दसवीं में शानदार प्रदर्शन

राँची। श्रद्धानन्द बाल मन्दिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कमट्टे, रातू रोड, राँची के विद्यार्थियों ने सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है। विद्यालय के छात्रों की इस उपलब्धि से संस्थान में उत्साह का माहौल है। विद्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उच्च अंक हासिल किए। लगभग 50 प्रतिशत विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस वर्ष अनुष्का कुमारी ने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि सुचित्र उराँव ने 96 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय तथा शालिनी रानी ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा अंशिका प्रिया, रितिका रानी, रौनित कुमार, नमन त्सोनी, भुति सिंह, मीरा कुमारी और मौसम कुमारी ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय की मेधा सूची में अपना स्थान सुनिश्चित किया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से अध्यक्ष श्री चंद्रमोहन चौधरी, उपाध्यक्षा सह कोषाध्यक्षा श्रीमती पूर्णिमा चौधरी, महासचिव श्री मनोज कुमार चौधरी, सचिव श्री बसंत कुमार जालान तथा प्रशासक श्री ललित कुमार चौधरी सहित सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को इस सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल का दसवीं बोर्ड में उत्कृष्ट प्रदर्शन

रातू। गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने इस वर्ष सीबीएसई कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय का कुल परिणाम अत्यंत संतोषजनक रहा, जो विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पण और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल माना जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए हैं। विशेष रूप से विद्यालय के टॉपर्स में तनिका कुमारी ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि सृष्टि रानी ने 96 प्रतिशत और साध्वी प्रिया ने 95.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती शालिनी विजय ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस सफलता का श्रेय शिक्षकों के अथक परिश्रम और अभिभावकों के निरंतर सहयोग को भी दिया। विद्यालय प्रबंधन समिति ने भी इस उत्कृष्ट परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता बनाए रखने और छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी।

चीफ पोस्टमास्टर जनरल ने अनगड़ा डाकघर का निरीक्षण कर योजनाओं की दी जानकारी

अनगड़ा। झारखंड परिमंडल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल संजीव रंजन एच डायरेक्टर आरबी चौधरी ने अनगड़ा व गेतलसूद डाकघरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने डाकघरों के कार्यशैली का समीक्षा किया और वहां मौजूद स्थानीय लोगों से सीधा संवाद कर उन्हें डाक विभाग की विभिन्न लाभकारी योजनाओं व सेवाओं के प्रति जागरूक किया।चीफ पोस्टमास्टर जनरल संजीव रंजन ने लोगों को डाक विभाग की बचत योजनाओं, डाक जीवन बीमा (पीएलआई) और अन्य आधुनिक सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बीएसएस के प्रमंडलीय सचिव रामकुमार दीपक के नेतृत्व में अतिथियों का स्वागत किया। झारखंड परिमंडल के डिप्टी डायरेक्टर (पोस्टल लाइफ इंश्योरेंस) अमित कुमार, वरिष्ठ डाक अधीक्षक विनोद कुमार पंडित, पूर्वी अनुमंडल के डाक निरीक्षक चंदन कुमार, डाक अभिदर्शक अरुण कुमार साहू और समीर कुमार मुख्य रूप से मौजूद थे। जागरूकता कार्यक्रम में शाखा डाकपाल (राजाडोरा) रामकुमार दीपक, गुलशन कुमार, मादीया कच्छप, ज्योति कुमारी, कालीचरण महतो, उपेंद्र महतो सहित डाक विभाग के अन्य कर्मचारी और स्थानीय लोग उपस्थित थे।



बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि: मंटू यादव

नवप्रदेश/बोकारो: भारतीय संविधान के शिल्पकार और महान समाज सुधारक भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर सेक्टर 4 स्थित अंबेडकर चौक पर भव्य माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने बाबा साहेब की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।



शिक्षित बनों, संगठित रहो और संघर्ष करो' का मार्ग दिखाया है। आज के समय में उनके विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। उनके द्वारा बनाया गया संविधान ही देश के हर

नागरिक को समानता और न्याय का अधिकार देता है। मंटू यादव ने वीचियों और पिछड़ों के अधिकारों के लिए बाबा साहेब के आजीवन संघर्षों को याद किया। उन्होंने

युवाओं से राष्ट्र निर्माण और समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ एकटुट होकर संघर्ष करने

की आवश्यकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का सामूहिक

संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य विजय रजवार, राकेश सिंहा,फिदीप अंसारी, फैयाज आलम मनोज हेंब्रम, मिथुन मंडल, आलोक सिंह, राकेश सिन्हा, नैयर जमाल, चंदू सिंह मुंडा, लालमोहन हेंब्रम, प्रमोद तापड़िया, सदानंद गोप, दालो यादव, रामदयाल सिंह, रणधीर रजक, सोहन मुर्मु, सुमन वर्मा, सरकार घोष, अशोक हेंब्रम, संजय मुर्मु, विनोद मुर्मु, फिरोज अंसारी, प्रेम राय, अनवर अंसारी, अभिजीत सरकार, रूपेश केजरीवाल, सानिया बेगम, प्रिंस खालको, विवेक कुमार, पुनीत विश्वकर्मा, भारत यादव, पिंटू राजा, इत्यादि।

सिल्वर जुबली: 'सहयोगिनी' के 25 साल, उम्मीदों की एक मशाल

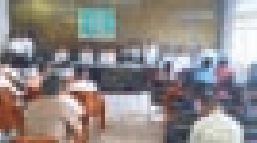
नवप्रदेश/बोकारो। समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़ी एक बच्ची जब फुटबॉल को किक मारती है, तो वह सिर्फ खेल नहीं होता, वह अपने बंधनों को तोड़ने की गूँज होती है। बहादुरपुर की संस्था 'सहयोगिनी' पिछले 25 वर्षों से झारखंड के सुदूर गांवों में यहीं गूँज पैदा कर रही है। हाल ही में संस्था ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के साथ अपनी रजत जयंती (25 वर्ष) मनाई। यह समारोह केवल भाषणों तक सीमित रही है। जब संस्था की सचिव कल्याणी सागर मंच से 50 गांवों में चल रहे कौशल विकास अभियानों की बात करती हैं, तो उसमें उन 25 वर्षों का पसीना झलकता है जिसने बाल विवाह और मानव तस्करी जैसी अंधेरी गलियों से बच्चियों को बाहर निकाला है। **बदलाव का चक्र मजबूत स्तंभ:** संस्था की सफलता को इन चार बिंदुओं में समझा जा सकता है: **बेड़ियों से आजादी:** बाल विवाह के खिलाफ प्रशासन के साथ मिलकर एक अभेद्य सुसूक्ष्म चक्र तैयार करना। खेल से नेतृत्व: मैदान पर पसीना बहाती किशोरियां अंग गायों में नेतृत्व (Leadership) कर रही हैं। हिंसा मुक्त आंगन: घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं के लिए 'सहयोगिनी' एक सुरक्षित छत और नया हासला बनी है। **कुपोषण से जंग:** स्वास्थ्य जागरूकता के जरिए ग्रामीण क्षेत्रों में एक स्वस्थ पीढ़ी की नींव रखना। **ख़ास बात: पुलिस और जनता का समन्वय** समारोह में डीएसपी अनिमेष कुमार की उपस्थिति ने यह साफ कर दिया कि सामाजिक संस्थाएं और प्रशासन जब एक साथ मिलते हैं, तो 'पेक्सो एक्ट' जैसे कानून सिर्फ कागजों पर नहीं रहते, बल्कि अपराधियों में खौफ पैदा करते हैं। यह 25 साल की यात्रा सिर्फ कैलेंडर की तारीखें नहीं हैं, यह उन हजारों खामोश चीखों के मुस्कन में बदलने की कहानी है। उपस्थिति: कार्यक्रम में पर्यावरणविद् गुलाबचंद से लेकर सुदूर गांवों से आई नीतू, पायल और स्वाति जैसी सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थीं। मंच का संचालन कुमारी किरण और विकास गोस्वामी ने किया, जिन्होंने कार्यक्रम में चार चोंद लगा दिए। **संपादकीय टिप्पणी:** जब 'सहयोगिनी' जैसी संस्थाएं 25 साल पूरे करती हैं, तो समाज को यकीन होता है कि परिवर्तन कठिन जरूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं। बाबा साहब के आदर्शों को किताबों से निकालकर खेतों और खलिहानों तक ले जाने का यह सफर जारी रहना चाहिए।

झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स के जिला सम्मेलन में बोले डीसी: 'खबरों की विश्वसनीयता ही पत्रकार की असली ताकत'

नवप्रदेश/बोकारो। बोकारो। सेक्टर-04 स्थित बुद्ध बिहार भवन के सभागार में बुधवार को झारखंड यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (खबरू) की जिला असेंबली द्वारा एक भव्य जिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उपायुक्त (डीसी) श्री अजय नाथ झा ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। सम्मेलन में विशिष्ट अतिथि के रूप में चंद्रनकिशोरी विधायक श्री उमाकांत रजक, बोकारो विधायक श्वेता सिंह और चास नगर निगम के मेयर व उप मेयर उपस्थित रहे। **लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है पत्रकारिता** सभा को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि लोकतंत्र के चारों स्तंभों-विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और पत्रकारिता—में पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर देते हुए कहा, यदि समाज के सभी अंग अपने कार्यों का आत्ममथन करें, तो जनहित के लक्ष्यों तक पहुंचना सरल हो जाएगा। प्रशासन और पत्रकारिता दोनों का अंतिम लक्ष्य आम जनता की सेवा और उनके कष्टों को दूर करना है। **विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर जोर** उपायुक्त ने कहा कि डिजिटल युग में भी समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रति जनता का अटूट विश्वास बना हुआ है। ऐसे में पत्रकारों और संपादकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे किसी भी खबर को प्रसारित करने से पहले उसकी सत्यता की गहन जांच करें। उन्होंने अपने निजी अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे स्वयं प्रतिदिन 8-10 समाचार पत्र पढ़ते हैं और खबरों के माध्यम से ही जनमत की दिशा तय होती है। **बोकारो को नंबर वन बनाने का संकल्प** डीसी ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का लक्ष्य बोकारो को राज्य का अग्रणी जिला बनाना है। उन्होंने भ्रष्टाचार पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि जिले में किसी भी स्तर पर भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अनजाने में हुई मानवीय त्रुटियां स्वीकार्य हो सकती हैं, लेकिन षड्यंत्र के तहत की गई गलतियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। **वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान** इस अवसर पर अतिथियों द्वारा जिले के वरिष्ठ पत्रकारों को शॉल और औपचार्य पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया। विधायक उमाकांत रजक और विधायक श्वेता सिंह ने भी पत्रकारिता के गिरते स्तर को बचाने और समाज के प्रति पत्रकारों की जवाबदेही पर अपने विचार रखे। **प्रमुख उपस्थिति:** कार्यक्रम में यूनियन के संयोजक रतन गुप्ता, अध्यक्ष शिव कुमार अग्रवाल, सचिव राजीव, वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश सहाय समेत जिले के सैकड़ों पत्रकार और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे।

जय भीम के जयकारों से गूंजा चौपारण

नवप्रदेश/ चौपारण। चौपारण में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। जय भीम के नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा और हजारों लोगों की भागीदारी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। यह कार्यक्रम अम्बेडकर विचारधारा मंत्र के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुक्रआत मुख्य अतिथियों द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल, विधायक मनोज कुमार यादव, काके विधायक सुरेश बेठा, आयकर आयुक्त निशा उरांव, पूर्व एमएलसी प्रवीण सिंह एवं भाजपा नेत्री गीता हाजरा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच के अध्यक्ष रामस्वरूप पासवान, सचिव प्रो. बिराज रविदास एवं मुखिया सघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक ने अतिथियों का स्वागत किया। वक्ताओं ने बाबा साहेब के विचारों और उनके योगदान पर प्रकाश डाला। सांसद मनीष जायसवाल ने शिक्षित बनों, संगठित रहो और संघर्ष करो के संदेश को आज भी प्रासंगिक बताते हुए युवाओं से समाज को शिक्षित और सशक्त बनाने का आह्वान किया। विधायक मनोज यादव ने कहा कि बाबा साहेब के मार्ग पर चलकर ही उनके सपनों का भारत साकार किया जा सकता है। निशा उरांव ने संविधान में निहित समानता और अधिकारों पर जोर देते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण में उनके योगदान को रेखांकित किया। ब्लॉक परिसर से गाजे-बाजे और पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ शोभायात्रा निकाली गई, जो जीटी रोड, वतरा मोड़ होते हुए केंडुआ मोड़ तक पहुँची और पुनः लौटकर संपन्न हुई। 126 पंचायतों से आए महिला-पुरुषों की भारी भीड़ और जगह-जगह हुए स्वागत ने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम ने सामाजिक एकता और बाबा साहेब के विचारों के प्रति लोगों की गहरी आस्था को एक बार फिर प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मध्य सांसद प्रतिनिधि रिशु वर्णवाल,विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया पप्पू रजक, कृष्णा रविदास, सुनीता देवी, पूजा कुमारी, विनोद सिंह अन्य शामिल रहे।.



नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड सभागार में बुधवार को स्कूल रुआर 2026 के सफल क्रियान्वयन की लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ नितेश भास्कर ने की। इस दौरान सीओ संजय यादव, सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साहू, बीईईओ राकेश सिंह, बीपीएम मो. आरिफ सहित प्रखंड के सभी बीआरपी, सीआरपी एवं विद्यालयों के प्रभारी उपस्थित रहे। बैठक में समग्र शिक्षा अभियान के तहत सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि स्कूल रुआर 2026 अभियान 9 अप्रैल से 30 अप्रैल तक संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यालय से बाहर रह गए, छीजित एवं प्रवासी बच्चों को पुनः स्कूल से जोड़ना है। बीडीओ नितेश भास्कर ने कहा कि प्रखंड के सभी बच्चों का विद्यालय में नामांकन और उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी विभागों एवं जनप्रतिनिधियों को समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।वही सीओ संजय यादव ने कहा कि अभियान की सफलता के लिए पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा तथा अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति प्रेरित किया जाएगा। बीईईओ राकेश सिंह ने शिक्षकों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर छूट हुए बच्चों की पहचान कर उनका नामांकन सुनिश्चित करें। साथ ही ई-विद्यावर्षी पोर्टल पर नियमित उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य बताया गया। बैठक में यह भी बताया गया कि 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का नामांकन, उपस्थिति एवं कक्षा उन्वयन सुनिश्चित करना इस अभियान का मुख्य लक्ष्य है। विशेष रूप से अनामांकित, प्रवासी एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों पर फोकस किया जाएगा।

डीसी और विधायक ने समाहरणालय में किया सम्मानित, खेल प्रतिभाओं के लिए स्पोर्ट्स कैलेंडर होगा जारी

नवप्रदेश/बोकारो। अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में बोकारो के सौरव कुमार ने एक बार फिर जिले का नाम स्वर्णक्षरों में दर्ज कराया है। हाल ही में आयोजित '17वीं लान बाल एशिया चैम्पियनशिप 2026' में स्वर्ण पदक जीतकर सौरव ने न केवल जिले, बल्कि पूरे झारखंड और देश का मान बढ़ाया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला प्रशासन द्वारा एक गौरवपूर्ण अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

सम्मान और प्रोत्साहन समारोह के दौरान माननीय विधायक श्वेता सिंह एवं उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने संयुक्त रूप से सौरव कुमार को शॉल ओढ़ाकर, पुरस्कार, स्मृति स्वरूप पौधा और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इसके साथ ही, जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों के



मार्गदर्शन में उत्कृष्ट भूमिका निभाने वाली जिला खेल पदाधिकारी (डीएसओ) श्रीमती हेमलता बून को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

बोकारो बनेगा खेलों का हब

इस अवसर पर विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि सौरव जैसी प्रतिभाएं बोकारो की असली पहचान हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को विश्वस्तरीय मंच प्रदान करने के लिए हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करेगी।

वहीं, उपायुक्त श्री अजय नाथ झा ने जिले के खेल भविष्य को लेकर बड़ी घोषणाएं कीं:

राष्ट्रीय आयोजन: बोकारो में अब प्रति वर्ष 03 राष्ट्रीय और 03 से अधिक राज्य स्तरीय खेल

प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

स्पोर्ट्स कैलेंडर: सभी खेल संघों को अपना कार्यक्रम कैलेंडर तैयार करने का निर्देश दिया गया है, जिसे जिला स्थापना माह के दौरान औपचारिक रूप से जारी किया जाएगा।

उपस्थिति

इस गरिमामय कार्यक्रम में उप विधायक आयुक्त (डीडीसी) श्रीमती शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार सहित खेल संघ के अध्यक्ष विपीन कुमार व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सभी ने सौरव के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे जिले के युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा बताया।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, चैनपुर का निरीक्षण

नवप्रदेश/गुमला : उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश के आलोक में अपर समाहर्ता, गुमला शशिंद्र कुमार बड़ाइक द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, चैनपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय की शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का विस्तृत अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के क्रम में विद्यालय में कुल 240 नामांकित छात्राओं से 217 छात्राओं की उपस्थिति दर्ज की गई, जो संतोषजनक पाई गई।शैक्षणिक व्यवस्था की समीक्षा के दौरान यह जानकारी प्राप्त हुई कि विद्यालय में कुल 12 स्वीकृत पदों के विरुद्ध 04 स्थायी एवं 06 अंशकालिक शिक्षक कार्यरत हैं। कक्षा 6 से 8 के लिए अंग्रेजी एवं विज्ञान विषय के शिक्षकों की खलतबाह को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता चिन्हित की गई। इस क्रम में अपर समाहर्ता द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी, गुमला को आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, विज्ञान विषय के अस्थायन को और प्रभावी बनाने हेतु शिक्षिका खुशबू डंग के अनुभव का लाभ कक्षा 6 से 8 की छात्राओं को भी प्रदान करने का निर्देश दिया गया, ताकि सभी कक्षाओं में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान कुछ छात्राओं के स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं पर ख्यान आकृष्ट हुआ, जिस पर त्वरित सखान लेते हुए जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जया खाखा को विद्यालय में शीघ्र स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने का निर्देश दिया गया, जिससे छात्राओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो सके। विद्यालय में उपलब्ध खाद्य सामग्री का भी निरीक्षण किया गया तथा गुणवत्ता को और बेहतर बनाए रखने हेतु संबंधित एजेंसियों को टेंडर की शर्तों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

दिव्यांगजनों के अधिकारों की सुरक्षा हेतु जिला प्रशासन का बड़ा कदम: उपायुक्त ने सौंपे कानूनी संरक्षकता प्रमाण-पत्र

नवप्रदेश/बोकारो। दिव्यांगजनों के अधिकारों को संरक्षित करने और उनके बेहतर भविष्य की दिशा में जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। बुधवार को उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान तीन दिव्यांगजनों के परिजनों को 'कानूनी संरक्षकता' (लीगल गार्जियनशिप) प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

नेशनल ट्रस्ट एक्ट के तहत मिली मान्यता प्रशासन द्वारा ये प्रमाण-पत्र नेशनल ट्रस्ट एक्ट, 1999 की धारा 13(1)



के तहत निर्गत किए गए हैं। हाल ही में उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई 'लोकल लेवल कमेटी' की बैठक में इन आवेदनों पर गहन विचार-विमर्श किया गया था, जिसके बाद इन तीन मामलों में संरक्षकता प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

इन लाभार्थियों को मिले संरक्षक आयोजित कार्यक्रम में विधिवत रूप से निम्नलिखित दिव्यांगजनों के

संरक्षकों को प्रमाण-पत्र सौंपे गए: मंजु कुमारी के लिए जवाहर शाह सोनी कुमारी के लिए जयवंत कुमार धर्मेन्द्र कुमार के लिए देव नारायण यादव

अधिकारियों की उपस्थिति इस अवसर पर जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज

संरक्षकता का महत्व उपायुक्त अजय नाथ झा ने बताया कि कानूनी संरक्षकता मिलने से अब इन संरक्षकों को दिव्यांगजनों के हितों की रक्षा करने, उनकी सोपित और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लेने का कानूनी अधिकार प्राप्त होगा। यह कदम दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें वैधानिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

एक नजर

अंबेडकर साहब की 135वीं जयंती मनायी गई

नवप्रदेश/बोकारो:- मंगलवार को बोकारो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत पिंडराजोड़ा पैक्स सभागार कक्ष में डॉ. भीमराव अंबेडकर साहब की 135वीं जयंती समारोह डॉ. भीमराव अम्बेदकर गरीबी उन्धान समिति चास, बोकारा द्वारा धूमधाम के साथ मनाया गया । इस मौके पर सभी ने बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित की। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने विचारों—समता, न्याय और संविधान के प्रति समर्पण—को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इस मौके पर अध्यक्ष योगेश्वर महतो सचिव सुशेन रजवार कोषाध्यक्ष गोपाल कुमार ,सदस्य आनंद महतो, आषाड़ी महतो, पशुपति महतो, दिलीप कुमार, रामविलास महतो दिपक्ष कुमार, सुधीर चन्द्र, निजामुद्दीन अंसारी सुनिल चन्द्र महतो, संतोष कुमार, विजय कुमार, अमित कुमार,प्रेम चान्द महतो सहित सभी सदस्यगण उपस्थित थे

नेता जगन्नाथ ने बाबा साहब की मुर्ति पर माल्यार्पण किया

नवप्रदेश/बोकारो: महान समाज सुधारक भारत रत्न संविधान निमाता बाबा साहब डॉ.भीम राव अम्बेडकर की 135 वीं जन्म जयंती के अवसर पर उधिया प्रेमियों ने मंगलवार को चास प्रखण्ड के मायतकुंदर मोड़ से मोटरसाइकिल रैली कर शहीद चौक चन्दनकिशोरी में किसान नेता जगन्नाथ ने बाबा साहब की मुर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि उपांत शहीद टिकैत उमराव सिंह की मुर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी वहीं श्री रजवार ने कहा कि आज हम सब एक महान व्यक्तित्व को याद करने के लिए इकट्ठ हुए हैं, जिनका नाम सुनते ही भारत के संविधान, सामाजिक न्याय और समानता की भावना हमारे मन में जाग उठती है. वो हैं भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर 14 अप्रैल का यह दिन, केवल एक व्यक्ति की जन्म तिथि नहीं, बल्कि एक विचार, एक क्रांति का प्रतीक है. बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर व उनके द्वारा लिखी गई संविधान को सुरक्षित रखने की संकल्प लेने की जरूरत है.मौके पर जेएलकेएम अजा मोर्चा के केन्द्रीय संगठन मंत्री सिमन्त रजक, राजु महतो, नानू बाउरी, परमेश्वर महतो, शान्ति राम रजवार, अजय बाउरी, रुपलाल चक्रवाला, श्रीकान्त महतो,शंकर रजवार, संजय बाउरी, लक्ष्मण बाउरी, युधिष्ठिर महतो, संजय रजवार आदि शामिल रहे.

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत रिम्स में मौत

नवप्रदेश/गुमला: दुमरी प्रखंड अंतर्गत कादो झरिया गांव निवासी 22 वर्षीय मुनेश्वर कोरवा की सड़क हादसे में घायल होने के बाद इलाज के दौरान बुधवार सुबह मौत हो गई। इस घटना के बाद एंबुलेंस चालक द्वारा शव को गांव पहुंचाने के लिए 10 हजार रुपये की मांग किए जाने का मामला सामने आने पर परिजनों में आक्रोश है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार की दोपहर मुनेश्वर कोरवा मजदूरी का साइकिल से अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान औरपाठ के समीप उनका संतुलन बिगड़ गया और वे सड़क किनारे स्थित चट्टान से टकरा गए। हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तत्काल दुमरी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। गुमला में स्थिति नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें रांची स्थित रिम्स भेज दिया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। 10घर, मौत के बाद शव को गांव लाने के लिए एक एंबुलेंस चालक द्वारा 10 हजार रुपये की मांग की गई, जिससे परिजन परेशान हो गए। मृतक की बहन असीमा कोरवा ने बुधवार को गुमला सदर अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेडेंट डॉ. अनुपम किशोर से संपर्क किया। उनके हस्तक्षेप के बाद तत्काल एंबुलेंस की व्यवस्था कराई गई और शव को गांव पहुंचाया गया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन खासकर डी एस सदर अस्पताल का आभार प्रकट किया घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं एंबुलेंस चालक की इस हरकत को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

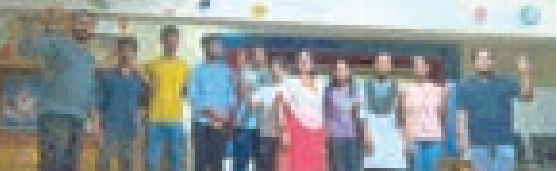
सीबीएसई10वीं बोर्ड परीक्षा में फिजिक्स वाला विद्यापीठ पाठशाला, गिरिडीह का ऐतिहासिक परिणाम

गिरिडीह: शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता का पर्याय बन चुके फिजिक्स वाला विद्यापीठ पाठशाला गिरिडीह के छात्रों ने 10वीं की बोर्ड परीक्षा में

सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्थान के शानदार परीक्षा परिणाम एक नजर में:

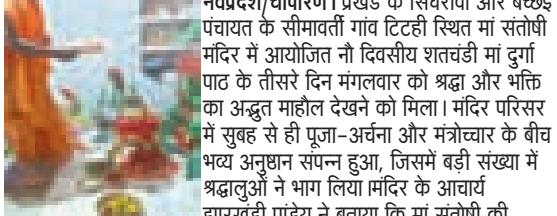
ने क्रमशः विराट कुमार स्वर्णकार97%, रिटम श्रीवास्तव 96.2% और उमेश कुमार 95% इसके साथ ही, 15 मेधावी छात्रों ने 90% से अधिक के शानदार स्कोर के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। 90% अंकित चौधरी 93% अदिति आर्य 93% ज्योति दत्ता 93% इशान मंडल 93% आदित्य कुमार 92%, रिटम जैन 91% सचिता 91% अन्वेषा 91% अंक प्राप्त कर अपने माता-पिता और शहर का मान बढ़ाया है। इसी तरह से फिजिक्स वाला गिरिडीह भविष्य में और बेहतर रिजल्ट देता रहेगा।

कामयाबी की इस शानदार परंपरा का हिस्सा बनें



नवप्रदेश/गिरिडीह सीबीएसई बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा परिणाम-2026 में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरगंडा, गिरिडीह के विद्यार्थियों ने ऐतिहासिक सफलता अर्जित कर विद्यालय व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री आनंद कमल ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष विद्यालय से कुल 191 भैया-बहनों ने मैट्रिक परीक्षा दी थी, जिसमें सभी ने सफलता प्राप्त की। विद्यालय के 10 विद्यार्थियों ने 90% से अधिक अंक हासिल कर राज्य मेरिट सूची में जगह बनाने का दावा पेश किया है। विद्यालय के बहन अंशिका श्रीवास्तव 96.4% अंकों के साथ विद्यालय टॉपर रहे, वहीं बहन श्रद्धा कुमारी 92% लाकर द्वितीय स्थान तथा प्रिया कुमारी ने 92%अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल की। कुल 60 विद्यार्थियों ने डिस्टिंक्शन मार्क्स प्राप्त किए। अपनी सुशोभी व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य आनंद कमल ने कहा, यह शानदार परिणाम भैया-बहनों की कड़ी मेहनत, आचार्य-दीदी जी के कुशल मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का प्रतिफल है। हमारे विद्यालय का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि संस्कारयुक्त शिक्षा देकर बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है। आज के परिणाम ने सिद्ध कर दिया कि भारतीय संस्कृति और आधुनिक शिक्षा के समन्वय से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। भैया-बहनों, उनके अभिभावकों तथा आचार्य-दीदी जी का बधाई दी। सफल विद्यार्थियों का पूरे विद्यालय परिसर में उत्सव का माहौल रहा।

मां संतोषी मंदिर में शतचंडी दुर्गा पाठ का तीसरा दिन, भव्य पूजन संपन्न



नवप्रदेश/चौपारण। प्रखंड के सिंघरावां और बरछई पंचायत के सीमावर्ती गांव टिटडी स्थित मा संतोषी मंदिर में आयोजित नौ दिवसीय शतचंडी मां दुर्गा पाठ के तीसरे दिन मंगलवार को श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। मंदिर परिसर में सुबह से ही पूजा-अर्चना और मंत्रोच्चार के बीच भव्य अनुष्ठान संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।मंदिर के आचार्य झारखंडी पांडेय ने बताया कि मां संतोषी की प्रतिमा के अग्रथ तृतीया के दिन अवतरण के बाद से पिछले 48 घणों से यहां लगातार नौ दिवसीय शतचंडी दुर्गा पाठ और यज्ञ का आयोजन होता आ रहा है। इस वर्ष यज्ञ में पुजारी के रूप में भोला राणा पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से मां की आराधना करने वाले भक्तों की हर मनोकामना पूर्ण होती है, यही कारण है कि दूर-दराज से भी श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। मंदिर निर्माण में स्व. डॉ. ए.पी. मी, मिथिलेश्वर प्रसाद राणा, भीखन राणा, स्व. बाबूलाल चंद्रशेखी सहित कई गणमान्य लोगों का अहम योगदान रहा है। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय ग्रामीणों का भी सराहनीय सहयोग मिल रहा है।

एक नजर

मंइया सम्मान योजना से सशक्त हो रहीं कोडरमा की दीदियां, स्वावलंबन की ओर बढ़ते कदम

नया प्रवेश सांवदातला/कोडरमा । मुख्यमंत्री मंध्या सम्मान योोजना को तहत प्राप्त सम्मान राशि से कोडरमा जिला की महिलाएं अब आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा रही हैं। इस योोजना के माध्यम से दीदीयां न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, बल्कि विभिन्न आजीविका गतिविधियों के जरिए अपने परिवार की आय भी बढ़ा रही हैं। इसी क्रम में आज उपायुक्त ऋतुजाना ने जिले की सशक्त महिलाओं के साथ बैठक कर उनके अनुभवों को सुना। बैठक में उपायुक्त ने महिलाओं से यादव करते हुए जाना कि किस प्रकार सम्मान राशि का उपयोग कर उन्होंने अपने जीवनिकरण के साधनों को विकसित और सशक्त बनाया है। मरकच्यो प्रखंड की एक महिला ने बताया कि उन्होंने योोजना से प्राप्त राशि को बकाहक इवेल शॉप की शुरूआत की, जिससे अब उनकी आय में निरंतर वृद्धि हो रही है। कहीं चंदवारा प्रखंड की एक अन्य महिला ने बताया कि पहले उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर थी, लेकिन योोजना से मिली राशि से उन्होंने सिलाई मशीन खरीदी और अब कपड़े एवं स्कूल ड्रेस की सिलाई कर अच्छी आय अर्जित कर रही हैं। इसके अलावा कई अन्य महिलाओं ने भी सम्मान राशि से जनरल स्टोर, मूर्गी पालन सहित विभिन्न स्वरोजगार गतिविधियों की शुरूआत की है। बैठक के दौरान दीदीयां ने अपनी आय के स्रोत बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, सरकारी सहायता एवं अन्य सुविधाओं की आवश्यकता भी रखी। उपायुक्त ऋतुजाना ने महिलाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री मंध्या सम्मान योोजना महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि जिले में महिलाओं के आजीविका कार्यों को और बेहतर बनाने के लिए जोएसएलपीएस के बीपीएस को नॉनल पब्लिशिकोरी नियुक्त किया गया है। उन्होंने आवश्यक किया कि जिला प्रशासन महिलाओं की आगे बढ़ाने और उन्हें स्वायत्तवी बनाने के लिए हर संभव सहयोग करेगा, ताकि वे अपने जीविकोपार्जन के सधनों को और मजबूत कर सकें। बैठक में सहायक निदेशक सामाजिक सुसंधी नीतीश कुमार निशांत, डीपीएम जोएसएलपीएस एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

राजस्व एवं भू. अर्जन कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित, उपायुक्त ने दिए आवश्यक दिशा. निर्देश

प्रदेश स्वायत्तता/कोडरमा। समाहरणायुक्त सभाभाग में उपायुक्त ऋतुराज की अध्यक्षता में राजस्व संग्रहण, नीलाम शाखा, राजस्व विभाग, आपदा प्रबंधन, अन्यथा भू, अर्जुन कार्यालय एवं निबंधन कार्यालय के कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संग्रहण राजस्व संग्रहण से संबंधित विभागों वन प्रमंडल, उत्पाद विभाग, विद्युत विभाग, कृषि बाजार समिति, निबंधन कार्यालय, नगर परिषद झुमरी तिलैया, नगर पंचायत डोमचांव, कोडरमा, मत्स्य विभाग, वाणिज्य कर्म विभाग, परिवहन विभाग, सहीकारी विभाग, खेन वन विभाग, नाप-तोल विभाग तथा भू, राजस्व शाखा की समीक्षा की गई। इस दौरान सभी विभागों से राजस्व संग्रहण की अद्यतन जानकारी ली गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुसरण तथा-प्रतिशत राजस्व संग्रह सुनिश्चित किया जाए तथा इसके लिए संयुक्त कार्ययोजना बनाकर प्रभावी क्रियायन्त्रन किया जाए। उपायुक्त ने राजस्व विभाग अंतर्गत दाखिल, खारिज, समुचित म्यूटेशन, डीसीएलआर म्यूटेशन, उद्देशन म्यूटेशन, सभी सीमांकन व परीक्षणन कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने राजस्व शिप्टि आरंजित कर लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के निर्देश दिए। साथ ही सभी वरीय पदाधिकारियों को अवलों का नियमित निरीक्षण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने सभी अवर अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु भूमि विहित करन, सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाने तथा ऐसी भूमि पर सूचना बोर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए। साथ ही दाखिल, खारिज वर अन्य राजस्व मामलों के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। आपदा प्रबंधन से संबंधित विभागों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कारवाही करते हुए लाभार्थी को मुआवजा राशि समय पर उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने प्रत्येक माह दो बार तथा अर्द्ध आयोजित कर लंबित मामलों के निष्पादन पर बल दिया। निदेश भू, अर्जुन कार्यालय की समीक्षा के क्रम में एनचरआई से संबंधित मामलों, आरसीडी अंतर्गत भरियाउडीह, मरकच्चो निर्माण परियोजना, बांडो से निदेश परतुर चौक पंच चौडीगंज, तिलैया, भगडो, जंगनाथ पंच, डोमचांव, पिपुची तथा थरु को, माखमारांग पथ निर्माण परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति के अनुसार जानकारी लेकर आस्थक दिशा, निर्देश दिए। बैठक में अवर समहतां पूरम कुजुवर, अमंडल पदाधिकारी ओमप्रकाश मंडल, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोन, सभी अवर अधिकारी सहित अवर पदाधिकारी उपस्थित थे

अंबेडकर जयंती पर कानून का संदेश: अपराध पर लगाम के लिए करमा पंचायत में जनसभा

नए प्रदेश स्वायत्ततावादीहरूमा। जिल्ले भने लगातार बढ्दै रही अपराधिक घटनाओं पर अकुल लश्कर और आम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को करमा पंचायत भवन में ह्सावित्री सुन्दर द्रष्टृ ह्सा विनाश विनाश जनसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बाबा भीमराव अड्डेकर को जस्टी के अवसर पर आयोजित हुआ, जिसमें सैकड़ों भागीदारी में भाग लिया। जनसभा में मुख्य अतिथि के रूप में करमा पंचायत की मुखिया मनी देवी, अनिल यादव, इकरमुल मुथी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को कानून, प्रशासन और अपने अधिकारों की जानकारी देना था, ताकि वे अपराध और अन्याय के खिलाफ मजबूती से खड़े हो सकें। ब्यवहार-न्यायालय कोडरमा से पहुंचे वरिष्ठ अधिकाता पण्डेय और प्रशासनिक अधिकारी पण्डेय ने लोगों को विभिन्न कानूनी प्राधान्यों, मुकदमों की प्रक्रिया, पुलिस करवाई, जमीन विवाद, महिला सुरक्षा, साक्षर अपराध तथा अन्य सामाजिक मामलों से जुड़े कानूनी पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सरल भाषा में बताया कि आम लोग कानून को सही इस्तेमाल कर अपनी समस्याओं का समाधान कर पा सकते हैं। सभी में मौजूद लोगों में भी भारी। भारी से अपनी समस्याएं रखी और उनसे जुड़े न्यायालय पड़े, जिनका अधिकाताओं ने सटीकपणन जानकारी दिया। कार्यक्रम में साक्षी सुंदर द्रष्ट के उपायकर सिंह, संपी कुमार, राजनीकांत पण्डेय, नोखलाल दास, किशोर राण और मीनडीया प्रभारी पवन कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रजिनीकांत पण्डेय ने किया।

जिला मुख्यालय पर आप का जोरदार प्रदर्शन

नव प्रदेश संवाददाता/कोइरमा। बहुती जनममय्याओ, संदिध मोतां ओ प्रशासनक लपरवाही के खिलाफ आम आदमी पार्टी ने जिला मुख्यालय प्रस्थान समारोहवाही के समक्ष एक दिवसीय सैकितिक धरना दिया कार्यक्रमक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष महेश कुमार यादव ने की, जबकि संचालन जिला सचिव सुधीर राम ने किया। धरना के बाद प्रसिधिमंडल के ने उपयुक्त से मिलक 13 सूत्री मांग. पत्र सोतेत हुए शोध करवाई के मांग की। जिला अध्यक्ष महेश यादव ने कहा कि कोइरमा की जनता अकन अन्याय और प्रशासनिक उदासीनता सहन नहीं करेगी। लगातार हो रहे घटनाएँ सरकार की विफलता को दर्शाती हैं। जिला सचिव सुधीर राम ने कहा कि आम मांही मानी गई तो कोइरमा को आंदोलन की धरती के रूप में बनाया जाएगा वहीं, जेलन कॉइन्डटर दिनेश यादव ने इसे जनता की लड़ाई बताते हुए कहा कि हे पांडित को न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा। धरना में नेताओं ने वेतवानी दी कि मांगे नहीं मानी गई तो आंदोलन को और उच्च किया जाएगा गिरिडीह जिले से आए पार्टी के गिरिडीह जिला प्रभारी बिंदु कुमार ने कोइरमा जिला प्रशासन पर निशाना सातेते हुए कहा कि हूनजनता के मुद्दे पर वुणी साधना प्रशासन की सबसे बड़ी विफलता है। और जवाब देना होगा, वरना संघर्ष पर आंदोलन तेज होगा। जिला संरक्षक दामोदर यादव ने कहा कि हे सहि मांग. पत्र नहीं, बल्कि जनता का अल्टिमेटम है। कोषाध्यक्ष संतोष चंद्रशेखर ने न्याय यात्राहूनमिलने की बात कही, जबकि अन्याय नेताओं ने गांव-गांव तक आंदोलन ले जाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और आम नागरिक शामिल हुन।

न्याय दा हक दा जस नारा के साथ लोग न अपना आवाज बुलंद कर और विधन हत्याकांड की निष्पक्ष जांच व दोषिणी की गिरफ्तारी की मांग कर, कार्यक्रम में मुख्य रूप से मृतक न्याय यादव की पत्नी और बेटे शामिल होकर न्याय की गुहार लगाई एवं कार्यकारिणी सदस्य योगेंद्र पंडित लक्ष्मण चौधरी, संजय वर्मा, जालिम भैया, जितेंद्र कुमार, महादेव यादव प्रीति देवी, मालवा देवी, रेखा देवी धनेश्वरी देवी, संगीता देवी, मीना देवी बनिता देवी, बाजिया देवी, सुभाषित देवी, हेमंती देवी, बुधनी देवी एवं सैकड़ों लोग शामिल थे।

दो बाइकों की टक्कर में तीन घायल, एक की हालत गंभीर, रिम्स रेफर

बालूमाथ संवाददाता बालूमाथ थाना क्षेत्र के ओलहेपाट गांव के समीप बुधवार दोपहर करीब 3 बजे दो बाइकों की आग्ने-सामने टक्कर में तीनों घायल हो गए। एएफएलॉनों में बड़ागान निवासी रविंद्र उरांव 16 वर्ष, अरविंद टाना भगत 20 वर्ष तथा ओलहेपाट गांव निवासी राजेंद्र तूरी 35 वर्ष शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार रविंद्र उरांव और अरविंद टाना भगत एक ही बाइक से अपने ससुराल बालू गांव जा रहे थे। दूसरी ओर से राजेंद्र तूरी बाइक से बालूमाथ की ओर आ रहे थे। इसी दौरान ओलहेपाट गांव के पास दोनों बाइकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को तत्काल बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक अतीश्री टोपी ने प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार तीनों को सिर, पैर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोटें आई हैं। घायल राजेंद्र तूरी को रिफर कर दिया गया है।

પ્રભાગ યાં કાઢ-છાટ પરી તરફ હાજિત છે,
અન્યથા ઉત્તર-પવ્વક મણીન દ્વારા
અસીકૃત કરવ દિવા મણીના | અંત મેં
અપાકુવ ને સમી સંબંધિત અકરિયાવરિ
કો સમચર સ્થાપિત કરતું હુવ સવકતવા
અવ જિમ્મેદારી કે સથ કાર્ય કરને કા
નિશ્ચિંદ દિવા, તાજી જિલે મેં પરીક્ષા
અરોયજાન સફલતાપૂર્વક મેં નમીશ્ક સ્પષ
મેં સે સપન હો સંકે | બેટક મેં ડગ વિકાસ
અસીકૃત સૈયદ રાજીન અહમદ,
આઝીદીદી નિશેક પરીગ કુમાર
ગમરાઈ, અપ સમાહત શ રામા
રવિન, ડીઆરડી નિશેક પ્રમત
રજન વોધરી, અમુમદ પદાધિકારી
લાલેતાર અન્ય કુમાર રાજક, જિલા
શિક્ષા પદાધિકારી પ્રિસ કુમાર, જિલા
શિક્ષા અધીશક ગાંતમ કુમાર સાહ,
અમી પ્રવ્દઃ વિકાસ પદાધિકારી, અંતલ
અધિકારી, સંબંધિત પદાધિકારી
ડરખિસત થે |

परमेश के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को प्रवेश पूर्णतः प्रतिबन्धित रहेगा।
दियाव्यंग एवं दृष्टिहीन अभ्याथियों के लिए
भूतलेशक के सुविधा सुनिश्चित कर
है, उपकरण के निदेश दिया कि अभ्याथी
पररीक्षा लिथि से कम से कम तीन दिन
साथ उपस्थित रहित्वा प्रमाण-पत्र के
साथ केंद्राधीक्षक को आवेदन दें। साथ
ही केंद्राधीक्षकों को पररीक्षा के दौरान
निर्धारित समुदाय-संयुक्त यात्रा, जिसमें
तीन ठाकाने का निदेश दिया गया, जिसमें
प्रवेश, पररीक्षा प्रारंभ, समाप्ति से पूर्व
चावलान एवं पररीक्षा समाप्ति को संकेत
गैरालीन है। उपकरण के अभ्याथियों को
आवश्यक निदेश-निर्देशों का पालन
करने की अपील करते हुए कहा कि वे
पररीक्षा केंद्र पर केवल प्रवेश करें।
उपस्थिति लेकर तथा नीला या काला
बॉल पेन प्रकट आए। औपचारिक
पर किसी प्रकार का हार्डनर का

तैयारी पूर्व में ही पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपस्थित ने स्पष्ट किया कि परीक्षा की परादरशिता एवं उपसूचा व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा समग्री के टंक खोलने के समय अनिवार्य रूप से वीडियोग्राफी करवाई जाएगी, जिसमें केन्द्राधीक्षक, स्टेटिक डंडाधिकारी, दो वीक्षक एवं तीन अभ्यर्थियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि परीक्षा केन्द्रों के भीतर मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, ब्लूटूथ अथवा किसी भी



पर सभी प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों को अपने-अपने कर्तव्यों का सही तरीके से निर्वहन करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा केन्द्राधीक्षकों को अपने-अपने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा अधिष्ठापित कराने व उनकी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने, परीक्षाधियों के लिए पर्येजल की व्यवस्था, कमरे में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था, परीक्षाधियों के लिए शौचालय व अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों में ससमय प्रवेश एवं उत्तर पुरितका पहुंचाने हेतु सभी

[illegible]

नए पदों पर लातेहार। झारखण्ड संयुक्त
असेनिक सेवा प्रांथिक प्रतियोगिता
परीक्षा-2025 के सफल, कदाचारिता
एवं शांतिपूर्ण आयोजन को लेकर
उत्तुपुत्र उत्कर्ष गुणा की अधश्चता में
समाहरणालय सभागर में समीक्षा
देवक आयोजित की गई। हैदर में
हैदर आयोजित लोक सेवा आयोग
आयोजित उत्तु परीक्षा की तैयारी की
विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित
परीक्षार्थियों को केन्द्राधीन
आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
उत्तुपुत्र न जनकारी दी कि परीक्षा
आयोजन दिनांक 19 अक्टूबर 2026
(रविवार) को जिले के 13 परीक्षा केन्द्रों
पर दी पालियों में किया जाएगा। प्रथमभागा
परीक्षा पूर्वाह्न 10:00 बजे से मध्याह्न
12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली
परीक्षा 03:00 बजे से शाम 05:00
बजे तक नियमित है। अर्थियों के

पीएम किसान व राशन कार्ड के नाम पर अवैध वसूली का आरोप, ग्रामीणों में आक्रोश

प्रादेश संवाददाता। तख्तावा। प्रखंड क्षेत्र में एक चौकाने वाला मामला सामने आया है, जहां पंचायत राजावर कला कृषि जाणिके के ग्रामीणी में खाद आपूर्ति पदाधिकारी के नाम पर अरुध वसुली कृतुन जा का गभीर आरोप आपुर्त है। ग्रामीणी का राह है कि पीपल किसान समान निधि योजना और राशन कार्ड से नाम हटाने की धमकी देकर लोगों से एक हजार रुपये की माग की जा रही है। ग्रामीणी का कनका है कि तिला कंडे धारकों और पीपल किसान योजना का लाभ ले रहे लोगों को डराना जा रहा है कि यदि यल्ले पैसे नहीं दिला या तो उनका नाम सूची से हटा दिया जाइ। इस वजह से क्षेत्र में भय का माहौल हो रहा है और अस्थिी रूप से कमजोर परिवार मजबूरी में पैसे देने को विवश हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यह वसुली लतावार जारी है, जिससे सरकारी योजनाओं की खल भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणी ने प्रशासन से निषध जाच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माग की है। वही, इस संबंध में प्रखंड खाद आपूर्ति पदाधिकारी विकास मंगर साहु ने आरोपों को निराधार कहा है। उन्होंने कहा कि उनके नाम पर पैसे मंगाने की सुचना जिला के वरीय अधिकारियों को दे दी गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई यल्ले उनके नाम पर पैसे मांगता है तो इसकी शिकायत स्थानीय उनके पास करे। इकर, जिला परिषद प्रतिनिधि वसुली यावद ने ग्रामीणी से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अरुध वसुली से दूर रहें और योजनाओं का लाभ लेने के लिये सही प्रक्रिया अवलोकन। उन्होंने बताया कि ढाई एकड़ से कम जमीन वाला किसानों को प्रमाण प्राप्त बनवाकर अवल अधिकारी से सत्यापित कर खाद आपूर्ति कार्यालय में जमा करना चाहिए।

कुएं से मासूम का शव बरामद, डोमचांच में हड़कंप
 प्रेम प्रसंग, पारिवारिक विवाद या साजिश? कई एंगल से जांच में जुटी पुलिस

पुत्र प्रदेष्टे सवादादत्ता/कोडरमा। डोमवांच थाना क्षेत्र के धरचरियावाद गांव में 8 वर्षीय मामसु आर्यन कुमार का शव कुएं से सरगम होने के बाद पुत्र देहाके में संपर्कनी फैल गई। मृतक की पहचान पुनम यादव के सात वर्षीय पुत्र आर्यन कुमार के रूप में हुई है। घटना ने जहां एक ओर लोगों को झकझोर कर रख दिया है, वहीं दूसरी ओर इस मामले में कई लोगों वाले खुलासा सामने आ रहे हैं। मृतक के मामा संदीप यादव के अनुसार, मंगलावार रात करीब 10 बजे उन्होंने पुत्री उर्मिला के साथ कमरे में सो रहा था। इसी दौरान दो नकाबपोश घर में घुसे और बच्चे को जबरन उठाकर ले गए। मां द्वारा विरोध करने के बावजूद वे सकल नहीं हो सके। घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई, जिसके बाद बच्चे की खोजजिना शुरू हुई। धरचर पुलिस जांच में मामला पूरी तरह चलता नजर आया। थाना भूपारी अभिमुख्य पहिनाने में बताया कि मृतक की मां का उसके नंदई अशोक यादव के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। पुलिस ने अशोक यादव की हिरासत में लेकर पूछाछा की, जिसके बाद उसकी निगानदेनी पर बच्चे का शव गांव के कुएं से बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, आर्यन को उसकी मां के पास से ही अशोक यादव ने उठाया और हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया। इस मामले में एक अन्य आरोपी की भी सल्लतना सामने आई है, जिसकी तलाश जारी है। घटना के बाद गांव में भारी आक्रोश फैल गया। सैकड़ों ग्रामीण मौके पर जमा हो गए और गांव की पोस्टमार्टम के लिए लेने का विरोध किया। काफी समझनाने के बाद पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज सकी। मौके पर एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह इन्स्पेक्टर अरविंद कुमार भी पहुंचे और मामला की गहन जांच शुरू कर दी गई। बच्चे की मां को भी हिरासत में लेकर पूछाछा की जा रही है। मामले ने उस वक ओर तूल पकड़ लिया जब मृतक के दादा अनिल यादव ने बहू पर ही हत्या का आरोप लगाया, वहीं मामा पक्ष ने सरगम यादव वरि पर सगीन आरोप लगाए। ग्रामीणों ने भी दादा किया कि पहले भी बच्चे के साथ नाराजी की घटनाएं होती रही हैं। फिलहाल गांव पुलिस छावनी में तब्दीली हो चुका है और हर पहलू से जांच जारी है।

कोडरमा डीसी से ग्रामीणों ने की मुलाकात, जमीन अधिग्रहण व मुआवजा को लेकर सौंपा ज्ञापन

नरपत्नी (विजय कुमार) चंदवारा। प्रखंड के ग्राम दाब खांडी एवं कोटवारडीह उरवां के ग्रामीणी ने मंगलवार को उपायुक्त कोडरमा क्लरुजरा कुमार से मुलाकात कर अपनी समस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणी का आरोप है कि जुड़को कर्मचारी द्वारा बिना विधिवत उमीनी अधिभण्डन किए पाइपलाइन के बिंधन से पानी ले जाने का कार्य किया जा रहा है तथा सड़क चौड़ीकरण के दौरान भी ग्रामीणी मुआवजा दिए उमीनी जमीन का उपयोग किया जा रहा है। ग्रामीणी ने बताया कि इस कार्य से उनकी रैयती जमीन प्रभावित हो रही है, जिससे आजीविका और आवास पर संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि पहले उमीनी अधिभण्डन उमीनी अधिभण्डन की प्रक्रिया पूरी की जाए और उचित मुआवजा दिया जाए, उसके बाद ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य करवा जाए। इस संबंध में जेजेएलचंम नेता कृष्णा यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से मिलकर विस्तृत चर्चा की और समस्या के समाधान की मांग की मौके पर जे जे के एम नेता सह बहरी विचारधारा के पूर्व प्रशासकी कृष्णा यादव ने कड़ा रुख अपनते हुए कहा कि बिना विधिवत उमीनी अधिभण्डन और उचित मुआवजा दिए किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य पूरी तरह गलत और अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि चंदवारा प्रखंड के दाब खांडी एवं कोटवारडीह उरवां के ग्रामीणी की रैयती जमीन पर जबरन पाइपलाइन बिछाना और सड़क चौड़ीकरण करना सीधे-सीसी उनके अधिकारों का हनन है।

पिपचो में साँदग्ध मौत से सनसनी: मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप, ससुर फरार

न प्रवेशं जयमानः। थाना इलाके के पिपवा गांव में एक विवाहवाता की संदीध परिस्थितियाँ में मौत से इनका में सनसनी फैल गई है। मुत्तका की पहचान 29 वर्षीय शम्भन खान्नुन के रूप में हुई है। ससुराल पक्ष इसे आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके वालों ने हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। बताया गया कि पहचान के समय पति गुलाम मुस्तका, जो पेशे से ट्रक चालक है, घर पर मौजूद नहीं थे और बरखट्टा गए हूए थे। दोपहर में उनकी पत्नी से फोन पर बातचीत की हुई थी, लेकिन कुछ ही देर बाद पक्षीयों से शम्भन के आत्महत्या की सूचना मिली। परिजान उन तकाला सदर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शम होत ही मायके पक्ष गांव पहुंचा और ससुराल पक्ष से तीखा विवाद हुआ। मुत्तका के भाई इस्तार अमरीरों में आरोप लगाया कि ससुर मालाना शोखवत ने गला घोटकर हत्या की है और मामले को आत्महत्या का रूप दिया जा रहा है। उन्होंने विषयान की बात से भी इनकार किया।

12 लाख प्रतिभागियों में चमके गिजली विद्यालय के प्रिंस, प्रधानमन्त्री के साथ राष्ट्रीय संवाद में बनाई जगह

नव प्रदेश संवाददाता
कोडरमा। तिलैया डैम स्थित प्रिजिली विद्यालय के एटल टिकरियन लैब के मेधावी छात्र प्रिंस कुमार बर्नवाल ने द्वापमावाई भारत ब्रजद क्वेस्ट 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके हुए राष्ट्रीय स्तर पर झाझखंड राज्य का प्रतिनिधित्व कर विद्यालय पुरस्कार राज्य का नाम गौरवान्वित किया है।
देशभर से लगभग 12 लाख प्रतिभागियों के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनावते हुए प्रिंस ने राष्ट्रीय स्तर के अंतिम चरण में स्थान प्राप्त किया।

यह प्रातिष्ठत प्रातयागता युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य युवाओं को केन्द्रीय बजट से

जोड़ना एवं उनकी समझ को विकसित करना है। प्रिंस ने राष्ट्रीय ऑनलाइन वि्वज, राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता तथा राष्ट्रीय स्तर के वर्चुअल संवाद जैसे तीनों चरणों को सफलतापूर्वक पार करते हुए झारखंड के प्रतिनिधि के रूप में



A panel discussion titled "FUTURE ECONOMY" featuring four men seated on a stage. The background is a large screen displaying a stylized image of a person's head and shoulders.

अपनी पहचान बनाई।
राष्ट्रीय स्तर के अंतिम चरण में प्रिंस
ने रांची स्थित रिम्स सभागार से
माननीय प्रधानमंत्री के साथ
वर्चुअल संवाद में भाग लिया, जहाँ
उन्होंने केन्द्रीय बजट 2026 से जुड़े
विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत

किए। यह संवाद युवाओं की सोच और राष्ट्रीय नीतियों के बीच सेतु स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा। प्रिंस की इस उल्लेखनीय सफलता में उनके मेंटर कुणाल अंबष्टा का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा,

जिन्होंने उन्हें निरंतर प्रेरित एवं दिशा-निर्देश प्रदान किया। साथ ही, उनके अभिभावकों का सहयोग और प्रोत्साहन भी उनकी सफलता का मजबूत आधार रहा। इस अवसर पर विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता ने कहा, ह्यूमिस की यह उपलब्धि हमारे विद्यार्थियों की नवाचारी सोच और राष्ट्रीय स्तर पर उनकी सक्रिय भागीदारी का प्रमाण है। हमें विश्वास है कि वह भविष्य

म भा देश क विकास म महत्वपूर्ण योगदान देगे। विद्यालय की प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा, हूप्रिस की सफलता यह दशार्ती है कि सही मार्गदर्शन, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। यह उपलब्धि अन्य

विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। इस उपलब्धि पर संयोजक विजय कुमार सिंह, जितेन्द्र कुमार चौधरी, डॉ. नरेंद्र, अनुपम कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, प्रीति जगनानी, स्टूडेंट सर्विस सेल संयोजक सुशांशु कुमार, स्पोर्ट्स कॉर्डिनेटर प्रीतम भदानी, सीएसए संयोजक राजीव रॉशन सिंह तथा विद्यालय के सभी शिक्षकगण ने प्रिंस कुमार बर्नवाल, उनके मेंटर कुणाल अंबथा और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। ग़िज़ली विद्यालय परिवार को विश्वास है कि प्रिंस भविष्य में भी अपनी प्रतिभा से राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय, जिले और राज्य का नाम और अधिक ऊँचा करेंगे।

संपादकीय



युद्ध का असर, बढ़ी महंगाई

पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव अब केवल अंतरराष्ट्रीय कूटनीति तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था और आम आदमी की जेब पर महसूस किया जा रहा है। वैश्विक घटनाक्रमों का स्थानीय जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है, इसका ताजा उदाहरण मौजूदा संकट है। एक ओर जहां भारत का कुल निर्यात वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 860 अरब डॉलर तक पहुंचा है, वहीं दूसरी ओर मार्च महीने में आई गिरावट और महंगाई में उछाल चिंता का संकेत दे रहे हैं। सबसे पहले बात महंगाई की करें तो थोक मूल्य सूचकांक में लगातार पांचवें महीने वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में यह बढ़कर 3.88 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो फरवरी में 2.13 प्रतिशत थी। इस बढ़ोतरी के पीछे कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, धातुओं और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतों में आई तेजी मुख्य कारण है। खासकर कच्चे पेट्रोलियम की कीमतों में उछाल ने पूरे आर्थिक तंत्र पर दबाव बढ़ा दिया है। इस स्थिति की जड़ पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव में है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमले के बाद वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हुई, जिससे कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़कर 70 डॉलर प्रति बैरल से 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए। यह लगभग 75 प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जिसका असर सीधे तौर पर भारत जैसे आयात-निर्भर देश पर पड़ा है। नतीजतन, पेट्रोलियम उत्पादों की महंगाई दर में भारी उछाल देखा गया। हालांकि, सरकार ने समग्र रहते हस्तक्षेप करते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती कर राहत देने का प्रयास किया है। इस कदम का उद्देश्य आम जनता पर महंगाई का बोझ कम करना था, ताकि तेल कंपनियां बढ़ी हुई लागत सीधे उपभोक्ताओं पर न डालें। यह निर्णय अल्पकालिक राहत जरूर देता है, लेकिन दीर्घकाल में राजकोषीय संतुलन पर इसका प्रभाव भी नजर रखना होगा। दिलचस्प बात यह है कि जहां ईंधन और औद्योगिक वस्तुओं की कीमतें बढ़ी हैं, वहीं खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई में कुछ कमी आई है। सब्जियों और अन्य खाद्य वस्तुओं के दामों में गिरावट से कुछ राहत जरूर मिली है। लेकिन खुदरा स्तर पर स्थिति थोड़ी अलग है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर खुदरा महंगाई मार्च में बढ़कर 3.4 प्रतिशत हो गई है। यानी बाजार में खरीदारी करते समय आम आदमी को राहत पूरी तरह महसूस नहीं हो रही। ब्याज दरों और ईएमआई के मोर्चे पर फिलहाल स्थिरता बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने खुदरा महंगाई को नियंत्रण में मानते हुए ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे यह साफ है कि फिलहाल लोन लेने वालों पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ा है, जो एक सकारात्मक संकेत है। आगे की राह की बात करें तो चुनौतियों के बीच कुछ उम्मीदें भी हैं।

मुद्दा-लघु कथा

सम्राट के सामने बड़ी लकीर खींचने की चुनौती

अखिलेश कुमार

बिहार के 25वें मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी ने पटना लोक भवन में आज पद तथा गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ मंत्री परिषद सदस्य के रूप में विजय कुमार चौधरी तथा बिजेन्द्र यादव ने भी शपथ ग्रहण किया। बिहार के इतिहास में सम्राट चौधरी को प्रथम भाजपा मुख्यमंत्री बने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। मंत्री परिषद सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले विजय कुमार चौधरी और बिजेन्द्र यादव जदयू के नेता हैं, जिन्हें उपमुख्यमंत्री का दर्जा दिया जाएगा। जबकि मंत्री परिषद का वित्ताय पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों में हो रहे चुनाव के बाद होने की संभावना है। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 90 के दशक में लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व में किया था और समय के साथ राजद छोड़कर 2014 में जदयू का दामन थामा। लेकिन वहां बहुत दिनों तक नहीं रह पाए। वर्ष 2017 में नीतीश कुमार को छोड़कर भाजपा के तर्फ मुखबिंद हो गये। इसी के साथ बिहार की राजनीति में हावी जातीय समीकरण और नीतीश कुमार के लव-कुश समीकरण में संघमारी के लिए सम्राट को आगे करने का निर्णय लिया तथा उन्हें विधानपरिषद के नेता जैसा महत्वपूर्ण उपमुख्यमंत्री पद दिया गया। सम्राट चौधरी का राजनीतिक बैकग्राउंड रहा है। उनके पिता शकुनरी विद्याधर साहब और मंत्री रह चुके हैं, जबकि माता भी विधानसभा सदस्य रही है। बिहार में हिन्दू मतदाताओं में यादव के बाद कुशवाहा वर्ग का ही वोटबैंक मजबूत माना जाता है। संभवतः इसी को ध्यान में रखकर भाजपा ने संघ या भाजपा के समर्पित कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर राजद बैकग्राउंड वाले सम्राट चौधरी को कमान सौंपने का निर्णय लिया। बिहार की राजनीति में साहू दीन दयाल से प्रभावी और दो दशक तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार से सत्ता हस्तांतरण के बाद सम्राट चौधरी के सामने अनेक चुनौतियां हैं। लालू राबड़ी के शासनकाल में बड़े अपराध तथा भ्रष्टाचार से नाराज यहां की जनता ने जब 2005 में नीतीश कुमार पर भरोसा जताया तो उसपर जगद उठने में भी नीतीश सफल रहे। बदहाल तथा बदनाम बिहार में कानून व्यवस्था, सड़क, शिक्षा, विकित्सा जैसे क्षेत्रों में आमूलचूल परिवर्तन किया। यही कारण था कि उनके नेतृत्व में राजग गठबंधन ने 2010 कस विधानसभा चुनाव लड़ा उसमें दो तिहाई से भी ज्यादा सीटें मिली। नीतीश कुमार भले ही 2014 से 2024 के बीच राजनीतिक महत्वाकांक्षा में बार-बार पलटी मारते रहे, लेकिन बिहार के विकास और कानून व्यवस्था को लेकर कभी समझौता नहीं किया। यही कारण है कि राजग गठबंधन ने 2025 विधानसभा चुनाव भी उन्हीं के नेतृत्व में लड़ कर पुनः दो तिहाई से अधिक बहुमत हासिल की। अब चुकि भाजपा ने बिहार की बागडोर पहली बार संभाली है और कमान सम्राट चौधरी के हाथों में है तो उन्हें भाजपा के साथ ही साथ अपने जुड़वा की प्रभावी बनाने के लिए नीतीश कुमार से बड़ी लकीर खींचने की चुनौती है, जो आसान नहीं है। सम्राट चौधरी भाजपा के मुख्यमंत्री हैं, इसलिए सभापतिवै है कि उन्हें कमान करने और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निर्णय लेने की स्वतंत्रता उस तरह नहीं रहेगा जैसा कि नीतीश कुमार बगैर किसी दबाव के किया करते थे। नये मुख्यमंत्री के सामने सबसे अधिक महत्वपूर्ण चुनौती बिहार के सम्पदा के संरक्षण तथा इसके दोहन पर नियंत्रण रखते हुए यहां रोजगार भुजन का है। चुकि वर्तमान समय में बिहार के अकूत जल सम्पदा के साथ ही खनन एवं वन्य सम्पदा पर उद्योगपतियों की तिरछी नजर है। पहले से ही मोदी सरकार पर गुजरात के उद्योगियों द्वारा देश के विभिन्न विभिन्न राज्यों में प्राकृतिक संसाधनों का दोहन तथा कैसे सरकार का संरक्षण प्राप्त होने के आरोप लगते रहे हैं। चुकि बिहार में नीतीश कुमार ने बगैर किसी के दबाव में आए अभी तक प्राकृतिक संसाधनों को बचाकर रखा है और उसपर उद्योगपतियों की गिद्ध दृष्टि नहीं हुई है। जहां उद्योग स्थापित करने के नाम पर ऐसे संसाधनों को पूंजितपतियों के हवाले किया जा सकता है। अब सम्राट चौधरी के सामने यह चुनौती है कि वे राज्य हित को सर्वोपरि माने इसको लेकर केसा रुख अख्तियार करेंगे है। यह तो अब मानकर चलना है कि जब मुख्यमंत्री के हाथों में सत्ता का कमान आया है तो उद्योग के नाम पर संसाधनों के उपयोग और उद्योग स्थापित करने की होड़ लगेगा ही। तो सम्राट चौधरी को यह भी तय करने की जिम्मेदारी होगी कि बाहर से आने वाले उम्मी बिहार के लोगों को कितना प्रतिशत रोजगार मुहैया कराने का गारंटी देगे।



क्रुद्धा सिंह

आज बदलते समय में अभिभावकों और परिवारों की भूमिका में बदलाव आया है। ऐसे में रिजल्ट की जगह रूटीन पर फोकस करें कितने नंबर पूछना बंद करें पूछें, आज स्कूल में कौन-सी एक चीज ऐसी सीखी जो कल नहीं पता थी? और किस दोस्त की मदद की? एनईपी नंबर से वैल्यू की ओर लेजाने व मानवीय मूल्यों की समझ बच्चों में विकसित कर नैतिक रूप से भी सक्षम बनाने की सिफारिश करती है।

हर अप्रैल स्कूल के गेट पर नया सत्र दस्तक देता है। बस्ते बदलते हैं, किताबें बदलती हैं, यूनिफॉर्म की क्रीज नई होती है और बच्चों की कक्षाएं भी नई हो जाती हैं। पर क्या हमारी सोच भी बदलती है कि इस सत्र में हम बच्चों को पहले से उपयोगी और बेहतर क्या दे रहे हैं? सत्र का बदलना सिर्फ कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है बल्कि यही सही समय है तैयारी का। अप्रैल की सुबह स्कूल की घंटी सिर्फ बच्चों को नहीं जगाती बल्कि पूरे समाज को एक नई शुरुआत का ह्रस्वास दिलाता है। अप्रैल का नया सत्र बस कॉपी-किताब बदलने का सीजन नहीं है, यह उस बदलाव की आहट है जिसे 3 वर्ष पृथ्वी शायी शिक्षा नीति 2020 में लिखा गया था जो अब स्कूल की चौखट चढ़ रहा है। तो क्या हमने कोई ऐसी योजना बना ली है कि नए शैक्षिक सत्र में हम बच्चों को कितनी तैयारी के साथ उन्मत्तशील शिक्षा और कौशल देने जा रहे हैं। हमारे और बच्चों के बीच में प्रारम्भ होने वाली यह यात्रा जिम्मे से सीखना-सिखाना मुख्य उद्देश्य है इसको रोचक व सरल बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस साल अगर अभिभावक और शिक्षक अपनी भूमिका में बदलाव ले आएँ, तो बच्चों का सीखना सरल, सहज व रोचक हो सकता है। ऐसे में शिक्षा से जुड़े हर व्यक्ति का (शिक्षक, अभिभावक) स्वयं से



शोभा कर्ंदलाजे

भारत की महिलाओं के प्रति हमारा अब यह कर्तव्य है कि हम जनगणना कराने, परिसीमन के कार्य को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने में तत्परता बरतें कि इस प्रक्रिया में एक भी दिन अनावश्यक रूप से बर्बाद न हो। में कार्यान्वयन, आरक्षित सीटों के चक्रण (रोटेशन), परोक्ष (प्रॉक्सी) उम्मीदवारों और सनसेट वलॉज से जुड़ी चिंताओं से अवगत हूं। ये जायज बहसें हैं, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इन पर तत्काल ध्यान दिया जाए।



मनोज कुमार मिश्र

यह सुनिश्चित हो कि वे बसें तय समय से चलें और तय समय में यात्री अपने मंजिल पर पहुंच जाए। उसकी गति भले ही मेट्रो रेल जितनी न हो लेकिन उसके आसपास होनी चाहिए। दिल्ली की नई सरकार ने कुछ बसें चलाई हैं लेकिन वह नाकाफी है।

महिला आरक्षण से बदलेगी भारतीय लोकतंत्र की तस्वीर

एक राज्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ लेते समय, मैंने उस खचाखच भरे कमरे में चारों ओर नजरे घुमाएँ और गिनती की। वहाँ मौजूद महिलाओं की संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती थी। इस दृश्य ने केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में ही नहीं, बल्कि इस बात के स्पष्ट संकेत के रूप में भी एक छाप छोड़ी कि सार्वजनिक जीवन में महिलाओं को अभी भी काफी लंबा सफर तय करना बाकी है।

मैं कर्नाटक के तटीय इलाके के पुनुर के पास स्थित एक छोटे से गांव से आती हूँ। पारंपरिक रूप से यह एक समृद्ध इलाका है और यहाँ की महिलाओं ने हमेशा अपनी दृढ़ता एवं शक्ति का परिचय दिया है। मुझे पता है कि उस शक्ति को सार्वजनिक जीवन में लगाने का क्या मतलब होता है। खासकर, उस स्थिति में जब एक ऐसी राह पर चलना हो जिस पर पहले चंद लोग ही चले हों और हर महिला को बैसे ही जोश के साथ वैसा ही मौका नहीं मिला हो। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पहले ही पारित हो चुका है। संसद में सितंबर 2023 में इस पर चर्चा हुई थी और संविधान में संशोधन किया गया था। लेकिन अब उस वादे को निभाने का सबसे मुश्किल काम सामने है।

अपने लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाला लोकतंत्र

भारत में कुल 670 मिलियन महिलाएं हैं। लेकिन पिछले कई वर्षों में महज 15 प्रतिशत महिलाएं ही संसद में पहुंच पायीं हैं। जो लोकतंत्र अपने आधे नागरिकों को निर्णय लेने की प्रक्रिया से लगातार बाहर रखे, उसे सच्चा लोकतंत्र तो नहीं कहा जा सकता। ऐसे लोकतंत्र को विकास की प्रक्रिया में ही माना जाएगा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन काजज पर लिखे किसी कानून का तभी कोई महत्व होता है, जब उसे प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। जनगणना कराना वादे बढ़ चुका है। इसके बाद परिसीमन होना चाहिए और संसद तथा प्रत्येक राज्य की विधानसभा में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए। जब कानून बनाने वाली प्रक्रियाओं में महिलाओं को शामिल किया जाता है, तो कानून बनाने का केन्द्रबिंदु ही बदल जाता है। पंचायती राज संस्थाओं में, जहां दशकों पहले महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया गया था, प्राथमिकताओं में स्पष्ट बदलाव देखने को



मिलता है। पानी, स्वास्थ्य, शिक्षा और बच्चों के पोषण के लिए अधिक बजट आवंटित किए गए। भ्रष्टाचार के प्रति कम सहनशीलता और समुदायों के प्रति अधिक जवाबदेही देखी गई। यह महज एक संयोग नहीं है। यह प्रतिनिधित्व का जीता-जागता उदाहरण है।

दुष्प्रक्र को तोड़ना

मैंने अक्सर यह तर्क सुना है कि महिलाओं को अपनी योग्यता के बल पर आगे बढ़ना चाहिए। मैं इस भावना का सम्मान करती हूँ। लेकिन इस आधार को खारिज करती हूँ। योग्यता शून्य में नहीं पनपती। यह वहीं पनपती है, जहां अवसर मौजूद होते हैं। पीढ़ियों से, संरचनात्मक बाधाओं-सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक - ने प्रतिभाशाली महिलाओं को राजनीति से बाहर रखा है। उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में हमेशा उन्हीं लोगों को प्राथमिकता दी गई है जिन्हें के पास सुस्थापित नेटवर्क एवं संपर्क तथा विरासत में मिली राजनीतिक साख रही है और जो घरेलू जिम्मेदारियों से मुक्त हैं। दूसरी ओर, महिलाओं को इनमें से कोई भी सुविधा हासिल नहीं है।

आरक्षण से स्तर कम नहीं होता, बल्कि यह अड़चन को दूर करता है

जब बड़ी संख्या में महिलाएं पंचायतों में दाखिल हुईं, तो शुरू में उन्हें नजरअंदाज किया गया। आखिरकार, विभिन्न अध्ययनों में यह पाया गया कि उनके अपने समुदायों ने

उन्हें उनके पुरुष समकक्षों की तुलना में अधिक प्रभावी, अधिक सुलभ और अधिक ईमानदार माना। जब महिलाओं को उचित अवसर दिया जाता है, तो वे केवल भाग ही नहीं लेती बल्कि नेतृत्व भी करती हैं।

नीतिगत दृष्टि से इसके मायने

सरकार में रहते हुए अपने व्यापक अनुभवों से मैंने यह जाना है कि निर्णय लेने वाले स्थानों पर आपकी मौजूदगी ही इस बात को निर्धारित करती है कि किस विषय पर चर्चा होगी। महिला जनप्रतिनिधि मातृ स्वास्थ्य निधि में कटौती की आशंका होने पर इसके लिए आवाज उठाती हैं। वे उन नीतियों के लैंगिक प्रभाव को उजागर करती हैं, जिनका व्यवहार में सबसे बुरा असर महिलाओं पर पड़ सकता है। वे अपने निर्वाचन क्षेत्र की उन चिंताओं को सामने लाती हैं, जिनसे उनके पुरुष सहकर्मियों का सामना नहीं होता। संसद और राज्यों की विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मतलब यह है कि पहली बार ये आवाजें अल्पवाद नहीं रहेंगी। ये आवाजें ढांचागत व्यवस्था का हिस्सा होंगी। स्थायी होंगी। इन्हें नजरअंदाज करना असंभव होगा।

नारी शक्ति : सोच से कानून तक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह मानना रहा है कि भारत अपनी महिलाओं की पूर्ण और बराबरी की भागीदारी के बिना अपनी पूरी क्षमताओं का सदुपयोग नहीं कर सकता। यह महज एक बयानबाजी भर नहीं, बल्कि एक

ऐसा दृढ़ विश्वास है जिसने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से लेकर जन धन, उज्ज्वला और प्रधानमंत्री आवास योजना में महिलाओं की रिकॉर्ड भागीदारी वाली नीतियों को दिशा दी है। उन्होंने नारी शक्ति को केवल एक नारा नहीं, बल्कि विकसित भारत का आधार बताया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इसी सोच की पूर्ण अभिव्यक्ति है। यह सोच महिला सशक्तिकरण को कल्याणकारी योजनाओं से आगे बढ़ाकर शासन की संरचना में समाहित करती है।

सभी दलों के अपने साधियों से

यह क्षण हम सभी का है। यह मौका किसी एक दल का नहीं, बल्कि एक संस्था के रूप में संसद का है। सरकार के हर स्तर पर इस राष्ट्र की सेवा करने वाली एक महिला के रूप में, मैं सभी से अपील करती हूँ और मेरा मानना है कि हम सभी भारत के लोकतंत्र को मजबूत और अधिक पूर्ण देखना चाहते हैं। भारत की महिलाओं के प्रति हमारा अब यह कर्तव्य है कि हम जनगणना कराने, परिसीमन के कार्य को पूरा करने और यह सुनिश्चित करने में तत्परता बरतें कि इस प्रक्रिया में एक भी दिन अनावश्यक रूप से बर्बाद न हो। मैं कार्यान्वयन, आरक्षित सीटों के चक्रण (रोटेशन), परोक्ष (प्रॉक्सी) उम्मीदवारों और सनसेट क्लॉज से जुड़ी चिंताओं से अवगत हूँ। ये जायज बहसें हैं, लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इन पर तत्काल ध्यान दिया जाए। सिद्धांत सही है। जरूरत तत्परता की है। हमें पूर्णता को परिवर्तनकारी कदमों के आड़े नहीं आने देना चाहिए।

एक न्यायप्रिय राष्ट्र के रूप में

सितंबर 2023 में इतिहास रचा गया था। लेकिन इतिहास सार्थक तभी होता है जब उसके बाद की प्रक्रिया सही है। जरूरत रखें। एक न्यायप्रिय देश अपने द्वारा बनाए गए कानूनों का पालन करके चुपचाप एक चिरस्थायी बदलाव को संभव बनाता है। अपने देश की सेवा करने की आकांक्षा रखने वाली हर युवती, मंच से हमेशा वाचित रहने वाली हर नेता और अभिव्यक्त होने से वाचित हर आवाज के हित में, अब काम करने का समय है। इस कानून को लागू कीजिए। दायरे का विस्तार कीजिए। सारा देश देख रहा है।

(लेखिका केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा श्रम और रोजगार राज्यमंत्री हैं)

सर्वसुलभ सार्वजनिक परिवहन दिल्ली की अनेक समस्याओं का समाधान

दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में बेहिसाब बढ़ती आबादी के लिए बिजली, पानी, आवास, रोजगार और आवागमन को साधन से लेकर साफ हवा उपलब्ध कराना सरकारों के लिए दिन-प्रतिदिन बड़ी चुनौती बनती जा रही है। सड़कों से वाहनों की भीड़ को कम करने में दिल्ली की लाइफ लाइन (जीवन रेखा) कही जाने वाली और अब चार सौ किलोमीटर की सीमा पार कर रही मेट्रो रेल भी नाकाफी साबित हो रही है।

इसी 24 मार्च को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की भाजपा सरकार का 1,03,700 करोड़ का दूसरा बजट पेश करते हुए इसे हरित बजट का नाम दिया और इसका 21 फीसदी हिस्सा दिल्ली को प्रदूषण कम करने पर खर्च किए जाने की जानकारी दी। इस बजट में प्रदूषण कम करने के लिए ई-वाहनों पर जोर देने की घोषणा की। इसी नीति के तहत दिल्ली में छोटी देवी बसें चलाई जा रही हैं और ई-वाहनों के लिए आसानी से अनुमति देने का प्रावधान किया गया है। लेकिन बजट में दिल्ली की सड़कों पर पहले से अराजक तरीके से चल रही बेहिसाब ई-रिक्शा के परिचालन के लिए कोई नियम बनाने के प्रस्ताव की जानकारी नहीं दी गई। दिल्ली-एनसीआर में पंजीकृत डेढ़ करोड़ से ज्यादा वाहनों की तादाद कम करने की ठोस योजना नहीं बताई गई। इन वाहनों की भीड़ ने कभी दिल्ली की जीवन रेखा कही जाने वाली बस सेवा को बेहाल कर दिया। सड़कों पर बसों की तादाद लगातार कम हो रही है। वाहनों की भीड़ में बसों की औसत गति 10 किलोमीटर प्रति घंटा रह गई है। पर्यावरण पर काम करने वाली मशहूर स्वयंसेवी संस्था सीएसई (विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र) की रिपोर्ट के मुताबिक इस शताब्दी की शुरुआत तक दिल्ली में सार्वजनिक वाहन का उपयोग करने वालों में 65 फीसदी लोग बसों में यात्रा करते हैं। अब यह संख्या बीस फीसदी से कम हो गई है। दिल्ली परिवहन विभाग के पूर्व उपायुक्त अनिल छिकारा



इसे दूसरी तरह से बताते हैं। जब दिल्ली की आबादी 1 करोड़ 20 लाख थी तब 45 लाख लोग हर रोज बसों से यात्रा करते थे, अब आबादी तीन करोड़ से ज्यादा है तब यह संख्या 28 लाख यात्रियों तक है। यह भी तब है जब महिलाओं के लिए बसों में फ्री यात्रा की सुविधा है। इसका बड़ा कारण बसों की अल्पसंख्या और बसों की औसत गति दस किलोमीटर तक आने से है। वहीं, बस एकता मंच के प्रवक्ता श्याम लाल गोला कहते हैं कि सरकारें न तो बस खुद चला पा रही हैं और न ही हमें चलाने दे रही है। हम सरकार की हर शर्त मानने को तैयार हैं लेकिन बसों के लिए जो रवेया पिछली सरकार का था, वहीं अभी तक इस सरकार का दिख रहा है। उनका कहना है कि हम पहले की तरह किलोमीटर स्क्रीम में चलने को तैयार हैं या सीएनजी अनिवार्य करने पर अदालत के सत्रांन में बने 17 कलस्टर में सहकारी आधार पर निजी बसों की कंपनी बनाकर बसें चलाने को तैयार हैं। वैसे, अब 11 हजार से ज्यादा बसें चलाने वाली लेकिन पहले सरकार दिल्ली हाई कोर्ट में दिए अपने उसी हलफनामे के आधार पर आधी बसें खुद

चलाए और आधी निजी बस आपरेटर्स से चलाए। एक नवंबर, 1996 को सीएसई ने एक शोधपरक लेख छपा जिसमें बताया गया कि वाहन प्रदूषण के मामले में दिल्ली देश में पहले नंबर पर है। इस पर सत्रांन लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 18 नवंबर को दिल्ली सरकार को नोटिस दिया और इस बारे में कार्ययोजना पेश करने को कहा। इसी बीच सीएसई ने 01 नवंबर, 1997 को देश और दुनिया के वैज्ञानिकों की जन सुनवाई आयोजित की। उसमें यह भी बताया गया कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों पर कोई काम नहीं कर रही है। इस पर दोबारा सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को नोटिस दिया। दिसंबर में केन्द्र सरकार ने इस पर एक श्वेत पत्र जारी किया। इसी आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम (एनसीआर) के लिए विशेष एजेंसी-पर्यावरण प्रदूषण (रोकथाम और नियंत्रण) प्राधिकरण गठित करने के निर्देश दिए।

इस प्राधिकरण के अध्यक्ष बेहद ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ पूर्व नौकरशाह भूरेलाल बनाए गए। इसे बाद में भूरेलाल कमेटी कहा जाने लगा। इसी कमेटी की शुरुआती रिपोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई 1998 को आदेश दिया कि दिल्ली में चलने वाले सभी बसों को धीरे-धीरे सीएनजी पर लाया जाए। इसकी तारीख 31 मार्च 2001 तय की गई। सरकारें एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालती रहती तो अप्रैल 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा सख्त आदेश दिए। उसके बाद सीएनजी पर बसें और व्यवस्थित वाहनों को लाने की प्रक्रिया तेज हुई।

कायदे में 2010 के पंचमंडल खेलों के आयोजन में मिले पैसों से दिल्ली की बसें और बसें दिखने लगीं। दिल्ली सरकार ने हाई कोर्ट में 11 हजार बसें चलाने का हलफनामा दे रखा है लेकिन अब तो पुरानी बसें भी सड़कों पर से हटने लगीं, बसों की संख्या गिनती की रह गई हैं। दिल्ली के विशेष

परिवहन आयुक्त रहे ए के सिंह कहते हैं कि बसों के माध्यम से कम खर्च में लारट माइलज कनेक्टिविटी(घर तक पहुंचने की व्यवस्था) हो सकती है। इसके लिए पूरी संख्या में आरामदायक बसों को सड़क पर लाना होगा। यह सुनिश्चित हो कि वे बसें तय समय से चलें और तय समय में यात्री अपने मंजिल पर पहुंच जाए। उसकी गति भले ही मेट्रो रेल जितनी न हो लेकिन उसके आसपास होनी चाहिए। इसके लिए सबसे पहले बड़ी संख्या में बसें सड़कों पर लानी होंगी और सड़कों पर जाम का मुख्य कारण बनी ई-रिक्शा का पंजीकरण करके आटो के साथ उसे व्यवस्थित करना होगा। दिल्ली की नई सरकार ने कुछ बसें चलाई हैं लेकिन वह नाकाफी है। डीटीसी के अधीन चलने वाली निजी बसें ही सड़कों पर दिख रही हैं।

दिल्ली मेट्रो अपनी गति से चल रही है। अभी दिल्ली को का दायरा 416 किलोमीटर है। चौथे पांचवें चरण के पूरा होते ही यह दायरा 104 किलोमीटर जुड़कर 520 किलोमीटर पार कर जाएगी। अब तो पांचवें चरण की भी सरकार ने मंजूरी देकर बजट आवंटित कर दिए हैं। येतो लाइन के उद्घाटन समारोह में मेट्रो मैन नाम से मशहूर डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो) के पहले प्रबंध निदेशक ई.श्रीधरन ने कहा था कि उन्नीस योजना मेट्रो रेल को हर मोहल्ले से केवल पांच सौ मीटर दूर तक पहुंचाना है। वैसे अभी तो किसी भी तरह यह लक्ष्य अलभ्य लग रहा है। डीएमआरसी का गठन एक स्वशासी निकाय के रूप में हुआ। इसकी स्थापना 03 मई, 1995 में हुई। मेट्रो का परिचालन 2002 से शुरू हुआ। दिल्ली सरकार और भारत सरकार का शहरी विकास मंत्रालय इसमें साझा रूप से है और इसको जापान की एक कंपनी जीआईसीए (जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी) ने आहान शर्तों पर कर्ज दिया। कर्ज का भुगतान तीस साल की लंबी अवधि में करने की सुविधा है। इस संस्था ने देश के पुरानी बसें भी सड़कों पर से हटने लगीं, बसों की संख्या गिनती की रह गई हैं। दिल्ली के विशेष

विद्यालय में नए सत्र का स्वागत, नई उम्मीदों का नया अध्याय



बच्चों के समग्र विकास में इसके महत्व को समझे। सत्र नंबर न भरें, लिखें कि बच्चे समूह और कक्षा में कैसे रहते हैं। यह मैप पैरेंट्स को दें जिससे टीचर की कलम अब सिर्फ लाल निशान नहीं, रास्ता दिखाने वाली दिर्घ बने। मूल्यांकन डाने का नहीं, दिशा देने का औजार बने। गलती शब्द को डिक्शनरी से निकालें। बच्चे को कहें, यह पहला प्रयास है, दूसरा बेहतर होगा। फॉर्मेटिव असेसमेंट हर 3 महीने पर, प्रोजेक्ट, रोल-प्ले, पिक्चर रिव्यू से नंबर दें। जो बच्चा बोलने में तेज है पर लिखने में कमजोर, उसे मौखिक प्रेजेंटेशन से अंक मिलें। DIKSHA और AI साथी का इस्तेमाल सिखाएं। होमवर्क दें कि आज का चैटर पढ़कर DIKSHA पर विवज दो और अपने से छोटे बच्चों के साथ डिस्कस करो। जो बच्चा क्लास में चुप है, वह एआई से 10 सवाल पूछ

लेगा। टेक्नोलॉजी बस आपके मोनोरंजन का साधन नहीं, असिस्टेंट टीचर और साथी भी है। ऐसी समझ विकसित करें।

खुद को भी अपग्रेड करते रहें

50 घंटे की निष्ठा ट्रेनिंग बहुत उपयोगी है। इमर्से साइबर सेफ्टी, जेंडर सेंसिटिविटी, क्लासरूम मैनेजमेंट, सभी है। जब हम स्वयं को अपग्रेड करते रहेंगे, सीखना जारी रखेंगे तभी हम बच्चों को भी सिखा सकेंगे। हर महीने एक नई टीचिंग स्ट्रेटेजी ट्राई करें और साथी शिक्षकों से भी शेयर करें, कभी रूपायि रूप में और कभी बैठकों में।

अभिभावकों के लिए नया वया होना चाहिए?

स्कूल 6 घंटे संभालता है, घर 18 घंटे। NEP

तभी सफल होंगे जब घर का कल्चर भी बच्चों के संदर्भ में बदलेगा। आज बदलते समय में अभिभावकों और परिवारों की भूमिका में बदलाव आया है। ऐसे में रिजल्ट की जगह रूटीन पर फोकस करें कितने नंबर पूछना बंद करें पूछें, आज स्कूल में कौन-सी एक चीज ऐसी सीखी जो कल नहीं पता थी? और किस दोस्त की मदद की? NEP नंबर से वैल्यू की ओर लेजाने व मानवीय मूल्यों की समझ बच्चों में विकसित कर नैतिक रूप से भी सक्षम बनाने की सिफारिश करती है। आप भी विचारों को शिपट करें जीवन में सफलता के साथ सार्थकता और मानवीयता को भी महत्व दें। PTM को कोर्ट न बनाएं। टीचर के पास शिकायत लेकर न जाएं, सुझाव लेकर जाएं। HPC में अगर लिखा है बच्चा जिज्ञासु है पर ध्यान भटकता है, तो घर पर 20 मिनट का फोकस टाइम सेट करें। स्कूल-होम पार्टनरशिप का मतलब यही है। हुनर को इज्जत दें, जब स्कूल बैग-लेस डे पर बच्चे को इलेक्ट्रिशियन के पास ले जाए, तो ये न कहें कि हमारा बच्चा यह नहीं बनेगा। NEP का विजन है कि हर बच्चा हुनर और कौशल भी जाने। इंजीनियर को भी प्लग ठीक करना आना चाहिए। डिजिटल बैलेंस बनाएं। स्क्रीन टाइम बॉट, बैन न करें। 1 घंटा DIKSHA/YouTube एजुकेशनल, 30 मिनट गेम। यूट्यूब किड्स और गूगल फैमिली लिंक से टाइमर लगाएं। आप खुद रोल स्कॉल करते रहेंगे तो बच्चा क्यों

मानेगा? ऐसे में स्वयं के लिए भी नियम और अनुशासन बनायें। तुलना का जहर घर से निकालें- उनके बेटी-बेटा को देखो - वह लाइन नए सत्र में बैठा। NEP कहती है हर बच्चा युनिक है। एक कोडिंग करेगा, दूसरा खेती में विज्ञान का सहयोग लेकर उनतन कृषि करेगा, ड्रेन चलाएगा। आपका काम बच्चे को तुलना करना नहीं, टैलेंट पहचानना है।

बच्चों के लिए सत्र रोचक

यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। शिक्षक और पैरेंट्स मिलकर ये 7 कार्य करें तो बच्चा सोमवार को भी स्कूल के लिए उत्साहित रहेगा। **क्लासरूम को संवाद घर बनाएं :** टीचर हर पेरियड की शुरुआत 2 मिनट के वंडर टाइम से करें। आज बारिश क्यों नहीं हुई? पेंच सिर्फ ऊपर ही क्यों लगता है? जिस दिशा में बच्चे सवाल पूछने लगे, समझें। सीखना शुरू। पैरेंट्स घर पर डिनर टेबल पर बच्चों से संवाद करें सवाल रखें। **सिलेबस को जिंदगी से जोड़ें :** गणित का प्रतिशत बाजार में सिखाएं। 500 की शर्ट पर 20% छूट है, कितने का पड़ेगा? विज्ञान का वाष्पीकरण, संघनन दूध उबालते समय दिखाएं। इतिहास में लोकल फ्रीडम फाइटर का घर दिखाएं। **प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग हर महीने :** अपना दिनचर्या बनायें,पानी बचाओ पर मॉडल। अपने मोहल्ले का मैप।



हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक हैं। जी हाँ, करीब 77 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में हैं। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 13.4करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोलियाब्द होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने

में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव



डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

घ्रून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार घ्राने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन र्था आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। ाकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक ाकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं भ्रनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जुझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर रियव करना महत्त्वपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को ऑवॉर्ड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियाँ और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्त्वपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोषक तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।



शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? जिसका कारण होता है की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारु रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतों और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। अगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।



दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिय डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिय डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फ्रुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था।। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।।

मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चोलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से

250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एकस्पर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोट, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.



कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यतः चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मेग्नीशियम व कैल्शियम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेख चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।



आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जाने कितनी प्रकार की डाइट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचें-समझे किसी भी प्रकार की डाइट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती है। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।

अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार एनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए

तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रेनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के

बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना,सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में –

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती हैं। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मांस

अनबैलेंसड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

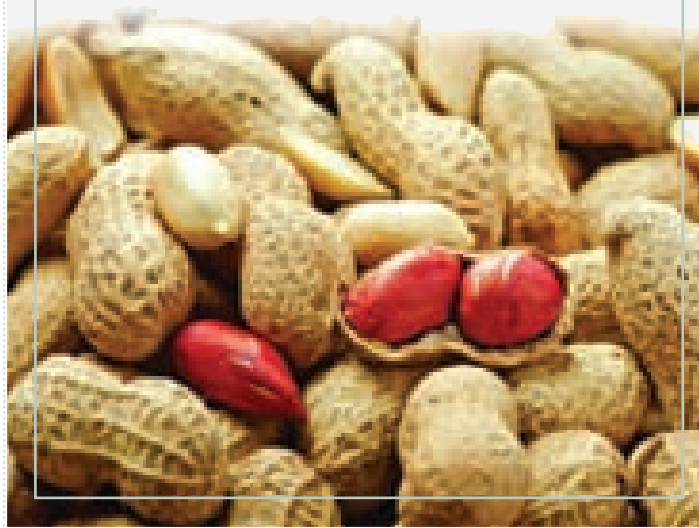
झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती हैं। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को

करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।



संक्षिप्त समाचार

गायकवाड़ ने बताया जीत का राज

चेन्नई,एजेंसी ।

आईपीएल में खराब श-रूआत के बाद लगातार दो मैच जीतकर वापसी कर रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रतुराज गायकवाड़ ने इसका राज बताया है। रतुराज के अनुसार बीच में ही योजना बदलने का उन्हें लाभ मिला है। सीएसके इस सत्र की पहली टीम बनी है, जिसने 200 से कम के स्कोर का भी बचाव किया है। उनका कहना है कि इम्पैक्ट प्लेयर की वजह से अतिरिक्त बल्लेबाज आते हैं और ऐसे में 200 से भी ज्यादा का लक्ष्य आसानी से टीमें हासिल कर रही हैं पर इसके बाद भी उनकी टीम ने 192 रनों के लक्ष्य का बचाव कर लिया। उन्होंने कहा टीम 210 से 220 के बारे में सोच रही थी पर बीच मैच में इस योजना को बदल दिया था। गायकवाड़ ने कहा, मुझे लगता है कि हमने फिर से एक अच्छे स्कोर का बचाव किया। मुझे लगा कि यह एक पार स्कोर था, यह देखते हुए कि, पहले, मैं कहूँगा, सात या आठ ओवर के बाद विकेट बहुत बदल गया। यह थोड़ा स्पिन होने लगा, थोड़ा रुकने लगा। तो, हम पहले 220, 210 के बारे में सोच रहे थे, लेकिन फिर, हमने सोचा कि 190, 180 के आसपास कुछ भी एक अच्छा स्कोर होगा और मुझे लगता है कि उसके बाद, हमें बस गेंदबाजी में एक अच्छा पावरप्ले मिलना था। उसके बाद, यह बस उस रन-रेट को बनाए रखने के बारे में था। गेंदबाजी को लेकर उन्होंने ने कहा, हां, यह अच्छा था। धीरे-धीरे, मुझे लगता है कि यह एक साथ आने लगा है। हर किसी को पता है कि उनकी भूमिका क्या है, कौन से ओवर, और कैसी गेंदबाजी करनी है। इसलिए मुझे लगता है कि वे टीम की जरूरतों के हिसाब से बहुत अच्छी तरह से सभी खेल रहे हैं। जैसा कि मैंने कहा, धीरे-धीरे, हम बेहतर और बेहतर होते जा रहे हैं और यह हमारे लिए एक अच्छा संकेत है।

वैभव अपने खेल पर ही ध्यान दे: गावस्कर

मीडिया को भी दी नसीहत



मुम्बई ,एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं पर उनको लेकर अपने खेल पर ही अधिक ध्यान देना होगा। वहीं गावस्कर ने कहा कि मीडिया भी उन्हें अधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश न करें। इससे किसी भी खिलाड़ी से अपेक्षाएं जरूरत से अधिक बढ़ जाती है। जिससे उसपर बेवजह का दबाव बन जाता है जो उसके करियर के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। गावस्कर ने कहा कि वैभव अभी 15 साल के हैं और उनके पास पर्याप्त समय है। जिस प्रकार से वह गेंद की लेंथ और लाइन को समझकर गेंदबाज पर आक्रामण करते हैं। वह काफी अच्छा है पर उन्हें अपने खेल पर ध्यान देते रहना होगा। गावस्कर ने कहा कि कि समय के साथ ही विरोधी टीमों और गेंदबाज उनके खेलने को समझ लेंगे और कमी निकालने का प्रयास करेंगे। उनके तकनीक की खामी को पता करेंगे और फिर मानसिक रवैये में कोई कमजोरी हो को भी ढूंढने में लग जाएंगे गावस्कर ने कहा, हूनकी विरोधी टीम इस बात को भी देखना चाहेंगी कि कोई ऐसी चीज ऐसी है जो बल्लेबाजी के दौरान उनकी एकाग्रता तोड़ सकती है। वैभव को लेकर गेंदबाज हर छोटی से छोटटी बात की बारीकी से जांच की करेंगे। सभी उसकी कमजोरी का लाभ उठाना चाहेंगे। ऐसे में ही उसकी असली पंथशा और तय होगा कि वह कितना लंबा चल सकता है।

अंक तालिका में आठवें नंबर पर पहुंची सीएसके, केकेआर अंतिम स्थान पर

मुम्बई ,एजेंसी।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मैच के बाद अंकतालिका में हल्का बदलाव आया है हालांकि शीर्ष सात टीमों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सीएस्के जीत के साथ ही अब आठवें नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं हार के कारया केकेआर अंतिम स्थान पर खिसक गयी है। अंक तालिका में शीर्ष पर राजस्थान रॉयल्स बनी हुई है। वह पांच मैचों में से चार मैचों में जीत हासिल करने में सफल रही है। रॉयल अकेली टीम है जिसके 8 अंक हैं। वहीं दूसरे स्थान पर पंजाब किंग्स है, जिसने चार में से तीन मैच जीते हैं और एक मैच का परिणाम नहीं आया। पंजाब के 7 अंक हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) चार में से तीन मैच जीतकर 6 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है, जिसने पांच में से दो मैच जीते हैं। पांचवें नंबर पर इस वक्त दिल्ली कैपिटल्स है, जो 4 में से 2 मैच जीती है। छठे स्थान पर गुजरात टाइटन्स है और सातवें पायदान पर लखनऊ सुपर जायंट्स है। दिल्ली, गुजरात और लखनऊ ने 4-4 मैच खेले हैं। 2-2 मैच उनमें से जीते हैं। दो-दो अंक इन टीमों के हैं।वहीं, 8वें स्थान पर अब चेन्नई सुपर किंग्स पहुंच गई है, जिसे केकेआर के खिलाफ मिली जीत का लाभ हुआ है। वहीं मुंबई इंडियंस 9 वें स्थान पर खिसक गई है। मुंबई ने चार में से एक मैच जीता है, जबकि सीएस्के ने पांच में से दो मैच जीते हैं। वहीं अंतिम पर केकेआर है, जो पांच में से चार मैच हारी है।

अंक तालिक

क्रमांक टीम मैच जीत हार बेनतीजा नेट रन रेट अंक 1 राजस्थान रॉयल्स 5 4 1 0 0.889 8 2 पंजाब किंग्स 4 3 0 1 0.720 7 3 रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 4 3 1 0 1.148 6 4 सनराइजर्स हैदराबाद 5 2 3 0 0.576 4 5 दिल्ली कैपिटल्स 4 2 2 0 0.322 4 6 गुजरात टाइटन्स 4 2 2 0 -0.029 4 7 लखनऊ सुपर जायंट्स 4 2 2 0 -0.427 4 8 चेन्नई सुपर किंग्स 5 2 3 0 -0.846 4 9 मुंबई इंडियंस 4 1 3 0 -0.772 2 10 कोलकाता नाइट राइडर्स 5 0 4 1 -1.383 1

आईपीएल में ऑरेंज कैप की रैस में शीर्ष पांच में पहुंचे सैमसन, पर्पल कैप के करीब पहुंचे कंबोज

मुम्बई,एजेंसी ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएस्के) और कोलकाता नाइट रा-इडर्स (केकेआर) के बीच हुए मैच के बाद ऑरेंज कैप की रैस में सीएसके के संजू सैमसन शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। अब सैमसन कैप की दौड़ आरसीबी के विराट कोहली से आगे निकले गए हैं। सैमसन अब आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में पांचवें नंबर पर पहुंच गये हैं। सैमसन ने केकेआर के खिलाफ 32 गेंदों में 48 रनों की पारी खेली, जिसमें चार चौके और तीन छक्के हैं। उन्होंने अभी तक सत्र के पांच मैचों में 46.25 के औसत से 185 रन बनाये हैं। वहीं विराट आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। उनके

नाम चार मैचों में 179 हैं। के-केआर के अंकृष रघुवंशी पांच मैचों में 182 रन के साथ ही सातवें नंबर पर हैं। वहीं सीएसके के आयुष म्हात्रे 11वें पायदान पर हैं। उन्होंने पांच मैचों में 171 रन बनाये हैं। ऑरेंज कैप पर अभी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के हेनरिक क्लासन का कब्जा बना हुआ है। क्लासन ने पांच मैचों में 44.80 के औसत से 224 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन 213 रन बनाकर दूसरे जबकि राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 200 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल 2026 ऑरेंज कैप सूची-



खिलाड़ी मैच रन टीम हेनरिक क्लासेन 5 224 सनराइजर्स

हैदराबाद ईशान किसन 5 213 सनराइजर्स हैदराबाद वैभव

रोहित के नेट सत्र में नहीं उतरने से उनकी फिटनेस को लेकर प्रशसकों की चिन्ताएं बढ़ीं

मुम्बई ,एजेंसी

मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हुए पिछले मुकाबले के दौरान हैमरिट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर चले गये थे। इसके बाद से ही उनकी फिटनेस को लेकर प्रशंसकों के साथ ही टीम मैनेजमेंट की भी चिंताएं बढ़ गई थीं। वहीं गत दिवस वह नेट अभ्यास के लिए नहीं उतरे जिससे पंजाब किंग्स के खिलाफ 16 अप्रैल को होने वाले मैच में उनके खेलने पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इस मामले पर एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित की चोट गंभीर नहीं है और वह ज्यादा समय तक टीम से बाहर नहीं रहेंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनकी



हैमरिट्रिंग के स्कैन में जिसमें किसी भी प्रकार के टियर (मांसपेशी फटने) के संकेत नहीं मिले, जो

प्रशकों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय था। वहीं अगर रोहित बाहर होते हैं तो ये मुंबई इंडियंस के

लिए परेशानी का कारण हो सकता है। इस सत्र में उन्होंने शीर्ष क्रम में रयान रिकेल्टन के साथ एक अच्छी साझेदारी बनायी है और अगर ये जोड़ी टूटती है तो टीम को नुकसान हो सकता है। हालांकि टीम के पास क्विंटन डीकोक जैसे अनुभवी बल्लेबाज विकल्प के तौर पर हैं पर उन्हें शामिल करने से विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में बदलाव करना पड़ेगा। इसके अलावा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों की खराब फॉर्म भी मुंबई के लिए एक बड़ी चिंता रही है, क्योंकि टीम जितनी मजबूत नजर आ रही है। मैदान पर उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। ऐसे मे प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि रोहित की चोट गंभीर न हो।

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैचों में हुआ बदलाव

मुम्बई ,एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। गुजरात और सीएसके के बीच 26 अप्रैल को अहमदाबाद में होने वाला मैच अब इसी तारीख को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। वहीं सीएसकेके और गुजरात के बीच होने वाला दूसरा मैच जो 21 मई, 2026 की शाम को चेन्नई में खेला जाना है। उसे इसी दिन अहमदाबाद के नरेंद्र



मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच शाम 7:30 बजे से शुरू

होगा। दोनों ही मैचों के कार्यक्रम में केवल स्थलों में बदलाव किय

गया है। तारीख वहीं रखी गयी है। इस बदलाव का कारण अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। आईपीएल में अब तक इन दोनों ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दोनों ही टीमों की शुरुआत बहुत ही खराब हुई है। सीएसके को लगातार तीन मैचों में मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली सफलता मिली. सीएसके के इस सीजन में चार मैचों में सिर्फ 2 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस भी खराब दौर से गुजर रही है। अपने डेब्यू सत्र में ही विजेतार रही गुजरात इस बार चार मैचों में सिर्फ 2 में जीत सकी है।

रियान पराग पर भड़के श्रीकांत बेंगलुरु ,एजेंसी।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज कृष्णमाचारी श्रीकांत ने राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग के तरीके की आलोचना की है। श्रीकांत ने सनरा-इजर्स हैदराबाद के खिलाफ टीम को मिली हार के लिए रियान की रणनीति को जिम्मेदार बताया है। इस मैच में रॉयल्स के बल्लेबाज और गेंदबाज विफल रहे थे। मैच में रियान के फैसलों के साथ ही उनकी कमजोर बल्लेबाजी पर भी श्रीकांत ने सवाल उठाये हैं। उनका कहना है कि बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय कप्तान के लिए रन बनाना और भी जरूरी होता है तभी अन्य खिलाड़ी भी प्रेरित होते हैं। पराग इस सत्र में अबत एक बार भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं और उनका अधिकतक स्कोर 20 रन ही रहा है। श्रीकांत ने पराग पर जमकर निशाना साधा और कहा कि उन्हें टीम में बांटें करने के लिए नहीं रखा गया है। हमेशा की तरह उन्होंने इस मैच में भी रन नहीं बनाये पर बाद में बड़ी-बड़ी बातें की। उसने रविन्द्र जडेजा जैसे । अनुभवी स्पिनर को भी ओवर नहीं दिया और तर्क दिया कि उनके सामने बाएं हाथ का बल्लेबाज था। मुझे समझ नहीं आता कि बाएं हाथ के बल्लेबाज को बाएं हाथ का कोई गेंदबाज क्यों गेंदबाजी नहीं कर सकता है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि टीम के गेंदबाजों का उपयोग ठीक से नहीं हुआ। तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा और रवि बिस्नोई ने काफी रन दे दिये। ये तीनों ही प्रधावित नहीं कर पाये। ऐसे में अब अगले मैच के लिए टीम को गेंदबाजी संयोजन पर भी दोबारा विचार करना होगा।



आईपीएल डेब्यू मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले 11 वे गेंदबाज हैं गुरजपनीत

चेन्नई ,एजेंसी।

आईपीएल के इस 19 वें सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने अपने डेब्यू पहले ही मैच में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। गुरजपनीत दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल को आउट करने के साथ ही पहले ही मैच की पहली ही गेंद पर विकेट लेने वाले आईपीएल इतिहास के 11 वें गेंदबाज बन गये हैं। गुरजपनीत से पहले 10 गेंदबाज इस विशिष्ट क्लब का हिस्सा थे। आईपीएल में सबसे पहले ये कारनामा ईशांत शर्मा ने किया था। ईशांत ने साल 2008 में कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच खेले गये पहले ही मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया था। तब ईशांत ने बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्लीन बोलड किया था। ईशांत का यह मैच में एकमात्र विकेट था। उन्होंने इस मैच में तीन ओवर में



केवल 7 रन दिए थे। साल 2008 में खेले गए आईपीएल के पहले सीजन में केकेआर ने ईशांत को 3.81 करोड़ रुपये में खरीदा था।

वहीं वर्तमान आईपीएल सत्र में ईशांत गुजरात टाइटंस में शामिल हैं पर उन्हें अंतिम ग-11 में जगह नहीं मिली है। उन्हें पिछले सत्र की

कृष्णा ने चार मुकाबलों में 10 विकेट लिए हैं। केकेआर के तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा पांच मैचों में 6 विकेट लेकर इस सूची में बने हुए हैं।

आईपीएल 2026 पर्पल कैप सूची- खिलाड़ी मैच विकेट टीम प्रसिद्ध कृष्णा 4 10 गुजरात टाइटंस अंशुल कम्बोज 5 10 चेन्नई सुपर किंग्स रवि बिश्नोई 5 9 राजस्थान रॉयल्स जोफ्रा आचर 5 7 राजस्थान रॉयल्स प्रिंस यादव 4 6 लखनऊ

सुपर जायंट्स जैकब डफ्री 3 6 रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु वैभव अरोड़ा 5 6 कोलकात नाइट रा-इडर्स राशिद खान 4 5 गुजरात टाइटंस लुंगी एनगिडी 4 5 दिल्ली कैपिटल्स हर्ष दुवे 5 5 सनरा-इजर्स हैदराबाद

धोनी का इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उपयोग करे सीएसके : मैक्लेनेघन



नई दिल्ली ,एजेंसी।

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर मिशेल मैक्लेनेघन ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी का फिट होना चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) टीम के लिए राहत की बात है पर उनका उपयोग सावधानी से करना होगा। मैक्लेनेघन ने कहा है कि धोनी को इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर टीम में शामिल किया जाना चाहिये। जिससे उन्हें अधिक दौड़-भाग न करनी पड़े। धोनी ने नेट्स में बल्लेबाजी शुरू कर दी है। उन्होंने हालांकि थ्रोडाउन गेंदों का ही सामना किया। वह अभी पूरी रफ्तार से बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं। मैक्लेनेघन ने कहा, अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर टीम में उतारना चाहिये। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें धोनी से तेजी से कुछ रन चाहिए, खासकर जब वे लक्ष्य का पीछा कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट के तौर पर लाने से वे उनकी बल्लेबाजी क्षमता का सबसे बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें ज्यादा दौड़-भाग करने की जरूरत नहीं रहेगी। धोनी सीएसके के लिए इस सत्र में अबतक नहीं उतरे पाये हैं। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर वह कुछ ही ओवरों में मैच बदल सकते हैं।

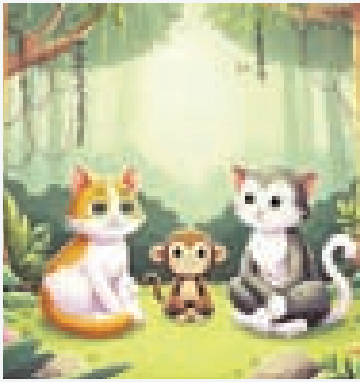
फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस त्वीरोज को बनाया मुख्य कोच

अकरा (घाना),एजेंसी ।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस त्वीरोज को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय त्वीरोज लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे।

नीलामी में खरीदने के बाद गुजरात ने रिटेन किया था। ईशांत शर्मा को आईपीएल में 100 से ज्यादा मैचों का अनुभव है। उनके नाम 117 मैचों में 96 विकेट हैं। ईशांत ने सात अलग-अलग टीमों से आईपीएल खेले हैं। आईपीएल डेब्यू में पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में ईशांत के अलावा विल्किन मोटा और एस विद्युत व रवि तेजा ने भी साल 2008 में पहली ही गेंद पर विकेट लिए थे। वहीं साल 2009 में शेन हारबुड, अमित सिंह, चार्ल लैंगवेल्ट, केविन पीटरसन ने ये रिकार्ड बनाया था। साल 2010 में केवल अली मुर्तजा ने ही पहली गेंद पर विकेट लिया था। साल 2012 में टीपी सुर्धीद, 2013 में एडम गिलक्रिस्ट व हनुम बिहारी, 2019 में अलजारी जोसेफ जबकि 2022 में डेवाल्ट ब्रिविस, 2022 में मथीसा पथिराना व 2025 में अश्विनी कुमार ने पहले ही मैच में विकेट लिए थे।

कहानी



बंदर और दो बिल्लियां

एक बार दो बिल्लियों को एक रोटी मिली और वो दोनों बिल्लियां उस रोटी के लिए निरंतर लड़ रही थीं। पहली बिल्ली ने कहा वह रोटी उसकी है तो छोटी बिल्ली भी कैसे पीछे हटती उसने भी कहा कि वह रोटी उसकी है। वहाँ पास में एक पेड़ पर काफी देर से बैठा बंदर सब कुछ देख रहा था और इसलिए उसने सोचा कि क्यों न वह इन दोनों बिल्लियों की मदद करे? वह बिल्लियों के पास गया और बोला कि वह रोटी को बराबर दो हिस्सों में करता है ताकि तुम दोनों को बराबर रोटी मिले। दोनों बिल्लियां इस बात पर राजी हो गईं पर जब बंदर ने रोटी के दो हिस्से किए तो एक टुकड़ा बड़ा और एक टुकड़ा छोटा हो गया। इसलिए उसने बड़ेवाले टुकड़े से थोड़ी सी रोटी तोड़ कर खा ली और इस बार रोटी का दूसरा हिस्सा बड़ा हो गया। यह कुछ देर तक चलता रहा और बंदर रोटी के दोनों टुकड़ों को बराबर करने के लिए लगातार उससे एक-एक बाईट खाता रहा। अंत में उसने पूरी रोटी खा ली। अब क्या था दोनों बिल्लियों को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने बंदर से पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया तो चालाक बंदर ने कहा कि यदि तुम दोनों खुद ही इस समस्या को सुलझाती तो ऐसा नहीं होता। पर तुम ऐसा नहीं कर सकी और तुम्हारे पास जो भी था वह भी तुमने खो दिया। बंदर खुशी-खुशी अपने घर चला गया और दोनों बिल्लियां भूखी रह गईं।

कहानियां अक्सर हमें हमारे बचपन में ले जाती हैं। किसी के लिए स्टोरीटेलिंग एक कला है तो किसी के लिए यह एक परंपरा है। बहुत पहले से लोग अपने बच्चों को कहानियां सुनाते रहे हैं और बच्चे उतने ही इंट्रेस्ट से कहानियों को सुनते भी आए हैं। ऊपर दी हुई कहानियां काफी लोकप्रिय हैं और आपका बच्चा भी इन कहानियों को बहुत पसंद करेगा इसलिए आप उसे यह कहानियां जरूर सुनाएं। कहानियों से बच्चों की कल्पनाएं व क्रिएटिविटी बढ़ती है और साथ ही बच्चे की वोकैब्युलरी में भी सुधार आता है। बच्चों के लिए ज्यादातर कहानियों में मॉरल भी होता है। इससे आपके बच्चे को वैल्यूज सीखने को मिलती हैं और उसमें सही-गलत पहचानने की समझ आती है। कहानियों में ढेर सारा मनोरंजन भी होता है।

क्या शिव और शंकर एक हैं,

कौन थे महादेव के पहले शिष्य, कैसे हुई देवाधि देव की उत्पत्ति
भगवान शिव को सनातन संस्कृति देवों के देव महादेव कहा जाता है। इसके अलावा हिंदू धर्म को मानने वाले उन्हें भगवान शंकर भी कहते हैं। उनके महेश, रुद्र, गंगाधर, भोलेनाथ, गिरीश जैसे कई नाम हैं। तंत्र साधना करने वाले भगवान शंकर को भैरव भी कहते हैं। भगवान शंकर को सौम्य और रौद्र दोनों रूपों में पूजा जाता है। भगवान शिव को त्रिदेवों में संहार का देवता माना जाता है। वैसे तो भगवान शिव को हमेशा कल्याणकारी माना जाता है, लेकिन वे लय और प्रलय दोनों को अपने अधीन रखते हैं।

भगवान शिव सुर और असुर दोनों को समान दृष्टि से देखते हैं। इसलिए कथा-कहानियों में कई राक्षसों के उनकी कठिन तपस्या करने की जानकारी मिलती हैं। भगवान शिव के कई अनन्य भक्तों में एक लंकाधिपति रावण भी हुए। कई राक्षसों ने उन्हें अपने तप से प्रसन्न कर मनचाहा वरदान पाया। सवाल ये उठता है कि भगवान शिव के भक्तों की कई कहानियां सुनी-सुनाई जाती हैं, लेकिन उनके पहले शिष्य की जानकारी बहुत कम उपलब्ध होती है। जानते हैं कि भगवान शंकर के पहले भक्त कौन थे

भगवान शिव के पहले शिष्यों की जानकारी पुराणों में मिलती है। पुराणों के मुताबिक, भगवान शिव के सबसे पहले शिष्यों में सप्तऋषियों की गिनती होती है। मान्यता है कि सप्तऋषियों ने भगवान शिव के ज्ञान का प्रचार धरती पर किया था। इसी की वजह से विभिन्न धर्म और संस्कृतियों की उत्पत्ति हुई। ये भी माना जाता है कि भगवान शिव ने ही गुरु शिष्य परंपरा की शुरुआत की थी। शिव के सबसे पहले शिष्यों में बृहस्पति, विशालाक्ष, शुक्र, महर्षि, प्राचेतस मनु, सहस्राक्ष और भारद्वाज शामिल थे।

क्या एक हैं भगवान शिव और शंकर

ज्यादातर सनातन परंपरा के अनुयायी शिव और शंकर को एक ही मानते हैं। हालांकि, शिव पुराण में जिक्र किया गया है कि सबसे पहले एक प्रकाश पुंज की उत्पत्ति हुई। इस प्रकाश पुंज से ब्रह्मा और विष्णु की उत्पत्ति हुई। जब ब्रह्माजी ने पूछा कि आप कौन हैं तो पुंज से आवाज आई कि मैं शिव हूं। इस पर ब्रह्मा जी ने प्रकाश पुंज से साकार रूप लेने को कहा। फिर उस प्रकाश पुंज से शंकर की उत्पत्ति हुई। इस आधार पर कहा जा सकता है कि शिव और शंकर एक ही शक्ति के अंश हैं, लेकिन दोनों अलग हैं। दोनों फर्क इतना है कि शिव प्रकाश पुंज स्वरूप हैं और अब हम उनकी शिवलिंग के रूप में पूजी करते हैं, जबकि शंकर सशरीर देव स्वरूप हैं।

किसका ध्यान करते हैं भगवान शंकर

कुछ पुराणों में भगवान शंकर को शिव इसलिए कहते हैं, क्योंकि वे निराकार शिव के समान हैं। निराकार शिव को ही शिवलिंग के रूप में पूजा जाता है। ज्यादातर जगहों पर भगवान शंकर को योगी के रूप में दिखाया जाता है। कई जगह देखा जाता है कि भगवान शंकर खुद आंखें बंद किए ध्यान मुद्रा में बैठे हैं। कभी सोचा है कि आखिर देवाधिदेव महादेव किसका ध्यान कर रहे हैं। तो इसको लेकर अलग-अलग कथाएं हैं। रामचरित मानस में भगवान शिव और श्रीराम को एकदूसरे का उपासक बताया गया है। शिवपुराण में खुद भगवान शिव माता पार्वती को बताते हैं कि वह श्रीराम का ध्यान करते हैं। वहीं, कुछ पुराणों में बताया जाता है कि भगवान शंकर शिव का ध्यान करते रहते हैं। कुछ जगहों पर भगवान शंकर को शिवलिंग का ध्यान करते हुए भी चित्रित किया गया है। इससे भी साफ होता है कि शिव और शंकर दो अलग सताएं हैं।

भगवान शिव की उत्पत्ति कैसे हुई

मान्यता है कि भगवान शिव स्वयंभू हैं यानी खुद ही प्रकट हुए हैं, लेकिन पुराणों में उनकी उत्पत्ति का विवरण मिलता है। विष्णु पुराण के अनुसार, जहां भगवान विष्णु ब्रह्माजी की नाभि से उत्पन्न हुए थे। वहीं, भगवान शिव विष्णु जी के माथे के तेज से उत्पन्न हुए। विष्णु पुराण के मुताबिक, माथे के तेज से उत्पन्न होने के कारण ही शिव-शंभू हमेशा योगमुद्रा में रहते हैं। वहीं, भगवान शिव से एक और मान्यता जुड़ी है कि नंदी और महाकाल भगवान शंकर के द्वारपाल हैं और रुद्रदेवता शंकर की पंचायत के सदस्य हैं।

शिवजी की कितनी पत्नियां हुईं

ज्यादातर जगहों पर भगवान शिव की दो पत्नियों का ही उल्लेख मिलता है। इनमें पहली देवी सती और दूसरी माता पार्वती। वहीं, अगर हिंदू पौराणिक कथाओं की मानें तो महादेव ने एक दो नहीं बल्कि चार विवाह किए थे। उनके सभी विवाह आदिशक्ति से ही हुए थे। भगवान शिव का पहला विवाह माता सती के साथ हुआ। वह प्रजापति दक्ष की बेटी थीं। माता सती के पिता ने जब भगवान शिव का अपमान किया तो उन्होंने यज्ञकुंड में खुद को भस्म कर अपने प्राणों की आहुति दे दी। इसके बाद उन्होंने हिमालय की बेटी पार्वती के रूप में जन्म लिया। माता पार्वती के रूप में आदिशक्ति ने भगवान शिव से दूसरा विवाह किया। धर्मग्रंथों में भगवान शिव की तीसरी पत्नी देवी उमा को बताया जाता है। वहीं, उनकी चौथी पत्नी मां महाकाली को बताया गया है।

भगवान शिव को इन 5 राशियों के लोग होते हैं सबसे प्रिय

ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि भगवान को 5 राशियां सबसे प्रिय होती हैं और भगवान शिव इन राशियों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। शिव पुराण के अनुसार, भगवान शिव स्वभाव से बहुत भोले होते हैं और सच्चे मन से पूजा करने पर बहुत जल्द ही प्रसन्न हो जाते हैं। मान्यताओं के अनुसार मेष और मकर सहित 5 राशियों के लोग भगवान शिव को सबसे प्रिय होते हैं। सावन के महीने में इन राशियों के लोग शिवजी की पूजा से जुड़े कुछ उपाय करें तो भोलेनाथ उनकी हर इच्छा पूरी करते हैं। देखें कौन सी हैं ये 5 राशियां।

मे़ष राशि पर शिवजी की विशेष कृपा

मंगल के स्वामित्व वाली मेष राशि भगवान शिव की 5 प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। भोलेबाबा की कृपा से इनके सभी बिगड़े काम बन जाते हैं और उनके आशीर्वाद से करियर और कारोबार में तरक्की होती है। शिवजी इनके शुभ कार्य में आ रही हर बाधा को दूर करते हैं और इस राशि के लोग खूब नाम कमाते हैं। उपाय के रूप में आपको सावन में रोजाना तांबे के लोटे में गुड़ और लाल चंदन डालकर शिवलिंग का अभिषेक करना चाहिए।

कर्क राशि की हर इच्छा पूरी करेंगे महादेव

कर्क राशि के स्वामी चंद्रमा हैं जिनको भगवान शिव ने अपने मस्तक पर धारण किया हुआ है। इसलिए कर्क भी भगवान शिव की प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। कर्क राशि वालों की भोलेबाबा सदैव रक्षा करते हैं और उन्हें सदैव विपत्ति से बचाते हैं। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत सहनशील होते हैं, इसलिए इनके धैर्यपूर्ण स्वभाव की वजह से भगवान शिव इन्हें बहुत पसंद करते हैं। उपाय के रूप में आपको रोजाना सावन में चांदी के लोटे से शिवलिंग पर दूध चढ़ाना चाहिए।

तुला राशि पर कृपा बरसाते हैं महादेव

शुक्र के स्वामित्व वाली तुला राशि भगवान शिव की प्रिय राशियों में से एक मानी जाती है। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत आध्यात्मिक प्रकृति के माने जाते हैं और यही वजह है कि जो शिवजी इस राशि के लोगों के साथ हमेशा खड़े रहते हैं। शिवजी इनका हर बिगड़ा काम संवार देते हैं और सदैव इनके सिर पर सदैव हाथ रखते हैं। सावन में रोजाना आपको पानी में मिसरी डालकर जलाभिषेक करना चाहिए और ऊं नमः शिवाय मंत्र का जप करना चाहिए।

मकर राशि की हर मुराद सुनते हैं महादेव

मकर राशि के स्वामी शनि महाराज हैं। शनि भगवान शिव को अपना आराध्य मानते हैं और कहते हैं कि उन्होंने शिव जी की कृपा से ही दंडाधिकारी का पद प्राप्त किया था इसलिए शिवजी को मकर राशि भी बहुत प्रिय होती है। इस राशि के लोग स्वभाव से बहुत मेहनती होते हैं यही वजह है कि हर मुश्किल वक्त में भगवान शिव इनकी रक्षा करते हैं। उपाय के रूप में आपको सावन में रोजाना शिवलिंग पर जल में काले तिल डालकर शिवलिंग पर चढ़ाना चाहिए।

कुंभ राशि की सदैव रक्षा करते हैं महादेव

कुंभ राशि वाले भी भगवान शिव को सबसे प्रिय होते हैं। कुंभ राशि के लोग स्वभाव से बहुत सच्चे होते हैं और सदैव दूसरों की भलाई करने में लगे रहते हैं। कहते हैं कुंभ राशि वालों को भगवान शिव अकाल मृत्यु से बचाते हैं और उनको सदैव सुख समृद्धि से भरपूर रखते हैं। भगवान शिव के आशीर्वाद से भगवान शिव अपने जीवन में बड़ा मुकाम हासिल करते हैं। उपाय के रूप में सावन में रोजाना शिवलिंग पर गन्ने का रस चढ़ाएं।



सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है श्रीशैलम

बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है। श्रीशैलम, आंध्र प्रदेश का एक प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थल है, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक मंदिरों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर भगवान शिव और देवी पार्वती के मंदिर के लिए जाना जाता है, जो भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। आइए जानते हैं श्रीशैलम के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. श्रीशैलम मंदिर

श्रीशैलम मंदिर भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह मंदिर शैव और शक्ति भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है। यहाँ का वास्तुकला अद्भुत है और मंदिर के चारों ओर का वातावरण भक्तों को आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करता है।

2. बाणगंगा जलाशय

बाणगंगा जलाशय मंदिर के निकट स्थित है और यहाँ के पानी की पवित्रता को लेकर मान्यता है। श्रद्धालु यहाँ स्नान करके अपने पापों का नाश करते हैं। यहाँ का प्राकृतिक सौंदर्य और शांति पर्यटकों को आकर्षित करता है।

3. श्रीशैलम डैम

श्रीशैलम डैम कृष्णा नदी पर बना एक विशाल बांध है। यह पर्यटकों के लिए एक अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है। यहाँ से नदी और

आसपास के पहाड़ों का दृश्य मनमोहक होता है। पर्यटक यहाँ बोटिंग का आनंद भी ले सकते हैं।

4. राघवेंद्र स्वामी आश्रम

यह आश्रम संत राघवेंद्र स्वामी को समर्पित है और यहाँ भक्तों की एक बड़ी संख्या आती है। आश्रम का शांत वातावरण और साधना का स्थान भक्तों के लिए विशेष है।

5. किला श्रीशैलम

श्रीशैलम का किला ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। यहाँ की दीवारें और मीनारें एक समय की भव्यता को दर्शाती हैं। किले की चोटी से चारों ओर का दृश्य अद्भुत होता है और यहाँ से सूर्यास्त का दृश्य देखने लायक होता है।

6. मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर

यह मंदिर श्रीशैलम के निकट स्थित है और यहाँ की भव्यता और आस्था भक्तों को आकर्षित करती है। यह मंदिर भी भगवान शिव को समर्पित है और यहाँ विशेष उत्सव और मेले आयोजित होते हैं। श्रीशैलम तक पहुँचने के लिए सड़क और रेल दोनों सुविधाएँ उपलब्ध हैं। निकटतम रेलवे स्टेशन मल्लिकार्जुनपुरम है, जबकि सबसे नजदीकी एयरपोर्ट हैदराबाद में है। यहाँ का मौसम पूरे साल यात्रा के

लिए उपयुक्त होता है, लेकिन सर्दियों में यहाँ आना विशेष रूप से सुखद होता है। सबसे अच्छे वेश्‍टेशन पैकेज

देखा जाये तो श्रीशैलम एक ऐसा स्थान है जहाँ आप धार्मिकता, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव कर सकते हैं। यहाँ की यात्रा आपको न केवल आध्यात्मिक बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक अनुभव भी प्रदान करेगी। यदि आप आंध्र प्रदेश में यात्रा की योजना बना रहे हैं, तो श्रीशैलम आपके लिए एक अनूठा गंतव्य है। यहाँ की यात्रा निश्चित रूप से आपके मन में अमिट यादें छोड़ जाएगी।



हिंदू धार्मिक ग्रंथों की मान्यताओं के अनुसार, धरती पर बढ़ते पापों को खत्म करने के लिए भगवान खुद संसार में अवतार के रूप में प्रकट होते हैं। अब तक भगवान विष्णु के इन अवतारों को जाना जाता है।।।

गीता में चोथे अध्याय के एक श्लोक में भगवान कृष्ण ने कहा है :

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।

अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥

इसका मतलब है, हे भारत, जब-जब धर्म की हानि होने लगती है और अधर्म बढ़ने लगता है, तब-तब मैं स्वयं की रचना करता हूँ, अर्थात् जन्म लेता हूँ। मानव की रक्षा, दुष्टों के विनाश और धर्म की पुन:स्थापना के लिए मैं अलग-अलग युगों (कालों) में अवतरित होता हूँ।

तो आइए जाने श्रीहरि के दशावतारों के बारे में :

जब धरती पर बड़े पाप तब भगवान ने लिए ये अवतार

1।मत्स्य अवतार :
मत्स्य अवतार भगवान विष्णु का पहला अवतार है। इस अवतार में विष्णु जी मछली बनकर प्रकट हुए थे। मान्यता के अनुसार एक राक्षस ने जब वेदों को चुरा कर समुद्र की गहराई में छुपा दिया था, तब भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार में आकर वेदों को पाया और उन्हें फिर स्थापित किया।
2।वराह अवतार :
वराह अवतार हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से तीसरा अवतार है। इस अवतार में भगवान ने सुअर का रूप धारण करके हिरण्यव्क्ष राक्षस का वध किया था।
3।कच्छप अवतार :
कूर्म अवतार को कच्छप अवतार भी कहते हैं। इसमें भगवान विष्णु कछुआ बनकर प्रकट हुए थे। कच्छप अवतार में श्री हरि ने क्षीरसागर के समुद्रमंथन में मंदर पर्वत को अपने कवच पर रखकर संभाला था। मंथन में भगवान विष्णु, मंदर पर्वत और वासुकि सर्प की मदद से देवताओं और राक्षसों ने चौदह रत्न पाए थे।

4।नृसिंह भगवान :
ग्रंथों के अनुसार भगवान विष्णु के दस अवतारों में से चौथा अवतार नृसिंह हैं। इस अवतार में लक्ष्मीपति नर-सिंह मतलब आधे शेर और आधे मनुष्य बनकर प्रकट हुए थे। इसमें भगवान का चेहरा शेर का था और शरीर इंसान का था। नृसिंह अवतार में उन्होंने अपने भक्त

प्रहलाद की रक्षा के लिए उसके पिता राक्षस हिरणाकश्यप को मारा था।

5।वामन अवतार :
भगवान विष्णु पांचवां अवतार हैं वामन। इसमें भगवान ब्राम्हण बालक के रूप में धरती पर आए थे और प्रहलाद के पैत्र राजा बलि से दान में तीन पद धरती मांगी थी।तीन कदम में वामन ने अपने पैर से तीनों लोक नाप कर राजा बलि का घमंड तोड़ा था।

6।परशुराम :
विष्णु के अवतार परशुराम राजा प्रसेनजित की बेटी रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र थे। दशावतारों में से वह छठावें अवतार थे। जमदग्नि के पुत्र होने की वजह से इन्हें जामदग्न्य भी कहते हैं। वह शिव के परम भक्त थे। भगवान शंकर ने इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर परशु शस्त्र दिया था। इनका नाम राम था और परशु लेने के कारण वह परशुराम कहलाते थे। कहा जाता है इन्होंने क्षत्रियों का कई बार विनाश किया था। क्षत्रियों के अहंकारी विध्वंश से संसार को बचाने के लिए इनका जन्म हुआ था।

7।श्रीराम :
विष्णु के दस अवतारों में से एक मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम हैं। महर्षि वाल्मिकि ने राम की कथा संस्कृत महाकाव्य रामायण में लिखी थी।तुलसीदास ने भक्ति काव्य श्री रामचरितमानस की रचना की थी।राम, अयोध्या के राजा दशरथ और उनकी पहली रानी

कौशल्या के पुत्र थे।

8।श्री कृष्ण :
यशोदा नंदन श्री कृष्ण भी विष्णु के अवतार थे। भागवत ग्रंथ में भगवान कृष्ण की लीलाओं की कहानियां हैं।इनके गोपाल, गोविंद, देवकी नंदन, वासुदेव, मोहन, माखन चोर, मुरारी जैसे अनेकों नाम हैं। यह मथुरा में देवकी और वसुदेव के पुत्र के रूप में प्रकट हुए थे। श्री कृष्ण की महाभारत के युद्ध में बहुत बड़ी भूमिका थी। वह इस युद्ध में अर्जुन के सारथी थे। उनकी बहन सुभद्रा अर्जुन की पत्नी थीं। उन्होंने युद्ध से पहले अर्जुन को गीता उपदेश दिया था।

9।भगवान बुद्ध :
भगवान विष्णु के दशावतारों में से एक बुद्ध भी हैं। इनको गौतम बुद्ध, महात्मा बुद्ध भी कहा जाता है। वह बौद्ध धर्म के संस्थापक माने जाते हैं। बौद्ध धर्म संसार के चार बड़े धर्मों में से एक है। इनका जन्म क्षत्रिय कुल के शाक्य नरेश शुद्धोधन के पुत्र के रूप में हुआ था। इनका नाम सिद्धार्थ रखा गया था। गौतम बुद्ध अपनी शादी के बाद बच्चे राहुल और पत्नी यशोधरा को छोड़कर संसार को मोह-माया और दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग पर निकल गए थे।

10।कल्कि अवतार :
कल्कि अवतार भगवान विष्णु का आखरी अवतार माना जाता है। कल्कि पुराण के अनुसार श्री हरि का कल्कि अवतार कलियुग के अंत में होगा। उसके बाद धरती से सभी पापों और बुरे कर्मों का विनाश होगा।

बैंक की नौकरी से बिहार के डिप्टी सीएम तक का सफर

नीतीश के साथे से सत्ता के शिखर तक ऐसे बने विजय चौधरी पावरफुल नेता

नवप्रदेश/पटना। बिहार की सियासत में जब भी सादगी, संयम और मजबूत प्रशासनिक पकड़ की बात होती है, तो एक नाम पूरे एहतराम के साथ लिया जाता है विजय कुमार चौधरी। समस्तीपुर की घरती से उठकर आज वे उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं, जो उनके लंबे और धैर्यपूर्ण राजनीतिक सफर का सबसे अहम मुकाम है। करीब दो दशकों से ज्यादा समय तक नीतीश कुमार के भरोसेमंद साथी और ह्दसियासी

साथेह के तौर पर काम करने वाले विजय चौधरी ने अपनी काबिलियत से यह मुकाम हासिल किया है। उनका राजनीतिक सफर न केवल संघर्ष की कहानी है, बल्कि धैर्य और निरंतरता का एक बेहतरीन उदाहरण भी है। हालांकि, 1995 और 2000 के चुनावों में हार ने उनके सियासी सफर को झटका जरूर दिया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। 2005 में उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) का दामन थामा और नीतीश कुमार के साथ नई राजनीतिक पारी शुरू की। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।विजय चौधरी ने जदयू में महासचिव और प्रदेश अध्‍यक्ष जैसे अहम पदों की जिम्मेदारी निभाई। वे



2010 से सरायरंजन विधानसभा क्षेत्र से लगातार जीतेआ रहे हैं और 2025 के चुनाव में भी उन्होंने करीब 20 हजार से ज्यादा वोटों के

अंतर से जीत दर्ज कर अपनी लोकप्रियता साबित की। 8 जनवरी 1957 को एक राजनीतिक परिवार में जन्मे विजय

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर सूर्यपुरा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, सूर्यपुरा। प्रखंड में कई जगहों पर सूबू में भाजपा पार्टी का पहली बार मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बनने पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अबीर गुलाल लगा एक दूसरे को मिठाई खिला कर जश्न मनाया.



बुधवार को पटना के लोकभवन में सूबे के नए मुख्यमंत्री के पद पर सम्राट चौधरी को शपथ लेने के साथ ही पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रखंड में कई जगहों पर जमकर जश्न मनाया.अजय शौडिक और विकास कुशवाहा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और अबीर-गुलाल लगाकर खुशी का

दावथ एवं सूर्यपुरा प्रखंड क्षेत्र में देर शाम तक जश्न का माहौल चलता रहा.जहां लोग एक-दूसरे को बधाई देते रहे. इस अवसर पर सुदामा पांडे,युवा मोर्चा अध्यक्ष अभिषेक सिंह, मनोज वर्मा, ललित गिरी,रितु कुशवाहा, राजेश पासवान , सुनील गुप्ता,जितेंद्र सिंह, राजन सिंह, सत्यम कुमार, सुरेश वर्मा, उमा साह,सुरेंद्र यादव, राहुल पांडे, मंटू पांडे,अयोध्या सिंह, शिवनंदन सिंह, अमरजीत कुमार, सन्नन कुमार, बाला जी पांडेय, गुरुत सिंह और सतेंद्र कुमार, सहित पार्टी एवं एनडीए के दर्जनों कार्यकर्ता शामिल थे.

3 लाख दहेज में नहीं देने पर बहू की गला घोट कर हत्या में हुए तीन गिरफ्तार

नवप्रदेश/मझौलिया थाना क्षेत्र के चेलाभार चैता वार्ड नंबर 4 में करिश्मा देवी,उम्र 28 वर्ष को ससुराल वाले ने दहेज में तीन लाख रुपया नहीं देने के एवज में गला घोटकर हत्या कर दी है। मझौलिया थाना अध्यक्ष अमर को मारने संवाददाता को बताया कि करिश्मा देवी को शौक को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया,वहीं उसके पति राधेयाम पांडे, ससुर उमाकांत पांडे,सास यशोदा देवी को हिरासत में ले लिया गया,जीएफसीएच में शव का पोस्टमार्टम करने पहुंचने पिता,मझौलिया के सतभीड़वा वार्ड 14 निवासी पिता,मकचुंडू पांडे,माता शोभा देवी ने संवाददाता को बताया कि करिश्मा की शादी 10 वर्ष पूर्व राधेश्याम पांडे से हुई थी,दहेज में क्षमता के अनुसार खर्च किया गया था।परिजनों की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। मृतिका की मां ने संवाददाता को बताया किअपनी बेटी की ससुराल मिलने गई थी,तो



उसके ससुर,सास ने मिलने नहीं दिया,कहां कि दूसरे के घर में जाकर मिलिए, बेटी बगल के घर में जाकर मिली तो उसने बताया कि हमको खाना नहीं मिल रहा मारपीट कर जान से करने के धमकी भी मिल रहा मैं। ससुराल वाली हमको मार देगे,आप हमको अपने घर ले चलिए, मगर ससुराल वाले जाने नहीं दिए,उनकी मनशा दूसरी थी। दूसरे दिन जब बेटी के ससुराल के लोगों ने सूचना दी कि आपकी बेटी को एक कार में रखकर ले जा रहे हैं, मायके पक्ष वाले ने पुलिस को सूचना दी पुलिस मौके पर कार्रवाई करते हुए कार को पकड़ा,जिसमें करिश्मा देवी का शव रखा हुआ था। इस घटना से तीन बच्चों के सर पर घात का साया उठ गया। इस तरह की घटना नित्य दिन सुनने और देखने को मिल रही है,मगर पुलिस प्रशासन घटना के बाद घटनास्थल पर पहुंचती है।

नोट डबलिंग के मामले में सास,तामाद हुए गिरफ्तार

नवप्रदेश/ बेतिया। ठगी करने का मामला ग्रामीण क्षेत्रों में थमने का नाम नहीं ले रहा है,ठगी करने का भी बहुत सारे आयाम निकल गए हैं,औनलाइन,ऑफलाइन टंग इन दिनों सक्रिय हो गए हैं, ग्रामीण क्षेत्र के महिलाओं को टंगने का सिलसिला चल गया है। इसी मामले में संवाददाता को पता चला है कि गिरहूआ थाना क्षेत्र के खिलाडी गांव में लोड डबिंग के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने वाली महिला और उसके दमाद को ग्रामीणों ने पड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। मैनाटाड थाना क्षेत्र के बसंत गांव निवासी,ओजेरआलम की पत्नी,बेबीखानुआपने दमाद मोहम्मद राजाबाबू के साथ गांव आई हुई थी जिसे पुलिस ने नोट डबलिंग केआरोप में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार राजा बाबू उत्तर प्रदेश के लखनऊ का रहने वाला बताया गया है दोनों ने मिलकर खिलाडी गांव के करीब एक दर्जन महिलाओं से नोट डबिंग के नाम पर सभी को ठगी की है दोनों फिर से अन्य महिलाओं को शिकार बनाने के उद्देश्य से खिलाडी गांव पहुंचे थे इसी दौरान ग्रामीणों को शक हुआ और उन्होंने दोनों को पड़कर इर्लाव पुलिस के हवाले कर दिया की शिकार एक महिला ने है थाने में आवेदन देकर प्राथमिक की दर्ज कराई थी। थानाअध्यक्ष,तत्कालत शर्मा ने संवाददाता को बताया कि भगवां थाना क्षेत्र के नगरव्दी गांव निवासी,विनोद शाह की पत्नी तालबुनी देवी ने संवाददाता को बताया कि 2 वर्ष पूर्व बेबी खातून ने नोट डबलिंग के मामले में ३१२ 2 वर्ष पूर्व 5 लाख रुपया लिया था,रकम दुाना करके लौटाने को कहा था,मगरआज तक पूरा नहीं लौटाया गया,पैसा मामले पर वह जान से मारने की धमकी देने लगी। थाना अध्यक्ष ने बताया के इस मामले में बत्से खातून सहित चार लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। साथी इस घटना को लेकर बेबी खातून उनके दमाद राजाबाबू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया,अन्य आरोपों के लिए छेमारी की जा रही है।

चम्पारण में शोक की लहर: समाजसेवी रूपेश पांडेय की माता सरोज पांडेय का आकस्मिक निधन

नवप्रदेश/बगहा। संवाददाता। चम्पारण क्षेत्र में उस समय शोक की लहर दौड़ गई, जब प्रसिद्ध समाजसेवी रूपेश पांडेय की माता सरोज पांडेय के आकस्मिक निधन का समाचार लोगों तक पहुंचा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सरोज पांडेय ने 13 अप्रैल को 61 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनके निधन से परिवार सहित पूरे क्षेत्र में गहरा दुःख व्याप्त है। स्वर्गीय सरोज पांडेय एक धार्मिक, भिन्नसार एवं सादगीपूर्ण जीवन जीने वाली महिला थीं। वे सामाजिक मामलों में सदैव रुचि रखती थीं और अपने व्यवहार से आसपास के लोगों के बीच सम्मानित स्थान रखती थीं। उनके निधन से न केवल उनके परिवार को अप्रत्यापित क्षति हुई है, बल्कि समाज ने भी एक सज्जन एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व को खो दिया है। समाजसेवी रूपेश पांडेय ने अपनी माता के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए बताया कि उनकी माता परिवार की आधारशिला थीं। उन्होंने हर परिस्थिति में परिवार को संभाला और संस्कारों की मजबूत नींव रखी। उनके मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही वे समाज सेवा के कार्यों में आगे बढ़ सके। इधर, शोक संतप्त परिवार द्वारा जानकारी दी गई है कि दिवंगत आत्मा की शांति हेतु श्राद्ध कार्यक्रम का आयोजन 22 अप्रैल को उनके पैतृक गांव चंडी स्थान में किया जाएगा। इस अवसर पर सभी रिश्तेदारों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में शामिल होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की गई है। सरोज पांडेय के निधन की खबर सुनते ही क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों ने उनके निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उनकी सादगी, सेवा भावना और स्नेहिल स्वभाव को लोग लंबे समय तक याद करते

सहजन के पैंड की तरह हो रही है शाहाबाद की राजनीति - घनश्याम राय

नवप्रदेश/बहार (भोजपुर)। जनसुराज पार्टी के प्रतीय नेता अधिकांत घनश्याम राय ने बिहार विधान परिषद चुनाव में आरा-सह -बसंतर क्षेत्र से महागठबंधन और पण्डित के उम्मीदवारों को बशवाद का प्रतिबिम्ब बताते हुए कराार कहा।किया है । उन्होंने कहा कि दोनों उम्मीदवार महागठबंधन से सनू राय तथा पन्डीए से कन्हैया प्रसाद की पहचान सिर्फ इतनी ही है कि वे पूर्व और वर्तमान पम एल सी के पुत्र हैं जिसे राजनीति के पम्पलसी स्टैंडर्ड का ककहरा तक नहीं आता । जनसुराज नेता घनश्याम राय ने कहा कि ये लोग सहजन के पैंड की तरह है जिसकी टहनियां ही जमीन में लग जाती है और फलने लगती है और मोटाने पर ही अखी लगता है। ठीक उसी तरह ये राजनीति के बच्चे उम्मीदवार अपने पापा के चकूल में अध्ययन की है जो आने वाली पम्पलसी चुनाव की परीक्षा में पापा के सखेयोग से फल –फूल कर पलेवस पर दिखे गें । जनसुराज नेता घनश्याम राय ने कहा कि अब लावार मतदाता को भी इसी राजनीति के सहजन के पैंड की टहनो की सीचकर फिर नये सखजन का पेड खड़ा करना हो गा। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि दोनों गठबंधन के शीर्ष नेताओं को लोकतंत्र की लोकप्रियता से ज्यादा अपनी लोकप्रियता पर घमंड हो गया है जिसका जबब सभ्य आने पर महदाताओं को देना चाहिए ।

किसान आक्रोशित, कोइलवार में तालाबंदी
नवप्रदेश/भोजपुर। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के तहत कोइलवार स्थित गेहूँ क्रय केन्द्र पर किसानों का आक्रोश फूट पड़ा। सेकंड्री किसानों ने देवरिया केंद्र पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को तालाबंदी कर दी। समकाल मूच्य 2585 रुपये प्रति विन्टल तय होने और 48 घंटे में भुगतान के सक्कारी दावे के बावजूद जमीनी स्तर पर खरीद प्रक्रिया रव होने से किसान परेशान हैं। किसानों का आरोप है कि टारगेट पूरा हो गया का हवाला देकर खरीद सीमित कर दी गई है। इससे बड़ी संख्या में किसानों का गेहूँ अब भी खेतों और क्रय केंद्र के बाहर खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है, जहां खराब मौसम की स्थिति में फसल बर्बाद होने का खतरा बना हुआ है। देवरिया गांव के किसान रजय कुमार ने बताया कि शुरूआत में केंद्र पर चुनिंदा किसानों से ही मनमाने तरीके से गेहूँ खरीदा गया। अब जब अधिकांश किसानों की फसल तैयार हो चुकी है और करीब 2000 से 3000 विन्टल गेहूँ स्टॉक में है, तो खरीद से इनकार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अब अधिकांशों द्वारा रेसत और गैर-रेसत का हवाला देकर किसानों को टालमटोल किया जा रहा है, जबकि पहले कई गैर-रेसत किसानों का पंजीकरण कर खरीद की जा चुकी है।

बाल कल्याण समिति एक अर्ध-न्यायिक संस्था है, जिसका मुख्य उद्देश्य संकटग्रस्त बच्चों के संरक्षण, पुनर्वास एवं उनके सर्वात्म हित में निर्णय लेना है। समिति के समक्ष आने वाले हर मामले में बच्चों के अधिकारों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है और सभी निर्णय बेस्ट इंटरैस्ट ऑफ द चाइल्ड के सिद्धांत पर आधारित होते हैं। ददन जी पाण्डेय ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि समिति के पास परित्यक्त बच्चे, बाल श्रम के शिकार, बाल विवाह से जुड़े मामले, यौन शोषण के पीड़ित तथा ऐसे बच्चे जिनके अभिभावक उनकी देखभाल करने में असमर्थ होते हैं, जैसे कई संवेदनशील मामले आते हैं। उन्होंने कहा कि इन मामलों में केवल कानूनी प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं मनोवैज्ञानिक सहायता सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। वहीं, गायत्री कुमारी ने बाल संरक्षण से जुड़ी प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाते हुए

बताया कि संकट की स्थिति में पाए गए बच्चों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है, जहां उनकी सामाजिक जांच रिपोर्ट तैयार कर आगे की कार्रवाई तय की जाती है। उन्होंने चाइल्ड हेल्थलाइन (1098), पुलिस, जिला बाल संरक्षण इकाई एवं अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने स्वयंसेवकों को यह भी बताया कि इस क्षेत्र में कार्य करते समय संवेदनशीलता, गोपनीयता और धैर्य बेहद महत्वपूर्ण गुण हैं। बच्चों के साथ सवाद करते समय उनकी मानसिक स्थिति को समझना और उन्हें सुरक्षित वातावरण देना आवश्यक होता है। इस अवसर पर पैरवी के दिनबंधु टाटस के नेतृत्व में आए विधिक स्वयंसेवकों ने भी अपने प्रश्न रखे, जिसका समाधान समिति के सदस्यों ने व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से किया। इससे स्वयंसेवकों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान मिला, बल्कि

जमीनी स्तर पर कार्य करने की बेहतर समझ भी विकसित हुई। कार्यक्रम में शामिल स्वयंसेवकों ने इस भ्रमण को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अनुभव से न केवल बच्चों को बेहतर तरीके से समझने का अवसर मिला है। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य यही रहा कि विधिक स्वयंसेवक केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहकर वास्तविक परिस्थितियों को समझें और समाज के कमजोर एवं वंचित बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि सभी स्वयंसेवक अपने-अपने क्षेत्रों में बाल संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाएं और जरूरतमंद बच्चों को न्याय दिलाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे।

राजस्व विभाग के 41 अंचलाधिकारी निलंबित

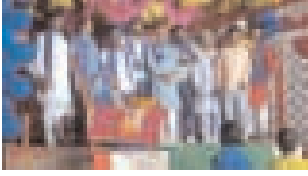
नवप्रदेश/पटना। बिहार में राजस्व कर्मियों की हड़ताल के बीच सरकार ने कट्टर रुख अपनाते हुए प्रशासनिक महकमे में बड़ी कार्रवाई की है. कर्तव्य में लापरवाही और सरकारी अदेयों की अवहेलना के आरोप में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने एक साथ 41 अंचल अधिकारियों को समक्ष पदचक्रियों को निलंबित कर दिया है. रंजित कुमार उपाध्याय, अंचलाधिकारी, मस्यदुमपुर, जहानाबाद; पुष्कल कुमार, अंचलाधिकारी, पहाडपुर, पूर्वी चंपारण; सुश्री रश्मि प्रिया, अंचलाधिकारी, राधोपुर, सुपौल; मधुसुदन चौरसिया, अंचलाधिकारी, नोखा, रोहतास; सुश्री निकिता अग्रवाल, अंचलाधिकारी, नगर, पूर्णिया; अर्चना कुमारी, अंचलाधिकारी, टेंटिया बंबर, मुंगेर; मोहित सिन्हा, अंचलाधिकारी, परवलपुर; नालंदा; नजमुल हसन, अंचलाधिकारी, जेम्शेदपुर, अररिया; सुमन सौरभ, अंचलाधिकारी, हिसुआ, नवादा; विवेक कुमार सिंह,

तीन चोरी का बाइक के साथ चोर गिरफ्तार

नवप्रदेश/मसौदी : मसौदी थाना क्षेत्र के बुधवार को जहानाबाद, मसौदी से तीन बाइक, तीन चोर मसौदी थाना अध्यक्ष विवेक कुमार के नेतृत्व में गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के मुताबिक तीनों चोर को पहचान कर ली गई है। मसौदी के संजय यादव के पुत्र जुटू कुमार लहसुना थाना क्षेत्र के चण्डी निवासी बताया जाता है। जहानाबाद के शांति नगर थाना के गुरू कुमार पिता देव कुमार सिंह निवासी बताया जा रहा है। संतोष कुमार पिता योगेंद्र राय मसौदी थाना क्षेत्र के खराट निवासी बताया जा रहा है। तीनों चोरी का तीन मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया है। तीनों चोर पर मसौदी थाने में चोरी का प्राथमिक की दर्ज किया गया है। कांड संख्या 267/26 /14/04/26 वारा 303/(2)/317/4)BNS दर्ज कर जेल भेज दिया है। मसौदी थानाअध्यक्ष विवेक भारती ने बताया कि लगातार मसौदी क्षेत्र में चोरी के मामले में छापमारी जारी है। और गिरह का जल्द से जल्द पताकशी किया गया जाएगा।

राष्ट्रहित मे अधिकार के साथ कर्तव्य को भी समझना होगा - संतोष भंडारी

नवप्रदेश/बिक्रमगंज। नगर परिषद बिक्रमगंज के वार्ड नंबर 8 में मंगलवार की देर रात संत रविदास एजा समिति घनागाई के तलाबघाट में संविधान निमाता डॉक्टर भीमवार अंबेडकर की जयंती, समारोह पर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि विध्व हिंदु परिवर्ध के अध्यक्ष संतोष भंडारी सहित आगत अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। तत्पश्चात बाबा भीमवार अंबेडकर के तैल चित्र के समक्ष केक काटते हुए लोगों ने एक दूसरे को शुभकामना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने बाबा भीमवार अंबेडकर द्वारा संविधान निर्माण एवं समाज निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों को रखा। उन्होंने बताया कि बाबा साहब ने राष्ट्र उत्थान के प्रति अपने समर्पण भाव को संविधान के रूप में संजोने का काम किया। जिससे संपूर्णता का बोध होता है। परंतु वर्तमान परिवेश में लोग सिर्फ अपने अधिकारों को महत्व देते हुए कर्तव्यों को भूलने लगे हैं। जिसके कारण स्थितियां प्रतिकूल होने लगी है। राष्ट्र के लिए कर्तव्य बोध का होना संतोष भंडारी ने आवश्यक बताया। वही वार्ड नंबर 7 के वार्ड पार्षद सैफ अली, वार्ड नंबर 8 के वार्ड पार्षद प्रतिनिधि राजा कुमार एवं वार्ड नंबर 9 के वार्ड पार्षद अतिथि सुधीर कुमार सहित अन्य वक्ताओं ने भी जयंती समारोह को संबोधित करते हुए बाबा भीमवार अंबेडकर के विचारों को रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुभाष चंद्र दास एवं संचालन रीशम कुमार ने किया। आयोजकों द्वारा अतिथियों को सम्मान एवं अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया। मौके पर वरिष्ठ राम, श्री भगवान राम, अनिल कुमार, राजेश राम, नीरज कुमार, उत्तम कुमार, बबू कुमार, अविनाश कुमार एवं अमरजीत कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।



एक नजर

बेलदौर में भाजपा कार्यकर्ताओं का जश्न, सम्राट चौधरी के शपथ लेते ही गूँजे जिंदाबाद के नारे

नवप्रदेश/बेलदौर। बिहार में नई राजनीतिक शुरूआत के साथ ही बेलदौर प्रखंड में खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। जैसे ही सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, वैसे ही भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच जश्न का माहौल बन गया। खासकर बेलदौर क्षेत्र में कार्यकर्ताओं ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए जोरदार तरीके से अपनी खुशी जाहिर की। बुधवार शाम करीब 6 बजे नगर पंचायत बेलदौर के थाना चौक स्थित हनुमान मंदिर के पास भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में एकत्रित हुए। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर पंचायत की वेयरमेन सह भाजपा जिला उपाध्यक्ष ममता कुमारी और मंडल अध्यक्ष पप्पू शाह ने किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और मिठाइयां बांटकर जश्न मनाया। पूरा इलाका सम्राट चौधरी जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और लोगों ने इसे बिहार के लिए नए दौर की शुरूआत बताया। इस मौके पर मंडल महामंत्री अशोक भगत, रविंद्र चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष राकेश कुमार जायसवाल, राजनंदन यादव, नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ भाजपा नेता रंजन कुमार राज, मुरारी सिंह, हनुमान मंदिर के पुजारी संतोष कुमार, पंचायत उपमुखिया दिलीप कुमार, वरिष्ठ नेता अनिल कुमार सोनी, अजय कुमार सिंह, संतोष कुमार, सुबोध चौधरी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर डेहरी में जश्न, हनुमान मंदिर में चढ़ाया प्रसाद

नवप्रदेश/डेहरी आन सान रोहतास। भारतीय जनता पार्टी द्वारा बिहार के भविष्य को लेकर लिए गए ऐतिहासिक निर्णय के तहत सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री के रूप में चुने जाने पर पूरे प्रदेश में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस निर्णय से बिहारवासियों में नई उम्मीदें जगी हैं और लोग इसे राज्य के विकास के लिए एक सकारात्मक कदम के रूप में देख रहे हैं। इसी क्रम में रोहतास जिले के डेहरी क्षेत्र में भी भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उत्साह के साथ जश्न मनाया। नमो एे बिहार बीजेपी के प्रदेश प्रशिक्षण प्रभारी सुमित सौरभ दुबे के नेतृत्व में स्थानीय हनुमान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई तथा प्रसाद चढ़ाकर भगवान से राज्य के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। सुमित सौरभ दुबे ने कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में बिहार विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सरकार युवाओं, किसानों और आम जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी तथा राज्य को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाएगी। इस अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और मुख्यमंत्री के सफल कार्यकाल के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों की भी अच्छी भागीदारी रही, जिससे माहौल पूरी तरह उत्सवमय बना रहा।



दो दिनों से लापता युवती का अद्य जला शव मिला,फैली सनसनी,मवा कोहराम

नवप्रदेश/ बगहा पुलिस जिला के बाब्लीफिनगर थाना क्षेत्र के सेमराडीह गांव के सरेह में एक 19 वर्षीय युवती का अश्मजला शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई,कोहरमा मवा हुआ है। ग्रामीणों ने संवाददाता को बताया कि इस घटना से पूरे ग्रामीण क्षेत्र को लोग दहशत में हैं। मृतिका की पहचान गांव के उदित महतो की पुत्री,नेहा कुमारी के रूप में की गई है। पिछले दो दिनों से लापता थी पोस्टमार्टम हाउस पर पहुंचे परिजन ने संवाददाता को बताया कि निशा अपनी मां के साथ गांव में आयोजित अष्टमय देखने के लिए गई थी,देर रात दोनों सोच के लिए घर से बाहर निकली थी, इसी दौरान युवती अचानक लापता हो गई। परिजनों ने उसकी खोजबीन की लेकिन कोई सुराही नहीं मिल सका। पुलिस को तत्काल सूचना दी गई,गांव के पास सरेह में अश्मजला शव मिलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई,शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। प्रभारी एसपी,निर्मल कुमारी ने संवाददाता को बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्टआने की बाद ही मौत के इसी कारण का पताकशी किया जा सकेगा पुलिसऑनर किलिंग समेत अन्य बिंदुओं पर भी जांच कर रही है।



मोबाइल बरामद कर यात्री को किया गया सुपुर्द

नवप्रदेश/ सदरिन शोभाभाथ राम साथ आरक्षी सतीश कुमार रात्रि अपराधिक निगरानी एवं रास्त करते हुए अनुग्रह नारायण रोड टिकट घर प्रतीक्षालय पर चालू में लगा एे मोबाइल रेडमी 9 बज्जु क्लर लावारिस हालत में देखा गया। अगल-बगल प्रतिक्षातार यात्रियों से पूछताछ करने पर किसी ने अपना नहीं बताया। बाद उत मोबाइल को यात्रियों को सुचित करते हुए ,सुखीत अनुग्रह नारायण रेलवे सुरक्षा बल कैंप पर लाकर रखा गया। कुछ समय पश्चात एक यात्री नाम पता- संदीप प्रसाद, उम्र- करीब 23 वर्ष, पिता- योगेंद्र प्रसाद ,गांव- कलानी, थाना- रामगढ़, जिला- कैमूर (बिहार) बताया एवं मोबाइल टिकट पर अनुग्रह नारायण में भूल बस चार्ज में लगाकर छुटने की बात बताई जिस उत मोबाइल को दिखाने पर मोबाइल पहचान कर अपना बताया एवं प्रामि की मांग करने लगा तभी सजिन शोभानाथ राम द्वारा सुपुर्द की गता तैयार कर फोटोग्राफी कराया। पता स्थापान उपरांत सही सलामत सुपुर्द किया गया। उक्त यात्री द्वारा उत मोबाइल की कीमत 9500 आंकी गई।

भवन निर्माण में घटिया सामग्री का हो रहा इस्तेमाल

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, सूर्यपुरा। प्रखंड अंतर्गत बलिहार पंचायत के अलीगंज गांव में बन रहे बलिहार पंचायत सरकार भवन के निर्माण कार्य को लेकर गंभीर सवाल उठने लगे हैं. स्थानीय लोगों में अकित कुशवाहा, मनीष कुमार, निवास सहाल, आनंद कुमार ने आरोप लगाया है कि उक्त पंचायत सरकार भवन निर्माण में सरकार द्वारा निर्धारित मानकों का पालन संवेदक द्वारा नहीं किया जा रहा है. सरकार के निदेश के अनुसार भवन निर्माण में मानकों के अनुसार टाइल्स कजरिया, जानसन तथा सेरामिक्स जैसी स्टैंडर्ड क्मिनियों की टाइल्स या मार्बल का उपयोग किया जाना चाहिए. यही इसके विपरीत लोकल और बहुत ही घटिया गुणवत्ता वाले टाइल्स का इस्तेमाल किये जाने की बात लोगों द्वारा बताया गया है. इस संबंध में बिहारका पंचायत के मुखिया रणजीत कुमार सिंह उर्फ पिंटू सिंह ने बताया कि इस तरह की सामग्री का उपयोग भवन की गुणवत्ता और टिकाऊपन पर सीधा असर डाल सकता है. साथ ही, यह सरकारी धन के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा करता है. पंचायत के मुखिया सहित लोगों ने संबंधित विभाग से इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है.

अस्पताल की लापरवाही से नवजात शिशु की मौत! परिजन ने जमकर काटा बवाल ...



नवप्रदेश/भागलपुर। भागलपुर जिले के सन्हौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डिलीवरी के बाद एक नवजात शिशु की अस्पताल में मौत हो गई । घटना के बाद परिजनों ने डॉक्टरों पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। धौरेया थाना क्षेत्र के देवडाढ़ निवासी अवेधेश कुमार ने अपनी 22 साल की पत्नी सोनम कुमारी को अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां नॉर्मल डिलीवरी के बाद एक पुत्र का जन्म हुआ। जन्म के बाद नवजात कमजोर था। हालांकि उसकी घड़कन महसूस हो रही थी। परिजनों का आरोप है कि, अधिक समय लगने और पर्याप्त ध्यान नहीं दिए जाने के कारण नवजात की स्थिति बिगड़ गई। इसके बाद उसकी मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। हंगामे की सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और परिजनों को शांत कराया। मामले पर अस्पताल प्रभारी सदीप कुमार दास से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। प्रसूता की ननद आशा कांयवर्तान नीतू कुमारी ने बताया कि, आज सुबह वे लगभग 5 से 5:30 बजे के बीच मरीज को लेकर अस्पताल पहुंची थीं। चेक-अप कराने पर ड्यूटी पर मौजूद एक दीदी ने बताया कि डिलीवरी की स्थिति ह्रदो फिंगरह्व की है। उन्होंने बताया कि पहले ड्यूटी पर मौजूद दीदी दीदी थीं, लेकिन वे सुबह करीब 8 बजे वली गईं और कहा कि आगे दूसरी दीदी डिलीवरी करायेंगी। नई ड्यूटी पर आई दीदी ने यह कहते हुए डिलीवरी कराने से असमर्थता जताई कि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है। आशा कार्यकर्ता ने आगे कहा कि, जब वे पहले भी उनसे अनुरोध करती थीं, तो वे टाल देती थीं और समय आने पर देखने की बात करती थीं। उन्होंने बताया कि अस्पताल में डॉक्टर बाहर आने कार्यालय में रहते हैं, जबकि अंदर का कार्य एनएमके के अनुभवी डॉक्टर के साथ कोई समस्या नहीं थी, लेकिन नई एनएमके के अनुभवी को लेकर उन्होंने सवाल उठाया।

संक्षिप्त खबरें

पवन खेड़ा को तेलंगाना हाई कोर्ट से मिली

अग्रिम जमानत पर रोक

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को उच्चतम न्यायालय से झटका लगा है। उच्चतम न्यायालय ने पवन खेड़ा को तेलंगाना उच्च न्यायालय से मिली एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी है। असम सरकार ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के इस आदेश के खिलाफ यह कहते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया था कि तेलंगाना उच्च न्यायालय को इस केस की सुनवाई का क्षेत्राधिकार नहीं बनता है। असम सरकार की याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने पवन खेड़ा को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने पवन खेड़ा को तीन हफ्ते में जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि पवन खेड़ा चाहें तो असम की क्षेत्राधिकार वाली कोर्ट में जमानत के लिए रुख कर सकते हैं। तब संबंधित कोर्ट केस की फैसला के आधार पर जमानत पर फैसला ले। उच्चतम न्यायालय के आज का आदेश उसमें बाधा नहीं बनेगा। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने 10 अप्रैल को पवन खेड़ा को सुनवाई पर सुनवाई करते हुए एक हफ्ते की ट्रांजिट रिमांड देने का आदेश दिया था।

पावर प्लांट हादसे

में अब तक 16

मजदूरों की मौत

सक्ती। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी हैं। मंगलवार दोपहर को हुए इस हादसे में चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई थी। पांच घायलों ने रायगढ़ मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ा, जबकि पांच की मौत जिला अस्पताल रायगढ़ में हुई। इसके अलावा दो मजदूरों की मौत कालाड़ा अस्पताल रायपुर में इलाज के दौरान हो गई। हादसे में घायल 18 लोगों का इलाज अभी भी अलग-अलग अस्पतालों में चल रहा है। इनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मृतकों में कई लोग प्लांट के आसपास के गांवों जैसे सिंधोतराई, सक्ती और रायगढ़ जिले के निवासी थे। प्लांट में पॉटिंग और तकनीकी कार्य के लिए आए कई मजदूर पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। कुछ बिहार और झारखंड राज्यों से भी थे, जो तकनीकी कामों में लगे थे।

पशुपति पारस की

तबीयत अचानक

बिगड़ी, भर्ती

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस की तबीयत अचानक खराब हो गई है। उन्हें पटना के कंकड़गढ़ा स्थित साई अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां वे फिलहाल आईसीयू में डॉक्टरों की निगरानी में हैं। पारस की तबीयत खराब होने की खबर मिलते ही केंद्रीय मंत्री चित्रांग पासवान पटना पहुंचे और अस्पताल जाकर अपने चाचा का हाल-चाल जाना। इस दौरान वे काफी भावुक नजर आए। मुलाकात के दौरान चाचा-भतीजे एक-दूसरे से गले मिले और चित्रांग ने उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में चित्रांग पासवान ने पारस को पिता समान बताया।

भारत की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक परंपराएं हमारी ताकत : प्रधानमंत्री

मांड्या (कर्नाटक)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत हजारों वर्षों से चलती आ रही एक जीवंत सभ्यता है, जहां परंपराओं की निरंतरता दुनिया में अद्वितीय है। बहुत कम देशों में इतनी लंबी अवधि तक सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराएं निरंतर बनी रहती हैं। प्रधानमंत्री कर्नाटक के मांड्या जिले में स्थित आदिचुंनगिरि महासंस्थान मठ में श्री गुरु भैरवैय्य मंदिर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा भी मौजूद रहे। दोनों नेताओं ने मिलकर सौंदर्य लहरी और शिव महिम्म स्तोत्रम नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारतीय समाज में समय-समय पर ऐसे महान संत और व्यक्तित्व जन्म लेते रहे हैं, जिन्होंने केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन ही नहीं दिया, बल्कि समाज के बीच रहकर लोगों के दुख-दर्द को समझा और उन्हें कठिनाइयों से बाहर निकलने का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि



यही भारत की परंपरा और ताकत है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर देशवासियों के सामने नौ प्रमुख आग्रह भी रखे। उन्होंने लोगों से जल संरक्षण को अपनाने और पानी के बेहतर प्रबंधन का संकल्प लेने का आह्वान किया। इसके साथ ही एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को केवल सरकारी कार्यक्रम न मानकर जन आंदोलन बनाना होगा। धार्मिक

स्थलों, सार्वजनिक स्थानों, गांवों और शहरों में स्वच्छता बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने वोकल फॉर लोकल को अपनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की बात कही। प्रधानमंत्री ने घरेलू पर्यटन को जोर देते हुए कहा कि देशवासियों को भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करनी चाहिए, ताकि देश की विविधता को समझा जा सके। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती

अमरनाथ यात्रा के लिए

पंजीकरण शुरू, भीड़ उमड़ी



जम्मू। दक्षिण कश्मीर हिमालय में होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण बुधवार से शुरू हो गया है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु जम्मू में स्थापित काउंटेंट पर पहुंच रहे हैं। अग्रिम पंजीकरण ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से उपलब्ध है। 57 दिनों की यह तीर्थयात्रा 3 जुलाई को अंततःनाग के पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गौंदरबल के 14 किलोमीटर लंबे लेकिन खड़ी चढ़ाई वाले बाल्टल मार्ग से शुरू होगी और रक्षा बंधन के दिन 28 अगस्त को समाप्त होगी। पंजाब नेशनल बैंक के जम्मू सर्कल के प्रमुख डीजीएम पंकज कुमार वर्मा ने यहां पत्रकारों को बताया कि अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू हो गया है। तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ है जो अपना पंजीकरण करने आ रहे हैं। पंजीकरण ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया जा रहा है। पंजाब नेशनल बैंक इस यात्रा के लिए नोडल बैंक के रूप में कार्य करता है। भारत भर में 556 बैंक शाखाएं पंजीकरण प्रक्रिया में शामिल हैं जिनमें से पंजाब नेशनल बैंक की 310 शाखाएं भाग ले रही हैं। उन्होंने आगे बताया कि जम्मू में छह काउंटर स्थापित किए गए हैं। जम्मू में जम्मू-कश्मीर बैंक और पीएनबी सहित ऑफलाइन शाखाओं में सुबह 8 बजे से ही

लंबी कतारें लग गईं क्योंकि श्रद्धालु पंजीकरण प्रक्रिया शुरू होने से एक घंटा पहले ही लाइन में लग गए थे। पंजाब के पठानकोट से रेहारी कॉलोनी स्थित पीएनबी शाखा में पंजीकरण कराने आए विनोद कुमार ने बताया कि यह उनकी 11वीं यात्रा है। उन्होंने कहा कि हम पिछले कई वर्षों से हमेशा पहले बैच में गुफा मंदिर में दर्शन करते आए हैं। इस वर्ष भी हमने तीर्थयात्रा के लिए पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालुओं से हमारा संदेश है कि वे आए, दर्शन करें और आशीर्वाद प्राप्त करें। हमारे लिए यह यात्रा वार्षिक कैलेंडर का हिस्सा है। पीएनबी के डीजीएम ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में कानून व्यवस्था में काफी सुधार होने के कारण बैंकों का सहयोग भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि लोगों की संख्या और बढ़ेगी। उन्होंने आगे कहा कि इसी के अनुरूप हम इस बात का आकलन कर रहे हैं कि बैंक पंजीकरण प्रक्रिया को और अधिक सरल और सुगम कैसे बनाया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि ऑफलाइन पंजीकरण देश भर में 556 बैंक शाखाओं में किया जा सकता है जिनमें पंजाब नेशनल बैंक की 310 शाखाएं, जम्मू-कश्मीर बैंक की 90 शाखाएं और एसबीआई की 99 शाखाएं शामिल हैं।

एआई केवल तकनीक नहीं, मानव क्रांति है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल एक तकनीकी क्रांति नहीं बल्कि एक मानव क्रांति है, जिसे अच्छे शासन और समावेशी समाज निर्माण के लिए जिम्मेदारी और दूरदृष्टि के साथ अपनाया जाना चाहिए। उपराष्ट्रपति भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के 72वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सुशासन के लिए एआई विषय पर 5वां डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्षिक स्मृति व्याख्यान भी दिया। उन्होंने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनका जीवन सादगी, ईमानदारी और सार्वजनिक सेवा के मूल्यों का प्रतीक था। उन्होंने कहा कि सच्चा शासन सत्ता नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम होता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया आज एआई के युग में प्रवेश कर चुकी है, जहां मशीनें सीख रही हैं और सिरस्टम सोचने लगे हैं। एआई सरकारों को नागरिकों की जरूरतों को बेहतर समझने और सेवाएं अधिक प्रभावी ढंग से प्रदान



करने की क्षमता दे रहा है। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एआई से शासन अधिक तेज, पारदर्शी और जवाबदेह बन रहा है तथा योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद मिल रही है। देश की प्रगति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश समावेशी शासन के लिए एआई का प्रभावी उपयोग कर रहा है। उन्होंने भाषिणी जैसे एआई आधारित भाषा प्लेटफॉर्म का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे भाषाई बाधाएं दूर हो रही हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई की

भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि टीबी स्क्रीनिंग, पोर्टेबल एक्स-रे और टेलीमेडिसिन प्लेटफॉर्म ई-संजीवनी के माध्यम से दूर-दराज क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने युवाओं से एआई और नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे नए अवसर पैदा होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि एआई के उपयोग में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि एआई का उपयोग समाज को अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और संवेदनशील बनाने के लिए किया जाना चाहिए।

सांसद राघव चड्ढा को केंद्र से मिली जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आम आदमी पार्टी (आआपा) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को जेड श्रेणी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार खुफिया विभाग की जानकारी और उन्हें खतरे के आकलन के बाद यह फैसला लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि राघव को दिल्ली और पंजाब में अर्धसैनिक बलों द्वारा सुरक्षा प्रदान की जाएगी। फिलहाल दिल्ली पुलिस को उनकी



सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है और बाद में केंद्रीय व्यवस्था उनकी सुरक्षा

देखेगी। इससे पहले पंजाब की आआपा सरकार ने राघव चड्ढा को दी गई जेड प्लस सुरक्षा वापिस ले ली। वे पंजाब से ही राज्यसभा के सदस्य हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में आआपा ने राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाकर उनके स्थान पर अशोक मित्तल को जिम्मेदारी दी। आआपा ने राज्यसभा सचिवालय को भी सूचित कर दिया था कि चड्ढा को अब पार्टी कोटे से बोलने का समय न दिया जाए।

मायावती ने किया महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन

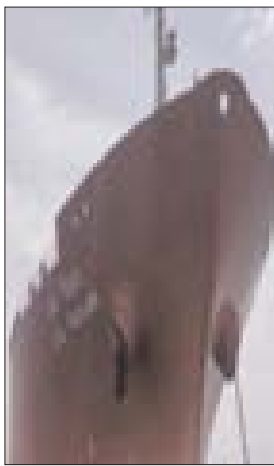


लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने लोकसभा और राज्यसभा में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण देने के प्रस्ताव पर अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ये काफी लंबा इंतजार हुआ, लेकिन हम इसका स्वागत करते हैं। बसपा प्रमुख मायावती बुधवार को एक यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि यदि एससी-एसटी एवं ओबीसी समाज के हित व कल्याण के मामले में सफल हो जायें तो तब तक पार्टी का रुख दाली देती तो यह बेहतर होगा। उन्होंने कांग्रेस-बसपा पर मफला भी बोला है। उन्होंने कहा कि बसपा के बेस वोट, दलितों को लुभावने के लिए पिछले कुछ समय से विरोधी दल कार्यक्रमों में नीले रंग के कपड़ों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे दलितों पर कुछ भी असर पड़ने वाला नहीं है, क्योंकि इन पर केवल बसपा के नीले रंग का ही असर पड़ता है। अन्य किसी और रंग का नहीं, यह विरोधियों को ध्यान में रखकर चलना चाहिए।

होर्मुज की अमेरिकी नाकेबंदी के बीच भारत को बड़ी राहत

एलपीजी टैंकर विक्रम पहुंचा कांडला

नई दिल्ली। होर्मुज स्ट्रेट में जारी अमेरिकी की नाकेबंदी के बीच भारतीय एलपीजी टैंकर जग विक्रम भारत पहुंचने में सफल रहा। 20,400 मेट्रिक टन एलपीजी लेकर यह टैंकर आज गुजरात के कांडला पोर्ट पहुंचा। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के लिए अस्थायी सीजफायर का ऐलान होने के बाद होर्मुज स्ट्रेट पार करने वाला यह पहला भारतीय जहाज है। एलपीजी टैंकर जग विक्रम 11 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने में सफल हुआ था। मार्च की शुरुआत के बाद से अभी तक होर्मुज के पश्चिमी हिस्से से होकर निकलने वाला यह भारत का नौवां जहाज है। एलपीजी टैंकर जग विक्रम 11 अप्रैल को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने में सफल हुआ था। मार्च की शुरुआत के बाद से अभी तक होर्मुज के पश्चिमी हिस्से में थे, जबकि चार जहाज पूर्वी हिस्से में फंसे हुए थे। ईरान और अमेरिका के बीच दो सप्ताह का अस्थायी सीजफायर शुरू



होने के पहले होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिमी हिस्से से भारत के आठ जहाज सफलतापूर्वक निकल गए थे। इसी तरह पूर्वी हिस्से से भी दो भारतीय जहाज सुरक्षित निकालने में सफल रहे थे। अब एलपीजी टैंकर जग विक्रम भी होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में हिस्से से निकालकर सुरक्षित भारत पहुंच गया है।

भारतीय दल अगले हफ्ते जाएंगा वॉशिंगटन, ट्रेड डील और नए टैरिफ पर होगी बात

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील पर फिर से बातचीत शुरू हो गई है। नए टैरिफ ढांचे और ट्रेड डील को फाइनल करने के लिए अगले सप्ताह एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका का दौरा करेगा। दोनों देशों के व्यापार अधिकारियों के बीच यह द्विपक्षीय बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि भारत और अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के रूपरेखा को अंतिम रूप दे चुके हैं। दोनों देशों के बीच इस समझौते पर पहले मार्च में हस्ताक्षर होने थे, लेकिन अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद शुल्क संरचना में हुए बदलाव से स्थिति बदल गई है। इस समझौते पर अब अमेरिका की नई वैश्विक शुल्क संरचना लागू होने के बाद ही हस्ताक्षर किए जाएंगे। भारत और अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा फरवरी में की थी। उस रूपरेखा के अनुसार अमेरिका ने भारत पर 18 फीसदी तक टैरिफ घटाने पर सहमति जताई थी। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने 24 फरवरी से 150 दिन के लिए सभी देशों पर 10 फीसदी शुल्क लगाया है। इन बदलावों के मद्देनजर भारत और अमेरिका के मुख्य वाताकारों के बीच होने वाली बैठक पिछले महीने स्थगित कर दी गई थी। भारत ने इस समझौते को जब अंतिम रूप दिया था, तब वह अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में था। अब अमेरिका के सभी व्यापारिक साझेदार एक समान 10 फीसदी शुल्क का सामना कर रहे हैं। अगले हफ्ते होने वाली बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका धारा 301 के तहत दो जांच कर रहा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) ने 12 मार्च को धारा 301 के तहत जांच शुरू की, जिसमें भारत और चीन सहित 60 अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड़ा को समन, 16 मई को कोर्ट में पेश होने का आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड़ा को बतौर आरोपित समन जारी किया है। स्पेशल जज सुशान्त चोगट्टा ने रॉबर्ट वाड़ा समेत 11 आरोपितों को 16 मई को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया। कोर्ट ने रॉबर्ट वाड़ा के अलावा सत्यानंद याजी, केवल सिंह विर्क, मेसर्स स्काई लाईट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स स्काई लाईट रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स स्काई लाईट रियल अर्थ इस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स ओटैक्स, मेसर्स नॉर्थ इंडिया आईटी पार्वस प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स लंबोवर आई एंटरप्राइजेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और मेसर्स एसजीवाई प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड को समन जारी करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने 4 अप्रैल को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान रॉबर्ट वाड़ा ने कहा था कि उसके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का कोई मामला नहीं बनता है। रॉबर्ट वाड़ा की ओर से पेश वकील ने कहा था कि ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट पर कोर्ट को संज्ञान नहीं लेना चाहिए। कोर्ट ने दो अगस्त, 2025 को वाड़ा समेत सभी आरोपितों को समन जारी किया था। 17 जुलाई 2025 को ईडी ने रॉबर्ट वाड़ा के खिलाफ हरियाणा के शिकोहपुर भूमि से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें वाड़ा और 10 अन्य लोगों के नाम हैं। उनकी कंपनी मेसर्स स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी शामिल है। ईडी ने रॉबर्ट वाड़ा और उनकी कंपनी की 37.64 करोड़ की 43 संपत्तियों को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में जफ्त किया है। इस मामले की शुरुआत 2008 में हुई थी। गुरुग्राम के शिकोहपुर में जमीन का सौदा हुआ था। स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने साढ़े तीन एकड़ जमीन मात्र साढ़े सात करोड़ रुपये में खरीदी थी। वाड़ा इस कंपनी में डायरेक्टर थे। वह जमीन ऑकॉरेस्वर प्रोपर्टीज से खरीदी गई थी। इस जमीन का मालिकाना हक सिर्फ 24 पट्टे में ही वाड़ा की कंपनी के नाम पर हो गया। स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी ने 2012 में वही जमीन डीएलएफ को 58 करोड़ रुपये में बेच दी। इससे कंपनी को बहुत ज्यादा मुनाफा हुआ। इस मामले में 2018 में एक एफआईआर दर्ज की गई थी।

बैंकों को फास्टैग से जुड़े वाहन पंजीकरण नंबरों की जांच के निर्देश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) ने इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (ईटीसी) प्रणाली में डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए सभी फास्टैग जारी करने वाले बैंकों को निर्देश दिया है कि वे तत्काल उन वाहनों के पंजीकरण नंबर (वीआरएन) की जांच करें जो उनके द्वारा जारी किए गए फास्टैग से जुड़े हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यह निर्णय उस समय लिया गया जब शिकायतें सामने आईं कि फास्टैग रीडर द्वारा दर्ज किया गया वाहन पंजीकरण नंबर कई बार वाहन की नंबर प्लेट पर प्रदर्शित वास्तविक नंबर से मेल नहीं खाता। ऐसी विसंगतियां प्रवर्तन तंत्र को कमजोर कर सकती हैं और सरकारी राजस्व की चोरी के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत दंडात्मक प्रवधानों को भी प्रभावित कर सकती हैं। एनएचआई ने बताया कि अधिकांश ऐसे मामले उन फास्टैग से जुड़े हैं जो उस समय जारी किए गए थे जब फास्टैग जारी करने की प्रक्रिया को ह्यावनह्ड डेटाबेस से नहीं जोड़ा गया था। उस अवधि में सत्यापन तंत्र सीमित था और मैन्युअल प्रक्रियाओं पर अधिक निर्भरता थी, जिससे वाहन पहचान रिकॉर्ड में असंगतियां उत्पन्न हुईं। प्राधिकरण ने बताया कि फास्टैग के साथ वीआरएन का सही मैपिंग सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर आगामी तकनीकी आधारित पहल जैसे मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोलिंग को ध्यान में रखते हुए। एमएलएफएफ ढांचे के तहत रैड-अनुपालन वाहनों को इलेक्ट्रॉनिक नोटिस जारी करने जैसी प्रवर्तन कार्रवाइयों सटीक और सत्यापित वाहन पहचान डेटा पर निर्भर करेंगी। सभी फास्टैग जारी करने वाले बैंकों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने द्वारा जारी किए गए फास्टैग की तत्काल जांच करें और उन फास्टैग को ब्लैकलिस्ट करें जो गलत या अमान्य वीआरएन से जुड़े पाए जाते हैं। यह कार्रवाई सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाएगी।

खराब मौसम के कारण दार्जिलिंग नहीं पहुंचे अमित शाह, वीडियो संदेश में कहा

करेंगे गोरखा समस्या का समाधान

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह का दार्जिलिंग दौरा खराब मौसम के कारण प्रभावित हो गया। वे विमान से बागडोगरा पहुंचे थे, लेकिन वहां से हेलीकॉप्टर को उड़ान की अनुमति नहीं मिलने के कारण लेबॉग स्थित सभा स्थल तक नहीं जा सके। इसके बाद वे मालदा रवाना हुए और वहीं से लगभग सात मिनट का वीडियो संदेश जारी कर चुनावी प्रचार किया। बुधवार को अमित शाह को दार्जिलिंग और करसियांग विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा को संबोधित करना था। सभा स्थल तक नहीं पहुंच पाने के कारण उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से ही अपनी बात रखी। अपने संदेश में केंद्रीय गृह मंत्री ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर कुशासन का आरोप लगाते हुए कहा कि



उन्होंने पूरे राज्य का दौरा किया है और इस बार पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि वे 21 अप्रैल को सुखना में चुनाव प्रचार के लिए आएंगे। अमित शाह ने कहा कि यदि राज्य में भाजपा की सरकार बनती है तो घुसपैठ पर रोक लगेगी, सिंडिकेट व्यवस्था खत्म होगी और गुंडाराज का अंत होगा। उन्होंने खास तौर पर

दार्जिलिंग के गोरखा समुदाय का मुद्दा उठाते हुए भरोसा दिया कि गोरखा समस्या का समाधान निश्चित रूप से किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में उन्होंने गोरखा मुद्दे के समाधान के लिए कई प्रयास किए, लेकिन राज्य सरकार के सहयोग की कमी के कारण यह संभव नहीं हो सका। उनके अनुसार, पिछले डेढ़ साल में तीन बार बैठक का प्रस्ताव दिया

गया, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी या उनके किसी प्रतिनिधि ने दिल्ली जाकर इसमें भाग नहीं लिया। अमित शाह ने यह भी कहा कि उन्होंने पश्चिम बंगाल आकर बैठक करने की इच्छा जताई थी और समय भी मांगा था, लेकिन राज्य सरकार की ओर से समय नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार नहीं चाहती कि दार्जिलिंग के गोरखाओं को न्याय और अधिकार मिले। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जनता को आश्वासन करते हुए कहा कि आगामी पांच मई के बाद यदि भाजपा की सरकार बनती है तो गोरखा समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी वादा किया कि गोरखा समुदाय के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाएगा।